THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 3 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.2 2080 गुरुवार, 23 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने आईटीयू और इनोवेशन सेंटर का किया उद्घाटन

6जी का दृष्टि पत्र भी लॉन्च

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ के नए क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री कार्यक्रम के दौरान भारत 6-जी विजन डॉक्यूमेंट (दृष्टिपत्र) का अनावरण और 6-जी अनुसंधान और विकास केंद्र का शुभारंभ भी किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत जी20 बैठक की अध्यक्षता कर रहा है और क्षेत्रीय दूरियों को कम करना हमारी प्राथमिकता है। तकनीकी दूरियों को कम करने में वैश्विक दक्षिण की अहम भूमिका है। आईटीयू का एरिया ऑफिस और इनोवेशन सेंटर इसमें काफी अहम साबित होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हर महीने 800 करोड़ रुपए के यूपीआई आधारित भुगतान होते हैं।

हर दिन 7 करोड़ ई-अथॉन्टिकेशन होते हैं। 28 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए नागरिकों के बैंक खातों में भेजे गए हैं। 5जी के शुरू होने के 6 महीने में ही हम 6जी टेक्नोलॉजी के बारे में भी बात कर रहे हैं। यह भारत के विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टेलीकॉम तकनीक सिर्फ ताकत दिखाने का तरीका नहीं है बल्कि यह लोगों को सशक्त बनाने का मिशन है। भारत में 125 शहरों में 5जी कनेक्शन शुरू हो गए हैं। भारत में 100 5जी लैब देशभर में बनाए जाएंगे। इस दौरान केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कुछ साल पहले, एक टेलीकॉम टावर के लिए परमिट में 220 दिन लगते थे लेकिन अब इसमें सिर्फ 7 दिन लगते हैं। भारत का 5जी रोल आउट दुनिया में तेज है। 1,15,000 साइटें 5जी सिग्नल दे रही हैं।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच पीएम मोदी ने की उच्चस्तरीय बैठक

हालात-तैयारियों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। देश में बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अहम बैठक की। इस दौरान देश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की गई। जानकारी के मुताबिक, कोरोना के मामलों में तेजी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हालात और सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा के लिए यह उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी।

इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को अपडेट किए गए आंकड़ों से पता चला कि भारत में 1134 नए कोरोना के मामले दर्ज किए गए। मौजूदा वक्त में 7,026 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। इस दौरान पांच लोगों की मौत भी हुई। छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में एक-एक मौत की खबर है।

इसके अलावा एक कोरोना संक्रमित की जान केरल में गई। देश में दैनिक सकारात्मकता 1.09 फीसदी दर्ज की गई, जबकि साप्ताहिक सकारात्मकता 0.98 प्रतिशत आंकी गई।

पांच राज्यों ने बढ़ाई सरकर की चिंता

इससे पहले 16 मार्च को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच राज्यों को चिट्ठी लिखी थी। मंत्रालय ने महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक को चिट्ठी लिखकर कोरोना के प्रति सतर्क रहने को कहा था। मंत्रालय ने परीक्षण, ट्रैक, उपचार, टीकाकरण और कोरोना से लड़ने के अनुरूप व्यवहार की रणनीति का पालन करने को कहा था। इन राज्यों में कोविड-19 मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में सरकार से फाइव फोल्ड स्ट्रैटेजी के तहत हालात पर नजर रखने और जरूरी उपाय करने को कहा है।

केरल में हालात बिगड़ने की आशंका

केरल में कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। इसके बाद राज्य सरकार ने बुधवार को सभी जिलों में अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि राज्य में मंगलवार को 172 लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। तिरुवनंतपुरम और एर्नाकुलम जिलों में वायरस के मामले अधिक हैं।

राज्य में फिलहाल 1,026 सक्रिय मामले हैं, इनमें 111 लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सभी जिलों को अलर्ट कर दिया गया है। जिलों को निगरानी मजबूत करने का भी निर्देश दिया गया है।

इस तरह बढ़े मामले

भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

पीएम मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने पर 36 एफआईआर

* आम आदमी पार्टी के ऑफिस से निकली वैन में भी मिले पोस्टर, 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में पुलिस ने 36 एफआईआर दर्ज की हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 100 में से बाकी एफआईआर दूसरे पोस्टर्स को लेकर दर्ज की गई थीं। सभी केस प्रिंटिंग प्रेस एक्ट और प्रॉपर्टी डिफेसमेंट एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। वहीं आम आदमी पार्टी के ऑफिस से निकलते हुए एक वैन से भी पोस्टर जब्त किए गए। इस केस में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली के कुछ हिस्सों में 'मोदी हटाओ देश बचाओ' नारों वाले पोस्टर लगे थे। इन पोस्टरों में प्रिंटिंग प्रेस का ब्योरा नहीं था। आईपी स्टेट थाने के एक कॉन्स्टेबल ने पप्पू मेहता नाम के एक शख्स को पोस्टर लगाते हुए पकड़ा था। पप्पू के पास 38 बंडल पोस्टर मिले थे।

आम आदमी पार्टी ने पूछा- पोस्टर में आपत्तिजनक क्या है

इधर, आम आदमी पार्टी ने पुलिस कार्रवाई को तानाशाही बताया है। पार्टी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर लिखा- मोदी सरकार की तानाशाही चरम पर है। पोस्टर में ऐसा क्या आपत्तिजनक है, जो इसे लगाने पर मोदी जी ने 100 एफआईआर कर दीं? पीएम मोदी आपको शायद पता नहीं, पर भारत एक लोकतांत्रिक देश है, एक पोस्टर से इतना डर क्यों? आप नेता गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया कि आम आदमी पार्टी गुरुवार से देश भर में मोदी हटाओ, देश बचाओ अभियान शुरू कर रही है।

आंध्र-ओडिशा सीमा : भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

50 किलोग्राम कोडेक्स तार, 100 डेटोनेटर और 15 रेडियो सेट जब्त

कोरापुट (ओडिशा), 22 मार्च (एजेंसियों)। आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा पर भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए। आशंका जताई जा रही है कि विस्फोटकों को माओवादियों ने छिपाकर रखा होगा। पुलिस अधीक्षक अविनाश सोनकर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कोरापुट जिले के लामातापुट इलाके से 50 किलोग्राम विस्फोटक कोडेक्स तार, 100 डेटोनेटर और 15 रेडियो सेट जब्त किए हैं।

सोनकर के मुताबिक, विस्फोटकों को प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की आंध्र-ओडिशा सीमा विशेष क्षेत्रीय समिति (एओबीएसजेडसी) द्वारा सुरक्षा बलों के खिलाफ भविष्य में इस्तेमाल के लिए छिपाए जाने का संदेह है।

जयराम रमेश बोले-अडाणी नहीं मोदी जी चुप्पी तोड़िये

कहा-भाजपा चाहती है हम जेपीसी की मांग वापस लें, हम यह सौदा नहीं करेंगे

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। संसद में राहुल गांधी की माफी और अडाणी के मुद्दे पर जमकर हंगामा हो रहा है। इसकी वजह से लोकसभा और राज्यसभा में पिछले 7 दिनों से जरूरी बिल पास नहीं हो पा रहे हैं। इस बीच कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को अडाणी मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- पिछले तीन-चार दिनों से कोशिश की जा रही है कि विपक्ष जेपीसी की मांग वापस ले ले, तो भाजपा राहुल गांधी से माफी मंगवाने वाली मांग वापस ले लेगी। हम यह सौदा नहीं करेंगे। हम चाहते हैं कि अडाणी नहीं बल्कि मोदी जी आप चुप्पी तोड़िए। उन्होंने कहा कि घोटाला केवल शेयर बाजार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पीएम मोदी और सरकार की नीतियों, नीयत और इरादों से भी जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट में जो कमेटी बैठाई गई है, उनमें जाने माने विशेषज्ञों की कमेटी हैं। यह समिति अडाणी केंद्रित कमेटी है। ये अडाणी से सवाल करेंगे। हम जो सवाल कर रहे हैं वो अडाणी से नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री से है। कमेटी और जेपीसी के बीच में यही मौलिक अंतर है।

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी सरकार को क्लीन चिट दे देगी

जयराम ने कहा कि यह सवाल सुप्रीम कोर्ट की समिति सरकार से सवाल नहीं करेगी। वह सोचेंगे भी नहीं उनकी हिम्मत भी नहीं होगी। वह उन्हें क्लीन चिट दे देंगे। यह सिर्फ जेपीसी में ही उठाया जा सकता है। जेपीसी में भाजपा के अध्यक्ष होंगे। बहुमत भी उनकी ही होगी, लेकिन इसके बावजूद विपक्ष को इन सवालों को उठाने के लिए एक मौका मिलेगा। फिर सरकार की ओर से जवाब आएगा और इन सब को रिकॉर्ड किया जाएगा।

पटाखों के गोदाम में विस्फोट, 8 की मौत-17 घायल

चेन्नई, 22 मार्च (एजेंसियों)। तमिलनाडु के कांचीपुरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए।

घायलों को कांचीपुरम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चला है।

पुलिस ने कहा कि बुधवार दोपहर जब विस्फोट हुआ उस समय यूनिट में 25 लोग काम कर रहे थे। दमकल की चार यूनिट ने फैक्ट्री में पहुंचकर आग पर काबू पाया।

कांचीपुरम कलेक्टर एम आरती का कहना है, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्पॉट क्लियर है। पुलिस इस पर और जांच करेगी। इसके बाद हमें और जानकारी मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अदालतें पितृसत्तात्मक टिप्पणी से बचें

केवल लड़का ही बुढ़ापे में मां-बाप का सहारा बनेगा, इस धारणा को आगे न बढ़ाएं

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने मौत की सजा के फैसले पर रिव्यू के दौरान अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट की समीक्षा की पंक्तियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अदालतों को पुरुष प्रधान या पितृ सत्तात्मक टिप्पणियों से बचना चाहिए।

सीजेआई ने कहा, 'बेटा वंश चलाता है, वही बुढ़ापे में मां-बाप का सहारा बनेगा, ऐसे कमेंट से बचना चाहिए।' सीजेआई की अध्यक्षत वाली जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच चेन्नई में 7 साल के लड़के की किडनैपिंग और हत्या के दोषी को मिली मौत की सजा की रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की पिछली सुनवाई का जिक्र किया था। सुप्रीम कोर्ट ने पिछली बार रिव्यू में कहा था,

'किसी मकसद से इकलौते लड़के की हत्या से माता-पिता पर बहुत गंभीर असर पड़ता है। उन माता-पिता के लिए यह बहुत बड़ी यातना है, जिन्होंने इकलौता बच्चा खो दिया। वह बच्चा जो उनके वंश को आगे बढ़ाता और बुढ़ापे में उनका ध्यान रखता। ये हत्या पीड़ितों पर बहुत बड़ी विपत्ति है।'

सीजेआई ने कहा, 'बच्चे की हत्या अपने आप में बहुत क्रूर कृत्य है। ऐसी हालत में कोर्ट के सामने यह विषय नहीं हो सकता कि छोटा बच्चा लड़का है या फिर लड़की। हत्या अपने आप में बहुत बड़ा दुख है। ऐसे में कोर्ट को यह नहीं कहना चाहिए कि वह लड़का था और वंश चलाता या फिर मां-बाप का बुढ़ापे में ध्यान रखता। ऐसी टिप्पणियां अनजाने में ही फैसलों में पुरुष प्रधान और पितृ सत्तात्मक नजरिया जोड़ती हैं। इनसे दूर रहना चाहिए।' मामला 2009 का है। दोषी सुंदरराजन ने बच्चे को स्कूल जाते वक्त किडनैप किया था उसने बच्चे से कहा था कि उसकी मां और दादी की तबियत ठीक नहीं है और उसे उसके साथ अस्पताल जाना है। बच्चा इकलौता था। उसके माता-पिता बच्चे को छुड़ाने के लिए फिरौती नहीं दे सके थे। दोषी ने कोर्ट में यह स्वीकार किया था कि जब फिरौती नहीं मिली तो उसने बच्चे का गला घोंटकर उसकी लाश बोरे में बांधकर पानी की टंकी में फेंक दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2013 में सुंदरराजन को फांसी की सजा सुनाई थी। हालांकि कोर्ट 5 साल बाद नवंबर 2018 में फांसी की सजा के अपने फैसले का रिव्यू करने तैयार हो गया था। इसके बाद फांसी की सजा को 20 साल कैद में बदल दिया था।

मनी लॉन्ड्रिंग में सिसोदिया की ज्यूडिशियल कस्टडी 5 अप्रैल तक

जेल में पढ़ने के लिए किताबें मांगी, कोर्ट ने परमिशन दी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की कस्टडी 14 दिन बढ़ा दी है। अब उन्हें 5 अप्रैल तक कस्टडी में रहना होगा। 5 दिन की ईडी की रिमांड खत्म होने के बाद बुधवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सिसोदिया को पेश किया गया। इसके अलावा सिसोदिया ने जेल में पढ़ने के लिए किताबों के लिए एप्लीकेशन दी। इस पर कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया को किताबें दे दी जाएंगी।

दरअसल, सीबीआई और ईडी दोनों ही शराब नीति केस की जांच कर रही हैं। सिसोदिया को ईडी ने 9 मार्च को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। मनीष 17 से 22 मार्च तक ईडी की रिमांड पर हैं। 23 मार्च से 3 अप्रैल तक उनकी कस्टडी सीबीआई के पास रहेगी।

अमृतपाल जिस बाइक से भागा वह जालंधर में मिली

पत्नी बब्बर खालसा की मेंबर, फंड जुटाती है-मां से एक घंटे पूछताछ

अमृतसर, 22 मार्च (एजेंसियों)। वारिस पंजाब दे के चीफ अमृतपाल की तलाश में पुलिस का ऑपरेशन लगातार पांचवें दिन भी जारी है। जिस बाइक से वह भागा, उसे पुलिस ने बुधवार को बरामद कर लिया। बाइक जालंधर से करीब 45 किलोमीटर दूर दारापुर इलाके में लावारिस हालत में मिली। उधर, पुलिस ने दोपहर लगभग 12 बजे अमृतसर के जल्लूपुर खेड़ा गांव में अमृतपाल की मां से करीब एक घंटे पूछताछ की। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि पूछताछ किस मामले को लेकर की गई है। इस दौरान पुलिस ने अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर से भी सवाल-जवाब किए।

पत्नी बब्बर खालसा की मेंबर, फंड जुटाती है

अमृपताल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर एनआरआई है। वह बब्बर खालसा की एक्टिव मेंबर है। एक सीनियर ब्रिटिश खुफिया अफसर ने बताया कि किरणदीप बब्बर खालसा के लिए फंड जुटाती है। 2020 में उसे और 5 लोगों को बब्बर खालसा के लिए पैसे जुटाने के आरोप में गिरफ्तार भी किया गया था। वह ब्रिटेन से खालिस्तान मूवमेंट के लिए फंडिंग कर रही थी।

अमृतपाल ने हुलिया बदला, दाढ़ी छोटी की

एक दिन पहले यानी मंगलवार को अमृतपाल की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें उसका हुलिया बदला हुआ है। उसने दाढ़ी कटवा ली है, पारंपरिक सिख बाणा उतार दिया है और पगड़ी में हैं। शर्ट और जींस में बाइक पर बैठा दिख रहा है। पुलिस के मुताबिक, अमृतपाल ब्रेजा कार से नंगल अंबिया गांव पहुंचा।

यहां उसने गुरुद्वारे के ग्रंथी को बंधक बनाया और यहीं पर हुलिया बदला। इसके बाद वह बाइक से फरार हो गया। पुलिस ने ब्रेजा कार शाहकोट में मनप्रीत मन्ना के घर से बरामद की है। मन्ना को अमृतपाल का मीडिया एडवाइजर बताया जा रहा है। उसके अलावा गुरदीप दीपा, हरप्रीत हैप्पी और गुरभेज भेज्जा की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। ब्रेजा कार से राइफल, वॉकी टॉकी और तलवारें जब्त की गई हैं। अमृतपाल ने इनका इस्तेमाल किया था। आखिरी बार वह ब्रेजा में सवार हुआ था।

पन्नू ने दी दिल्ली-एनसीआर में 'अंधेरा' करने की धमकी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। विदेश से पंजाब में खालिस्तान की मुहिम छेड़ने वाला गुरपतवंत सिंह पन्नू, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकी घोषित किया गया है, अब वह अमृतपाल सिंह के समर्थन में उतर आया है। बुधवार को उसने मीडिया कर्मियों के फोन पर भेजे एक ऑडियो मैसेज में पंजाब और अमृतपाल सिंह के मसले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चेतावनी दे डाली है। खुद को 'सिख फॉर जस्टिस' संगठन का प्रमुख और लीगल एडवाइजर बताने वाले पन्नू ने अपने मैसेज में कहा है कि अगर केंद्र सरकार, अमृतपाल सिंह को लेकर पंजाब में कोई गलत कदम उठाती है या बेवजह हस्तक्षेप करती है, तो उसके लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री जिम्मेदार होंगे।

साथ ही, उसने दिल्ली में 'अंधेरा' करने की चेतावनी दी है। पन्नू ने कहा, दिल्ली के पावर हाउस बंद कर दिए जाएंगे। इससे पहले भी कई बार पन्नू, केंद्रीय नेताओं को धमकी दे चुका है। किसान आंदोलन के दौरान भी उसने ऐसे कई मैसेज जारी किए थे। उसके बाद पंजाब में हुई कुछ हिंसक वारदातों की जिम्मेदारी भी पन्नू के संगठन ने ली थी। पंजाब में जी20 के प्रतिनिधिमंडल को लेकर भी खालिस्तान समर्थक पन्नू, चेतावनी जारी कर चुका है। पन्नू पर पंजाब में ही करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। उस पर राजद्रोह तक के आरोप लग चुके हैं। पंजाब पुलिस, कनाडा में रह रहे पन्नू के आत्मसमर्पण के लिए प्रयासरत है। इस बाबत केंद्र के साथ मिलकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

लंदन में तिरंगे का अपमान करने वाला गिरफ्तार

अमृतसर, 22 मार्च (एजेंसियों)। पंजाब में अमृतपाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में लंदन स्थित भारतीय दूतावास के बाहर तिरंगे का अपमान करने वाले खालिस्तानी समर्थक अवतार सिंह खंडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। खंडा प्रतिबंधित ग्रुप बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सदस्य है। वहीं पंजाब में चल रही जांच में भी सामने आ रहा है कि खंडा कोई और नहीं, अमृतपाल का हैंडलर है। लंदन में पकड़ा गया खंडा खालिस्तान लिब्रेशन फोर्स से जुड़े रहे कुवंत सिंह खुखराना का बेटा है। खंडा पाकिस्तान में छिप कर बैठे बीकेआई के प्रमुख सदस्य परमजीत सिंह पम्मा का खासमखास है। पम्मा के आदेश पर ही अवतार सिंह एक्शन लेता है। 3पुलिस की जांच में स्पष्ट हुआ है कि दुबई में लग्जरी लाइफ जीने वाला अमृतपाल अपने चाचा का ट्रांसपोर्ट का काम संभालता था, लेकिन कुछ साल पहले चाचा अपने परिवार के साथ कनाडा चला गया था।

महाठग सुकेश कैदियों को 5 करोड़ दान करना चाहता है

जेल डीजी को लिखा-25 मार्च को मेरा जन्मदिन, उसी दिन परमिशन देंगे तो खुशी होगी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियों)। 200 करोड़ की ठगी के केस में दिल्ली की मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने बुधवार को जेल के डायरेक्टर जनरल को एक चिट्ठी लिखी है। जिसमें उसने कैदियों और उनके परिवार के कल्याण के लिए 5.11 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट देने की परमिशन मांगी है। सुकेश जिन कैदियों की भलाई के लिए पैसा देना चाहता है उनमें वे कैदी भी शामिल हैं जो अपनी जमानत बॉण्ड का भुगतान नहीं कर पाने के कारण कई साल से जेल में बंद हैं।

मैं अपनों से दूर हूं। एक इंसान के तौर पर, अच्छे इरादे के साथ मैं अनुरोध करता हूं कि कैदियों के कल्याण के लिए 5.11 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट स्वीकार करें। मुझे बहुत खुशी होगी अगर 25 मार्च को इसे एक्सेप्ट करते हैं। क्योंकि उस दिन मेरा जन्मदिन है, और ये मेरे लिए सबसे अच्छा तोहफा होगा।

ज्यूडिशियरी निस्संदेह इस मामले में कई कोशिश कर रही हैं, लेकिन गरीबी रेखा से नीचे के विचाराधीन कैदियों पर किसी ने गौर नहीं किया न ही उनके लिए ऐसी कोई पहल हुई है।जेल में रहते हुए मैंने कई परिवारों को बिखरते देखा है क्योंकि उनके अपने कई साल से कैद हैं। इसलिए मैं यह छोटी सी पहल करना चाहता हूं और अपनी निजी कमाई से एक छोटा सा हिस्सा दान करना चाहता हूं।

अगर मेरा योगदान आपका ऑफिस एक्सेप्ट करता है तो मेरी कानूनी टीम सोर्स प्रूफ के साथ आईटीआर और बाकी जरूरी लीगल कार्रवाई करेगी, क्योंकि ये पैसा 100% मेरी लीगल इनकम का है। इसे किसी क्राइम के जरिए नहीं कमाया है। मैं और मेरा परिवार शारदा अम्मा फाउंडेशन और चंद्रशेखर कैंसर फाउंडेशन के जरिए कई कल्याणकारी काम करते रहे हैं, जो दक्षिण भारत में लाखों गरीबों को भोजन करा रहे हैं, और हर महीने गरीब रोगियों को मुफ्त कीमोथैरेपी भी दे रहे हैं।

मुंबई पुलिस ने बुकी अनिल जयसिंघानी के करीबी को गिरफ्तार किया

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र) : मुंबई पुलिस ने कहा कि उन्होंने बुकी अनिल जयसिंघानी के करीबी सहयोगी निर्मल जयसिंघानी को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस द्वारा दायर ब्लैकमेल और जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार किया है. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि निर्मल ने अनिल जयसिंघानी को छिपाने और होटल के कमरे बुक करने में मदद की. मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने अमृता फडणवीस को धमकी देने और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार की गई अनुष्का के खिलाफ जबरन वसूली की धारा जोड़ी है. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने महीने की शुरुआत में कहा कि अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की जबरन वसूली की धारा 385 जोड़ी गई है. इनपर आरोप है कि इन्होंने अमृता फडणवीस को वीडियो वायरल करने की धमकी दी और रिश्वत की मांग की. पुलिस के मुताबिक, अनुष्का को गुरुवार (16 मार्च) को उल्हासनगर से गिरफ्तार किया गया था. अधिकारी ने कहा था कि आरोपी महिला ने अमृता फडणवीस को दो वीडियो भेजे थे और 10 करोड़ रुपये की रिश्वत न देने पर उन्हें वायरल करने की धमकी दी थी. हालांकि, पुलिस ने यह साफ किया कि वीडियो आरोपी महिला ने नहीं बनाये थे. मुंबई पुलिस ने आगे बताया कि वे उस व्यक्ति की तलाश में है जिसने वीडियो बनाया था. जिसके साथ आरोपी महिला ने डिप्टी सीएम की पत्नी से जबरन वसूली करने की कोशिश की थी. अमृता फडणवीस द्वारा मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी. मुंबई पुलिस ने गुरुवार को कहा था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस से कथित तौर पर 10 करोड़ रुपये वसूलने की कोशिश करने के आरोप में अनुष्का और उनके पिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था.

बिलकिस बानो गैंगरेप के दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

समय से पहले रिहाई के खिलाफ की जाएगी सुनवाई

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या करने वाले 11 दोषियों को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट सभी दोषियों की समय से पहले रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए राजी हो गया है। इसके लिए एक बेंच गठित करने पर सहमत हो गया है। इससे आने वाले समय में दोषियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि इस मामले से सभी दोषियों को पिछले साल 15 अगस्त से मौके पर जेल से समय से पहले रिहा कर दिया गया था।

बिलकिस बानो ने दायर की थी याचिका

बता दें कि सभी दोषियों की रिहाई के खिलाफ पीड़िता बिलकिस बानो की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दाखिल की गई थी। याचिका में सभी दोषियों को दोबारा जेल भेजने की मांग की गई थी। इसके अलावा एक अन्य याचिका में सुप्रीम कोर्ट से उसके पुराने फैसले पर पुनर्विचार करने की भी मांग की गई जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने दोषियों की रिहाई पर गुजरात सरकार को फैसला लेने को कहा था। बिलकिस बानो की ओर से इस पर आपत्ति जताई गई कि जब पूरे मामले का ट्रायल महाराष्ट्र में चल रहा था जो गुजरात सरकार इस पर फैसला कैसे ले सकती है।

क्या है पूरा मामला?

गुजरात में गोधरा कांड के बाद 3 मार्च 2002 को दंगे भड़के थे। इस दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा के रंधिकपुर में भीड़ बिलकिस बानो के घर में घुस गई। दंगाईयों से बचने के लिए बिलकिस खेत में छुपी हुई थी। दंगाईयों ने बिलकिस बानो और उसकी मां समेत तीन और महिलाओं के साथ रेप किया। उस समय बिलकिस बानो 21 साल की थी। जिस समय उसके साथ यह घटना हुई वह 5 महीने की गर्भवती भी थी। इतना ही नहीं दंगाईयों ने बिलकिस बानो के परिवार से 7 लोगों की हत्या भी कर दी। इस हमले में 6 लोग लापता भी हुए जिसका कभी कोई सुराग नहीं मिला।

11 लोगों को मिली थी सजा

इस मामले में सीबीआई ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया। जिन्हें सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने 2008 में दोषी करार दिया। सभी दोषियों को पहले मुंबई की ऑर्थर रोड जेल में रखा गया था हालांकि बाद में उन्हें गोधरा की एक जेल में भेज दिया गया। पिछले साल सभी दोषियों को उनकी सजा पूरी होने से पहले ही जेल से रिहा कर दिया गया। इतना ही नहीं दोषियों की रिहाई के बाद उनका माला पहनाकर स्वागत भी किया गया।

नरेंद्र मोदी भोपाल आएंगे, एक अप्रैल को कमांडर्स सम्मेलन में लेंगे भाग

भोपाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अप्रैल को भोपाल आएंगे। वह कमांडर्स सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें शामिल होने मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेना अध्यक्ष भी 31 मार्च को भोपाल आएंगे। भोपाल में तीनों सेनाओं के कमांडर्स का दो दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 31 मार्च और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अप्रैल को भोपाल आ रहे हैं। रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री के भोपाल आगमन को लेकर भोपाल पुलिस और मंत्रालय में अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल्द ही भोपाल पुलिस प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर रूट का रिहर्सल भी करने वाली है। दुनिया में कुछ देशों के बीच चल रहे तनाव के साथ ही रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध से उपजे नए हालातों पर इस सम्मेलन में मंथन किया जाएगा। पूर्वोत्तर देशों में जारी सैन्य गतिविधियों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। अहम मीटिंग के मद्देनजर राजधानी भोपाल सहित अन्य शहरों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षा के लिए पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के हजारों जवान बुलाए जाएंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एमपी का सौभाग्य है कि पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर सभी बड़े दिग्गज भोपाल आ रहे है। पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षा मोदी राजनाथ सिंह सेना के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उन्होंने कहाकि राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन भवन का भूमिपूजन करने आ रहे हैं।

केन्द्र सरकार की छह राज्यों में

और दो यूटी में सी प्लेन चलाने की तैयारी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार लोगों को सड़क, रेल, हवाई मार्ग के साथ साथ सी प्लेन चलाने की तैयारी कर रही है. इसके लिए काम शुरू हो चुका है. जिन-जिन एयरोड्रम से सी प्लेन चलाए जाने हैं, उनको चिह्नित कर लिया गया है. उड़ान योजना के तहत इन वाटर एयरोड्रम से सी प्लेन का संचालन किया जाएगा. साबरमती रिवरफ्रंट तथा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के बीच सीप्लेन संचालन शुरू किया गया था. नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार देश के छह राज्यों और दो यूटी में सी प्लेन चलाने के लिए 25 वाटर एयरोड्रम की पहचान हो चुकी है. इनमें गुजरात,असम, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश के अलावा अंडमान और निकोबार व लक्ष्यद्वीप शामिल हैं. इनमें से सबसे ज्यादा वाटर एयरोड्रम लक्षद्वीप में चिह्नित किए गए हैं. यहां के 8 वाटर एयरोड्रम शामिल हैं. वहीं दूसरा नंबर अंडमान निकोबार का है, यहां पर पांच वाटर एयरोड्रम से सी प्लेन चलेंगे. इसके अलावा गुजरात, असम और गोवा में तीन-तीन वाटर एयरोड्रम चिह्नित किए गए हैं. आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना के लोग भी सी प्लेन से सफर का आनंद ले सकेंगे. इन तीनों राज्यों में एक-एक वाटर एयरोड्रम चिन्हित किए गए हैं. उड़ान बाजार आधारित योजना है. इच्छुक एयरलाइनें, सीप्लेन प्रचालन सहित विशिष्ट मार्गों पर मांग के आंकलन के आधार पर उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के दौरान अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं. नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक्सपर्ट के अनुसार समुद्री तट और नदियों के किनारे बसे इलाकों में सी एयरोड्रम का निर्माण सफल रहेगा. अभी ऐसे इलाकों मे एयरपोर्ट दूर होते हैं, जहां जाने के लिए लोगों को समय लगता है, लेकिन तटीय इलाकों में इस तरह एयरपोर्ट बनने से लोगों का समय बचेगा. लोग करीब बने वाटर एयरोड्रम से सी प्लेन से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे.

सांबा में बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाक ड्रोन पर गोलीबारी की

सांबा/जम्मू, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास उड़ रहे एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन पर बुधवार तड़के गोलीबारी की, जिसके बाद इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि रामगढ़ सब-सेक्टर में चमलियाल सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने देर रात ढाई बजे के आसपास पाकिस्तान की ओर आकाश में टिमटिमाती लाल रोशनी देखी, जो संभवतः ड्रोन थी। जवानों ने उसे मार गिराने के लिए दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाईं। सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध ड्रोन पाकिस्तान की तरफ लौट गया, जिसके बाद चमलियाल, सपवाल और नारायणपुर सीमा चौकियों से सटे अग्रिम गांवों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्रोन के जरिये क्षेत्र में कोई हथियार या मादक पदार्थ तो नहीं गिराया गया है। सूत्रों के अनुसार, अभियान के लिए बड़ी संख्या में तैनात बीएसएफ जवान दुग, चन्नी-सपवाल और आसमपुर गांवों के खुले मैदानों में तलाशी ले रहे हैं।

हरियाणा में अनोखी शादी

सोनीपत से बिना दूल्हे के करनाल गई बारात बिना दुल्हन के लौटी, अमेरिका में हुई शादी

सोनीपत, 22 मार्च (एजेंसियां)। एक बार फिर हरियाणा में अनोखी शादी देखने को मिली है. ये शादी सूबे में चर्चा की विषय बनी हुई है. दसअसल सांदल खुर्द गांव सोनीपत के अमित ने करनाल निवासी अंशु के साथ 19 मार्च को सात फेरे लिए. ये शादी हरियाणावीं रिति रिवाज से संपन्न हुई. खास बात ये रही कि सोनीपत से करनाल बारात बिना दूल्हे के गई. करनाल में बारात बिना दुल्हन के लौटी. दरअसल ये शादी ऑनलाइन या फिर यूं कहें कि वर्चुअल तरीके से हुई. बिना दूल्हे के बारातः सोनीपत के अमित और करनाल की आशु दोनों अमेरिका में रह रहे हैं. शादी फिक्स होने के बाद किसी वजह से दूल्हा और दुल्हन अमेरिका से भारत अपने घर नहीं आ पाए. जिसके बाद परिजनों ने फैसला किया कि शादी की सारी रस्में ऑनलाइन की जाएंगी. इसके लिए टीवी स्क्रीन और हाई स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था की गई. पहले अमित के परिजनों ने सोनीपत में टीका और सगाई का कार्यक्रम रखा. दूल्हा और दुल्हन

दोनों अपनी ही शादी में अमेरिका से ऑनलाइन जुड़े रहे. दूल्हा दुल्हन अमेरिका में, हरियाणा में शादी बाद में बारात बिना दुल्हे के करनाल पहुंची. जहां आशु के परिजनों ने बारात का जोरदार स्वागत किया. अमित और आशु दोनों की सारी रस्में ऑनलाइन ही निभाई गई. दूल्हा दुल्हन इस रस्मों में टीवी के माध्यम से ऑनलाइन जुड़े. सांदल खुर्द गांव सोनीपत निवासी अमित लाकड़ा और करनाल की आशु अमेरिका में अलग-अलग कंपनी बनाकर काम कर रहे हैं. अमित ने साल 2014 में मलेशिया में मर्चेंट नेवी में नौकरी ज्वाइन की थी. उसके बाद अलग-अलग देशों में नौकरी की. उन्होंने साल 2017 से अपने काम की शुरुआत करते हुए ट्रैकिंग कंपनी बना ली. वहीं आशु भी अमेरिका में अपनी कंपनी बनाकर काम कर रही हैं. इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई. दोनों के विचार मिले तो दोनों ने ही शादी करने का फैसला किया. दोनों के परिजन भी इस शादी के लिए राजी हो गए. अमित को उसकी ससुराल वालों ने स्क्रीन पर ही ऑनलाइन माध्यम से टीका किया.

अमेरिकन महिला डॉक्टर ने भेजा 19 तोले सोने का मुकुट:एक साल पहले इस्लाम छोड़ सनातन कुबूला

गाजियाबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की प्रसिद्ध महिला डॉक्टर ने गाजियाबाद के शिवशक्ति धाम डासना में पारदेश्वर महादेव के लिए 19 तोले का सोने का मुकुट और श्रृंगार का सामान भेजा है। ये मुकुट उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के दो कारीगरों ने तैयार किया है। महिला डॉक्टर पूर्व में मुस्लिम थीं, जो एक साल पहले धर्मांतरण करके सनातन धर्म ग्रहण कर चुकी हैं। श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर एवं डासना मंदिर के पीठाधीश्वर यति नरसिंहानंद गिरि ने बताया कि महिला डॉक्टर मूल रूप से गुजरात की रहने वाली हैं। वे फिलहाल अमेरिका में रहती हैं और वहां डॉक्टर की प्रैक्टिस करती हैं। महामंडलेश्वर के अनुसार, 'महिला डॉक्टर करीब 5 साल पहले सोशल मीडिया के जरिये मेरे संपर्क में आई थीं। इसके बाद दोनों के विचारों का आदान-प्रदान शुरू हुआ। आखिरकार उन्होंने माना कि इस्लाम और सनातन के बारे में मेरे विचार सही हैं। मेरी बातों से प्रभावित होकर मुस्लिम महिला डॉक्टर ने धर्मांतरण का फैसला लिया। करीब एक साल पहले वो धर्मांतरण करके सनातन धर्म में आ गईं और भगवान महादेव शिव को गुरु व जगदंगा महाकाली डासना देवी को अपनी मां मान लिया था।' अब महिला डॉक्टर ने डासना मंदिर में स्थापित पारदेश्वर महादेव के लिए सोने का मुकुट सहित पूरा श्रृंगार का सामान भिजवाया है। इसका कुल वजन करीब 19 तोला है।

टीपू सुल्तान को किसने मारा?

कर्नाटक चुनाव के कुछ हफ्तों पहले बीजेपी-कांग्रेस में छिड़ी बहस

बेंगलूरू, 22 मार्च (एजेंसियां)। गेटवे ऑफ साउथ इंडिया' यानी कर्नाटक में कुछ हफ्तों बाद चुनाव होने वाले हैं. कुछ दिनों पहले मुख्य चुनाव आयुक्त का दौरा भी हो गया. अब उम्मीद है कि अगले हफ्ते चुनावों का ऐलान हो सकता है. लेकिन सियासत गरम है. कांग्रेस को यहां जीत की आशा नजर आ रही है तो बीजेपी किसी भी सूरत में सत्ता से हाथ नहीं धोना चाहती. यहां पर आए दिन कोई न कोई नया मुद्दा तैयार हो रहा है. बहस छिड़ी हुई है कि टीपू सुल्तान को किसने मारा? बीजेपी का दावा है कि उनको वोक्कालिगा सरदारों ने मारा है, जबकि इतिहासकारों ने इसे गलत बताया है. बीजेपी और कांग्रेस के बीच टीपू सुल्तान की हत्या को लेकर बहस छिड़ी हुई है. दरअसल, पिछले दिनों बीजेपी के कुछ नेताओं ने ऐसा दावा किया था कि टीपू सुल्तान की हत्या वोक्कालिगा सरदारों ने की थी. इस पर कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी लोगों को गुमराह कर रही है. वो काल्पनिक बातों को लोगों के सामने रख रही है. हालांकि वोक्कालिगा कम्युनिटी के सरदारों उरी गौड़ा और नांजे गौड़ा पर विवाद के बीच एक प्रमुख संत ने कहा कि इस विवाद को बंद होना चाहिए. इसमें हमारे पास बहुत ज्यादा फैक्ट्स नहीं है. चुनाव नजदीक हैं. ये मुद्दा गरमाता जा रहा है. कांग्रेस और जद(एस) ने दावा किया कि जब टीपू सुल्तान हत्या हुई तब ये समुदाय अस्तित्व में ही नहीं था. कई इतिहासकारों ने भी बीजेपी की बात का खंडन किया. खंडन के बाद सीएम बोम्मई का बयान भी आ गया. उन्होंने कहा कि इस पर शोध चल रहा है. रिसर्च के बाद ही दूध का दूध पानी का पानी होगा.

उससे पहले ये मत कहिए हम गलत हैं. बीजेपी कह रही है कि अंग्रेजों ने टीपू सुल्तान को नहीं मारा. पुराने मैसूर में रहने वाले लोगों की ऐसी मान्यता है कि टीपू सुल्तान अंग्रेजो से लड़ते हुए नहीं बल्कि उरी गौड़ा और नांजे गौड़ा ने उनको मारा था. हालांकि इतिहासकार इस फैक्ट्स से वास्ता नहीं रखते. ये बहस पहले भी छिड़ी हुई थी मगर पिछले साल उरी गौड़ा और नांजे गौड़ा के नाम एक नाटक बनाया गया था. जिसका नाम था टिप्पुविना निजा कनसुगालु इसके बास इस बात पर बहस तेज हो गई. चूंकि अब राज्य में चुनाव का माहौल है तो कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी लोगों को गलत जानकारी देकर गुमराह कर रही है. वहीं बीजेपी का कहना है कि इस पर रिसर्च चल रहा है.

शोध के बाद सभी को पता चल जाएगा कि आखिरकार सच्चाई क्या है. उरी गौड़ा और नन्जे गौड़ा के नाम पिछले साल रंगायन के निर्देशक अडांडा करिअप्पा के एक नाटक 'टिप्पुविना निजा कनसुगालु' (द टू ड्रीम्स ऑफ टीपू) के विमोचन के बाद बहस तेज हो गई. ऐसा पहली बार नहीं हो रहा. बीजेपी और कांग्रेस के बीच इतिहास को लेकर हमेशा विवाद छिड़ता रहा है. खासतौर पर अगर किसी राज्य में चुनाव है तो मामला और ज्यादा बढ़ जाता है.

नर्मदा नदी में नहाने गए तब्लीगी जमात के 11 लोगों में से चार की मौत

धार, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बड़वानी में चार लोगों की नर्मदा नदी में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तब्लीगी जमात के लोग धार जिले के मिर्जापुर में तब्लीग के सिलसिले में पहुंचे थे। जहां से वे नहाने के लिए नर्मदा नदी के तट पर पहुंचे। मिर्जापुर तट पर कीचड़ अधिक होने से वे लोग नाव के जरिए दूसरे किनारे पर पहुंचे जो बड़वानी जिले की सीमा में लगता है। यहां पर पानी अधिक होने से नहाते समय चार लोग नर्मदा नदी में डूब गए। बता दें, 11 लोगों की जमात गुजरात से मध्यप्रदेश के धार जिले के मिर्जापुर आई थी। फिलहाल गोताखोरों की मदद से शवों की तलाश की जा रही है। अब तक तीन शवों को नदी से निकाला जा चुका है। खबर मिलते ही बड़वानी जिला प्रशासन मौके पर पहुंच गया और रेस्क्यू कार्य शुरू कर दिया गया है जो अभी तक जारी है। गुजरात के पालनपुर से आई तब्लीगी जमात के लोग मिर्जापुर में नहाने के लिए नर्मदा नदी में पहुंचे थे। मिर्जापुर के किनारे पर कीचड़ होने से तब्लीगी जमात के कुल 11 लोग मिर्जापुर से बड़वानी जिले के उस पर लगने वाले नदी के किनारे पर पहुंचे। जहां नहाने के दौरान पानी गहरा होने के कारण एक व्यक्ति की डूबने की आवाज आई तो उसे बचाने के लिए पहुंचे चार लोग भी नदी के गहरे पानी में डूब गए। बताया जा रहा है कि डूबने से अब तक चार लोगों की मृत्यु हो गई है। तब्लीगी जमात के लोगों के नदी में डूबने की खबर मिलते ही मौके पर बड़वानी जिले के प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। फिलहाल गोताखोरों की मदद से तीन डेड बॉडी को निकाला जा चुका है और एक की तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के पालनपुर से आए तब्लीगी जमात के 11 लोगों में से 4 लोगों की डूबने से मौत हुई है।

देश में फिर आ रही है कोरोना महामारी की लहर

एक्टिव केस 7 हजार के पार; डरा रहे ताजा मामले

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत में एक तरफ एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ कोविड के मामलों में भी उछाल आया है। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,134 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,98,118 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,026 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में संक्रमण से एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,813 हो गई।

केरल में कोरोना से एक और मौत

वहीं, संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में एक नाम और जोड़ा है। भारत में संक्रमण की दैनिक दर 1.09 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.98 प्रतिशत है। देश में अभी 7,026 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.79 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,41,60,279 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है।

220.65 करोड़ लोगों को लग चुकी है वैक्सीन

स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.65 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे।

25 जनवरी 2022 को संक्रमण के मामले चार करोड़ के पार

देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

फुल स्पीड में नई दिल्ली से अमृतसर जा रही थी 'शान-ए-पंजाब', अचानक अलग हो गईं बोगियां

पानीपत, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में बड़ा हादसा होने से टल गया। 'शान-ए-पंजाब' ट्रेन की बोगियां अचानक अलग हो गईं। पानीपत और समालखा के बीच ये घटना हुई। ट्रेन नई दिल्ली से अमृतसर जा रही थी। इस दौरान बोगियों की जॉइंट क्लिपिंग टूट गई। हालांकि, इस हादसे में किसी तरह के कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। ट्रेन में यात्रा कर रहे सभी यात्री सुरक्षित हैं। हासदे के कारण अंबाला की तरफ जाने वाला यातायात एक घंटे तक प्रभावित रहा। वहीं, अब बोगियों की क्लिपिंग जोड़ दी गई है और ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया है।

सुप्रिया श्रीनेत ने लाइव शो में बीजेपी प्रवक्ता को कहा गुंडा, सोनिया गांधी का नाम ले शहजाद पूनावाला ने किया पलटवार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नरेंद्र मोदी सरकार पर लगातार विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार उन्हें संसद में बोलने नहीं देती है।

इस विषय पर हो रही एक टीवी डिबेट के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के बीच तीखी बहस हो गई। बीजेपी प्रवक्ता ने डिबेट का वीडियो शेयर किया तो लोगों ने कई तरह के रिएक्शन दिए। एक न्यूज चैनल पर चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेत्री और शहजाद पूनावाला के बीच बहस हो रही थी। इस बीच सुप्रिया श्रीनेत बार-बार शहजाद पूनावाला को गुंडा बुलाने लगीं। इसके साथ उन्होंने कहा कि मेरे बीच में किसी को भी बोलने न दिया जाये।

मेरे सामने बैठे गुंडे को शांत कराया जाए। सुप्रिया पर भड़कते हुए शहजाद पूनावाला ने कहा,'आप अपनी भाषा पर कंट्रोल क्यों नहीं कर रही, कुछ तो मैनर सीखिए।' शहजाद पूनावाला ने कहा,'अगर आप गुंडई का जिक्र कर रही हैं तो आपको राहुल गांधी की बात करनी चाहिए। जो दूसरे देश में जाकर भारत माता के खिलाफ बोलते हैं।

ऐसे लोग भारत को जोड़ने चले हैं?' इसके साथ उन्होंने कहा कि कांग्रेस दंगे वाली पार्टी है, राजीव गांधी दंगो के फादर, सोनिया गांधी नफरत फैलाने वाली हैं। अब आगे बढ़ो। शहजाद पूनावाला द्वारा कही इस बात पर कांग्रेस नेत्री विफर पड़ी। शहजाद पूनावाला ने वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर करते हुए लिखा,'45 सेकंड में किसी गालीबाज़ को कैसे खत्म करें?' इस वीडियो पर लोग तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। कुछ लोगों ने शहजाद पूनावाला पर कटाक्ष किया तो वहीं कुछ लोगों ने कांग्रेस नेत्री पर तंज कसा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 23 मार्च, 2023 3

सु वि चा र

आपके विचारों से ज्यादा आपकी भावनाएं महत्व रखती हैं...

सीएम केसीआर आज कर सकते हैं करीमनगर में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा कलेक्टर आरवी कर्णन के साथ लेते हुए चौपडांडी विधायक सुनके रविशंकर।

करीमनगर, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव गुरुवार को रामाडुगु मंडल में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का निरीक्षण कर सकते हैं। जिले के अधिकारियों के अनुसार, क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री के प्रभावित किसानों से बातचीत करने की भी संभावना है। चौपडांडी विधायक सुनके रविशंकर ने मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया। इससे पहले, कलेक्टर आरवी कर्णन, पुलिस आयुक्त एल सुब्बारायुडू, अतिरिक्त कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और अन्य अधिकारियों ने भी उनके दौरे की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। 18 और 19 मार्च को जिले में हुई ओलावृष्टि और आंधी के साथ-साथ बेमौसम बारिश के कारण चोपडांडी निर्वाचन क्षेत्र के रामदुगु, गंगाधारा, चोपडांडी मंडलों में बोई गई विभिन्न फसलें क्षतिग्रस्त हो गईं।

वेमुलावाड़ा मंदिर के लिए 185 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित

राजन्ना-सिर्सिला, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर,वेमुलावाड़ा के अधिकारियों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 185 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है। बजट प्रस्ताव को धर्मस्व आयुक्त के पास स्वीकृति के लिए भेजा गया है। इससे जहां 185 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान है, वहीं 184 करोड़ रुपये का व्यय मंदिर के रख-रखाव और श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए भी प्रस्तावित किया गया है।

उत्तर तेलंगाना में, द्विवार्षिक जनजातीय मेले सम्मक्का-सरका जतारा में जाने से पहले वेमुलावाड़ा राजराजेश्वर स्वामी के दर्शन करने की परंपरा है। इसलिए मंदिर के अधिकारियों ने इस वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाले सम्मक्का-सरक्का जताराको ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त बजट का अनुमान लगाया है। अधिकारियों ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में जतारा के कारण मंदिर को 87 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई।

बजट में अनुमान लगाया गया है कि मंदिर की जमा राशि के पुनर्निवेश से मंदिर को 41 करोड़ रुपये, अभिषेकम, अन्नपूजा और कोडे मोक्कू से 31 करोड़ रुपये, हुंडी और उपहारों से 30 करोड़ रुपये, प्रसाद बेचने से 21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। और अन्य, गोदाम समायोजन के साथ 18 करोड़ रुपये, पट्टों और लाइसेंस के माध्यम से 13 करोड़ रुपये और अन्नदानम दान और जमा के माध्यम से 8 करोड़ रुपये। इसे जमा राशि पर 5 करोड़ रुपये का ब्याज, 4 करोड़ रुपये की वसूली, 3.50 करोड़ रुपये गोद लिए गए मंदिरों से, 3.60 करोड़ रुपये गेस्ट हाउस के किराए आदि से मिलेंगे। व्यय की बात करें तो 46 करोड़ रुपये का पुनर्निवेश प्रस्तावित है, वेतन और प्रशासन के लिए 32.20 करोड़ रुपये, प्रसादम की तैयारी और केंद्रीय गोदाम के समायोजन के लिए 18 करोड़ रुपये, अन्नदान कार्यक्रम के रखरखाव के लिए 8 करोड़ रुपये, नए निवेश के लिए 6 करोड़ रुपये और गोद लिए गए मंदिरों के रखरखाव के लिए 5 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने की राज्यपाल से मुलाकात

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में केटीआर के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का आग्रह किया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन से मुलाकात की और उनसे टीएसपीएससी प्रश्न पत्र में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री केटी रामा राव और तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के अधिकारियों के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत अपनी शक्ति का उपयोग करके मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का आग्रह किया। राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए टीएसपीएससीको भंग करने और टीएसपीएससी के कामकाज को संभालने की अपील की थी ताकि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी हो। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि इस घटना के लिए आईटी विभाग जिम्मेदार था और मंत्री के दायरे में अनियमितताएं हैं। हमें एसआईटी पर भरोसा नहीं है। हम उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा पारदर्शी जांच चाहते हैं।

भारत जोडो यात्रा के तहत आयोजित क्रिकेट टुर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव, श्रीकांत गौड़, आदि अविनाश, एसपी क्रांति कुमार व अन्य।

प्रगति भवन में मुख्यमंत्री केसीआर दंपत्ति को भद्राचलम में आयोजित होने वाले श्री रामनवमी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए धर्मस्व मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी, मंदिर के ईओ, पुजारी व अन्य।

आसिफाबाद में बेरोजगार युवक से ठगी करने वाला गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन भागीरथ में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति ओरसू नागराजू को गिरफ्तार किया गया है। कौटाला इंस्पेक्टर सादिक पाशा और सिरपुर (टी) सब-इंस्पेक्टर डी. रमेश ने कहा कि मिशन भागीरथ के मंडल स्तर के समन्वयक नागराजू और नलगोंडा के परवेदुलु गांव के रहने वाले एक किसान को उसके गांव में हिरासत में लिया गया है, उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित से मिली शिकायत उसने कुमराम भीम आसिफाबाद, आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद, मेडचल, मेडकऔर कामारेड्डी जिलों के 20 से अधिक नौकरी के इच्छुक लोगों से नौकरी का वादा करके और उनसे पैसे वसूल कर ठगी की थी। नागराजू, जिसने फोन-पे और जी-पे के माध्यम से उम्मीदवारों से पैसे एकत्र किए, ने इंटरनेट से उम्मीदवारों की संख्या एकत्र की और उन्हें कॉल करने के बाद प्लेसमेंट का लालच दिया। सिरपुर (टी) मंडल के एक पीड़ित द्वारा पुलिस से संपर्क करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

यादेवी श्री आईजी वीटीएसटी गोशाला में एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यादेवी श्री आईजी वीटीएसटी गोशाला कल्लाकल विलेज मेडचल रोड में एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय भजन कलाकार गजेंद्र राव ने अपने भजनो की प्रस्तुति दी।

आज याह प्रेस वज़प्ति में गोशाला के मुखिया एवं गो रक्षक ताराराम चौधरी (पंवार) ने बताया कि इस भजन संध्या में हज़ारों की तादाद में भाई बंधु माताए बहनो ने भाग लिया एवं भजनों का लाभ उठाया।

कार्यक्रम के अंतर्गत महा प्रसादी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी भक्तों ने भोजन प्रसादी का भी आनंद लिया एवं सभी भगतों ने अपने अपने तरफ़ से गोशाला में सयोग दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी तेज़ारामजी महाराज, गोविंद राठी, हनुमान कछावा- गो रक्षक, सीरवी जगदीश काग- गोरक्षक, मेडचल एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेमराज प्रजापति, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष भिकाराम गुर्जर, सीरवी समाज जीडिमेटला मंदिर के अध्यक्ष मांगीलाल काग, पारसीगुट्टा मंदिर के अध्यक्ष चोल्हाराम हामबड, तूपरान मंदिर के अध्यक्ष लिखमाराम चौधरी, सीरवि समाज बाल केंद्र के अध्यक्ष मोहनलाल सोलंकी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मेडचल के शेषाराम, सोहनलाल, हरेशकुमार, चिम्नाराम, गोगाराम, जयेश सोलंकी, संदीप शर्मा, दायाराम, गणेशराम, ओगडराम, कैलाश प्रजापति, पुकराज माली, हनुमानलाल, चुन्नीलाल, बहादुर गुर्जर, सुरेश देवसी, राजू चौधरी, मोहनलाल चौधरी, गोविंद, अचलाराम एवं समस्त मेडचल के साथी उपस्थित थे।

सीपी सीवी आनंद ने जान बचाने के लिए पुंजागुट्टा इंस्पेक्टर व एसआई को सम्मानित किया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने बुधवार को पुंजगुट्टा इंस्पेक्टर, हरिश्चंद्र रेड्डी और सब इंस्पेक्टर करुणाकर रेड्डी को सम्मानित किया। उप निरीक्षक ने एक दर्जन से अधिक एबीवीपी छात्रों को स्थानांतरित करते समय उनकी जान बचाई थी, जब पुलिस वाहन का चालक मंगलवार दोपहर मिर्गी के दौरे के बाद स्टीयरिंग पर गिर गया। सब इंस्पेक्टर दौड़ते हुए वाहन से उतरे और उसे रोक दिया ताकि एबीवीपी कार्यकर्ताओं या अन्य आम जनता को कोई चोट न लगे। पुलिस ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं को मंगलवार दोपहर प्रगति भवन का घेराव करने की कोशिश के दौरान उठाया था।

अग्रणी महिला मंच ने मनाया गुड़ी पड़वा उत्सव

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच द्वारा गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया गया। अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा हिमायत नगर कार्यालय पर मनाये गये गुड़ी पड़वा उत्सव में सभी ने एक दूसरे को गुड़ी पड़वा की बधाई दी। अवसर पर बबिता गर्ग रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रितु गोयल, संगीता जाजोदिया, श्रद्धा सुखिया, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता आदि उपस्थित थे।

वन भूमि को लकड़ी माफियाओं को सौंपने की साजिश रच रही है केसीआर सरकार : भट्टी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार मूल आदिवासी समुदायों को विस्थापित करके जंगल की जमीन लकड़ी माफिया को सौंपने की साजिश रच रही है।

मंगलवार को छठे दिन में प्रवेश कर रही पीपुल्स मार्च हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के इतर आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र के केरामेरी गांव में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए भट्टी ने कहा कि पदयात्रा जैनूर मंडल के जामनी से शुरू हुई और रसीमट्टा, भूसीमत्ता और भूसीमत्ता कैंप होते हुए केरीमेरी गांव पहुंची। भट्टी विक्रमार्क ने आदिवासी समुदायों के प्रति बीआरएस सरकार की नीतियों की निंदा की। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि केसीआर सरकार आदिवासियों को उनके घरों से जंगल से बेदखल करने और लकड़ी माफिया को जमीन सौंपने का प्रयास कर रही है। वन आदिवासियों के प्राकृतिक आवास हैं, और उन्होंने हमेशा उनकी रक्षा की है। आदिवासियों के जीवन के तरीके को परेशान करने के लिए एक और आंदोलन हो सकता है, जैसा कि तेलंगाना के राज्य का दर्जा हासिल करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के स्वाभिमान का हनन होने पर कांग्रेस पार्टी चुप नहीं बैठेगी। सीएलपी नेता ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने बजट आवंटन का 100% खर्च सुनिश्चित करने और दलितों और आदिवासियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उचित कानून के माध्यम से एससी, और एसटी उप-योजनाएं पेश कीं। हालांकि, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार उप-योजनाओं को लागू नहीं कर रही थी और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए निर्धारित धन को डायवर्ट किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने आदिवासियों के जीवन में अराजकता पैदा कर आईटीडीए को कमजोर कर दिया है, उन्हें कमजोर कर दिया है और उन्हें उनके वन अधिकारों से वंचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों और निजाम के जमाने में भी आदिवासियों पर इतना तानाशाही शासन नहीं था। सीएलपी नेता ने कहा कि उन्होंने पदयात्रा के तहत भूशिमट्टा कैंप क्षेत्र का दौरा किया। यह वही जगह है जहां कोमोरम भीम ने 'जल, जंगल, जमीन' आंदोलन चलाया था। भट्टी विकारमार्का ने कहा कि आदिवासियों को रैतु बंधु योजना के तहत केवल एक बार वित्तीय सहायता मिली है। लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया क्योंकि आदिवासियों के पट्टे की जमीन ऑनलाइन रिकॉर्ड में शामिल नहीं थी।

भट्टी विक्रमार्का ने आदिवासियों को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी के सत्ता में लौटने के बाद उनकी सभी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि वनों पर पहला अधिकार आदिवासियों का है और इसे कोई उनसे नहीं छीन सकता।

आज विभिन्न भर्ती परीक्षा तिथियों को अंतिम रूप देगा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न विभागों में टाउन प्लानिंग बिल्डिंग ओवरसियर (टीपीबीओ), पशु चिकित्सा सहायक सर्जन, सहायक अभियंता (एई), सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) और मंडल लेखा अधिकारी (डीएओ) के पदों के लिए भर्ती परीक्षा की तिथियां तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) द्वारा गुरुवार को तय की जाएंगी।

प्रश्न पत्र लीक होने के बाद टीएसपीएससी ने पहले एईई, एई और ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा रद्द कर दी थी और टीपीबीओ और पशु चिकित्सा सहायक सर्जन परीक्षा स्थगित कर दी थी। उद्यानिकी विभाग में उद्यान अधिकारी के 22 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा 4 अप्रैल को होने की संभावना है। परीक्षा की तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए आयोग गुरुवार को बैठक करेगा। सूत्रों ने कहा कि हमें फिर से परीक्षा देने के लिए कम से कम एक महीने का समय चाहिए। प्रश्न पत्र लीक होने के मद्देनजर आगामी सभी भर्ती परीक्षाओं के लिए नए प्रश्न पत्र तैयार किए जाने हैं। प्रशासनिक सुधारों के एक भाग के रूप में, टीएसपीएससी भर्ती परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अपने वर्तमान स्थायी कर्मचारियों के लिए तीन महीने की छुट्टी पर विचार कर रहा है। ऐसे स्थायी कर्मचारियों को विभाग के प्रमुख से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, RATHOD ANJU GULAB, R/o.10-3-311/7/A Castle Hills, Vijaya Nagar Cly Hyd, T.S, Changed My Name As ANJALI VILAS JADHAV W/o.VILAS SHIVDAS JADHAV.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बाइक टैक्सी ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने एक निजी बाइक टैक्सी सवार के ख़िलाफ़ एक महिला यात्री के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार करने का मामला दर्ज किया है। महिला ने सोमवार को बंजारा हिल्स जाने के लिए मणिकोंडा से टैक्सी बुक की थी। बुधवार को जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि महिला के बाइक पर बैठने के कुछ मिनट बाद, सवार ने कथित तौर पर उसे अनुचित तरीके से छुआ और जब उसने विरोध किया, तो उसने प्रशांतनगर जुबली हिल्स के बीच में बाइक रोक दी और चला गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

अधिसूचना

एसएसइ/पी.वे श्रेणी के लिए दमरे, सिकंदराबाद डिवीजन के गति शक्ति इकाई में मासिक वेतन आधार पर पुनर्सहभागिता अथवा रि-एंगेजमेंट हेतु निम्न विवरित नुसार, सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित हैं।

क्रम सं.:	विभाग	श्रेणी	कर्मचारी: संख्या
1	अभियांत्रिकी विभाग	एसएसइ/पी.वे	02
		कुल	02

सिकंदराबाद डिवीजन के सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों से संबंधित विस्तृत अधिसूचना, निम्न वेबसाइट्सः www.scr.indianrailways.gov.in> about us>Division>Secunderabad>Personnel>Re-engagement of Railway staff तथा www.scr.indianrailways.gov.in>News & Recruitment>Recruitment>Notification पर उपलब्ध है। https://cutt.ly/GSUSCSCR के माध्यम से उक्त आवेदनों को प्रस्तुत किया जाना चाहिए आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 28.03.2023 है।
आनलाइन रुप में प्रस्तुत आवेदनों को ही स्वीकार किया जायेगा।
A0398 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी/सिकंदराबाद

नीतीश कुमार को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बम से उड़ाने की धमकी देनेवाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को गुजरात पुलिस ने सूरत से गिरफ्तार किया और बिहार पुलिस को सौंप दिया है। आरोपी युवक ने इंटरनेट के जरिए बिहार के सीएम को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद, बिहार पुलिस ने युवक को गिरफ्तार करने के लिए गुजरात क्राइम ब्रांच से मदद मांगी। आरोपी को पकड़ने के लिए सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम जांच में जुटी थी। सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम ने लसकाना गांव निवासी 28 वर्षीय अंकित कुमार विनय कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कड़ी पूछताछ के बाद पता चला कि आरोपी ने गत 20 मार्च को इंटरनेट के माध्यम से एक मीडिया चैनल से संपर्क किया था। 36 घंटे में मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे पटना जिले के सचिवालय थाने के अधिकारियों को सौंप दिया है। बिहार पुलिस आरोपी को लेकर गुजरात से रवाना हो गई है। पुलिस आरोपी को बिहार लेकर आएगी, इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पीके की पोस्ट पर मंगनीलाल मंडल, केसी त्यागी आउट

आलोक सुमन कोषाध्यक्ष... नीतीश की पार्टी की नई नेशनल टीम

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के सत्ताधारी महागठबंधन का नेतृत्व कर रही नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के नए पदाधिकारियों का ऐलान कर दिया है. जेडीयू की राष्ट्रीय टीम में एक उपाध्यक्ष और 20 नए महासचिवों को जगह दी गई है. जेडीयू की राष्ट्रीय टीम में मंगनीलाल मंडल को भी जगह मिली है. चार साल पहले जेडीयू जॉइन करने वाले वरिष्ठ नेता मंगनीलाल मंडल को जेडीयू का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है. मंगनीलाल मंडल जेडीयू के इतिहास में महज दूसरे ऐसे व्यक्ति हैं, जिसे पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है. मंगनीलाल मंडल से पहले चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) को जेडीयू का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था. पीके ने जब जेडीयू जॉइन की थी, तब नीतीश कुमार की पार्टी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीए का हिस्सा थी. अब जेडीयू का गठबंधन राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ है. अब आरजेडी और जेडीयू, दोनों ही दल साथ हैं. मंगनीलाल मंडल भी कई बार पार्टी बदल चुके हैं. वहीं, जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी की राष्ट्रीय कमेटी से छुट्टी हो गई है.

केसी त्यागी से छिना पद

केसी त्यागी के पास मुख्य महासचिव जैसा भारी-भरकम पद था. जेडीयू सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक केसी त्यागी कई मुद्दों पर पार्टी आलाकमान के दिशानिर्देशों की प्रतीक्षा किए बिना सार्वजनिक रूप से राय रखते रहे हैं. यही बात आलाकमान को खटकी है और केसी त्यागी को पद गंवाना पड़ा.

केसी त्यागी दिल्ली में रहते हैं और उनसे संपर्क करने की कोशिश भी की गई लेकिन फोन पर संपर्क नहीं हो सका. नए पदाधिकारियों में 22 राष्ट्रीय महासचिव हैं जिनमें मुख्यमंत्री के गृह जिले नालंदा के पूर्व विधायक राजीव रंजन भी शामिल हैं.

राजीव रंजन ने हाल ही में बीजेपी से नाता तोड़कर जेडीयू में वापसी की थी. राजीव रंजन को जेडीयू का प्रदेश महासचिव बनाया गया था.

राजीव रंजन को मिला प्रवक्ता का भी पद

जेडीयू ने एमएलसी अफाक अहमद खान को महासचिव पद पर बरकरार रखा है. बीजेपी छोड़कर जेडीयू में लौटे पूर्व विधायक राजीव रंजन को पार्टी महासचिव के साथ-साथ प्रवक्ता भी बनाया गया है. पार्टी की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि राजीव रंजन जेडीयू का मीडिया में पक्ष रखने के लिए अधिकृत व्यक्ति हैं.

इन नेताओं को भी मिला राष्ट्रीय महासचिव का पद

जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सांसद रामनाथ ठाकुर, गिरिधारी यादव, संतोष कुशवाहा, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, विजय मांझी और रामप्रीत मंडल को भी राष्ट्रीय महासचिव के रूप में जगह दी गई है. प्रदेश सरकार में मंत्री संजय झा, हाल ही में दूसरे दलों से जेडीयू में आए कमर आलम, मोहम्मद अली अशरफ फातमी, भगवान सिंह कुशवाहा, रामकुमार शर्मा और दसई चौधरी को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है. राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई लिस्ट में सोशल इंजीनियरिंग पर भी पार्टी का फोकस साफ नजर आ रहा है. पार्टी ने अल्पसंख्यक समुदाय को भी साधने की कोशिश की है. पूर्व सांसद कहकशां परवीन और एमएलसी गुलाम रसूल बलियावी को भी राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है. इसके अलावा एमएलसी रविंद्र सिंह समेत सात राष्ट्रीय सचिव भी बनाए गए हैं.

आलोक सुमन होंगे नए कोषाध्यक्ष

गोपालगंज सुरक्षित सीट से सांसद आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष बनाया गया है. जेडीयू पदाधिकारियों की नई लिस्ट में जातीय समीकरणों का खास ध्यान पार्टी ने रखा है. अति पिछड़ा वर्ग, दलित, कुर्मी और कोइरी नेताओं को यादव और सवर्ण नेताओं की तुलना में अधिक तरजीह दी गई है. यादव बड़ी तादाद में जेडीयू की गठबंधन सहयोगी आरजेडी के समर्थक माने जाते हैं तो वहीं सवर्ण बीजेपी समर्थक.

ज्ञानवापी मामले में 'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग पर 15 अप्रैल तक स्पष्टीकरण दे एएसआई : इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 22 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को 5 अप्रैल तक अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करने का अंतिम अवसर दिया है. इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि क्या कार्बन डेटिंग की प्रक्रिया से किसी वस्तु को नुकसान होगा? क्या मस्जिद या उसकी उम्र का सुरक्षित मूल्यांकन किया जा सकता है? हिंदू याचिकाकर्ताओं ने इस वस्तु को शिवलिंग होने का दावा किया है. वहीं इस दावे पर मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि वस्तु फव्वारे का हिस्सा थी. आठ महीने का समय दिए जाने के बावजूद एएसआई द्वारा जवाब दाखिल नहीं करने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई.कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 5 अप्रैल की तारीख तय की है. याचिकाकर्ताओं लक्ष्मी देवी और तीन अन्य ने सिविल रिविजन याचिका दायर कर वाराणसी की अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें न्यायालय ने 16 मई, 2022 को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के अनिवार्य सर्वेक्षण के दौरान मिले कथित 'शिवलिंग' के कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक निर्धारण की मांग को खारिज कर दिया गया था. सोमवार को जब मामला लिया गया तो एएसआई के वकील ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा क्योंकि उनके अनुसार एएसआई को अन्य एजेंसियों से भी सलाह लेनी है. जवाब दाखिल करने में देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा ने कहा, अन्य एजेंसियों से सलाह लेने की आड़ में समय विस्तार का आवेदन पहले ही दिया जा चुका है. एएसआई द्वारा और समय नहीं मांगा जाना चाहिए. 5 अप्रैल, 2023 से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. अदालत ने वाराणसी की निचली अदालत (जहां यह मामला लंबित है) को भी निर्देश दिया कि सुनवाई की तारीख पांच अप्रैल के बाद तय की जाए. याचिकाकर्ताओं ने वाराणसी की अदालत के पिछले साल 14 अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें 'शिवलिंग' की वैज्ञानिक जांच कराने के हिंदू उपासकों की याचिका को खारिज कर दिया गया था. कार्बन डेटिंग बहुत पुरानी वस्तुओं में कार्बन के विभिन्न रूपों की मात्रा को माप कर उनकी आयु की गणना करने की एक विधि है.

बेतिया में बालू कारोबारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

बेतिया, 22 मार्च (एजेंसियां)। नगर के बुलाकी सिंह चौक के पास सुबह 10.45 बजे सेहत दवाखाना के मालिक व बालू कारोबारी 26 वर्षीय उमर अख्तर उर्फ बुलबुल की गोली मारकर हत्या कर दी गई. वह बाइक से नया बाजार की तरफ जा रहा था. उसको गोली मारे जाने की सूचना पर पहुंची पुलिस व आसपास के लोगों ने उसे जीएमसीएच पहुंचाया, पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. घटना से आक्रोशित लोगों ने पोस्टमार्टम के बाद शव को सोआबाबू चौक पर रखकर सड़क जाम कर दी. गिरफ्तारी के आश्वासन पर डेढ़ घंटे बाद जाम हटाया. घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है. फिलहाल पुरानी दुश्मनी में गोली मारने की आशंका जताई जा रही है. उमर की दवा दुकान मीना बाजार में है. जानकार उसके बालू व्यवसाय से जुड़े होने की बात भी कहते हैं. कालीबाग ओपी के अध्यक्ष दुष्यंत कुमार ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

करौली सरकार के दरबार में डॉक्टर की पिटाई

डांटते हुए कहा- पागल को बाहर निकालो अब जांच करने पहुंची पुलिस टीम

कानपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर के करौली सरकार आश्रम में डॉक्टर से मारपीट के मामले में बाबा संतोष सिंह भदौरिया पर केस दर्ज हुआ है। मंगलवार शाम को एक वीडियो सामने आया। इसमें बाबा कहते दिख रहे हैं कि कौन आदमी...हमें पता ही नहीं। इस बयान के चंद घंटे बाद ही उनके दरबार का एक और वीडियो सामने आया। वहीं, बुधवार दोपहर के वक्त करौली सरकार आश्रम में पुलिस टीम जांच करने पहुंची है।

जो वीडियो सामने आया है। उसमें डॉक्टर माइक के पास खड़े होकर बाबा से बात करते दिख रहे हैं। बाबा ओम शिव बैलेंस कहते हैं। कुछ देर में डॉक्टर के सवालों पर डांटते हुए उनको पागल कहते हैं। उनके समर्थक वहां पहुंच जाते हैं। डॉक्टर को धक्का देकर दरबार से बाहर निकाला जाता है। वहीं, कानपुर के एक वकील ने बाबा को चैलेंज किया है। कहा, "उनके बच्चों को ठीक कर दें, तो मैं अपनी पूरी संपत्ति बाबा के नाम कर दूंगा। अगर ऐसा नहीं कर पाते, तो बाबा के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।"नोएडा के रहने वाले डॉ. सिद्धार्थ चौधरी ने कानपुर के करौली सरकार आश्रम के महंत डॉ. संतोष सिंह भदौरिया और उनके गुंडों के खिलाफ 19 मार्च को एइआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि आश्रम में बाबा के चमत्कार को उन्होंने चैलेंज कर दिया था। कहा था कि मेरे ऊपर कोई चमत्कार नहीं हो रहा है। इसके बाद बाबा के चेलों ने उन्हें जमकर पीटा और धक्के मारकर बाहर निकाल दिया था। ये पूरा प्रकरण होने के बाद बिधनू थाने की पुलिस ने बाबा संतोष भदौरिया और उनके चेलों के खिलाफ एइआईआर दर्ज की थी। इस संबंध में करौली सरकार संतोष सिंह भदौरिया से इस एइआईआर को लेकर सवाल किए गए थे। करौली सरकार ने पूरे मामले को सिरे से खारिज करते हुए कहा, यहां तो छुआ ही नहीं, दरबार में किसी को छुआ तक नहीं जाता, हम केबिन के अंदर बंद हैं, भक्त बाहर रहते हैं, फिर यहां 20-22 साल से दरबार है, किसी के साथ अप्रिय घटना हुई ही नहीं आज तक, कभी नहीं हुई, कोई शिकायत तक किसी ने नहीं की है। रिपोर्ट दर्ज कराने वाला कौन आदमी है, हमें तो पता ही नहीं है। हमारे पास कोई जांच करने नहीं आया है। निश्चित रूप से यह सनातन धर्म को नीचे दिखाने के लिए गहरी साजिश है। ये दरबार प्रमाणों वाला दरबार है। इसके बाद अब एक वीडियो और सामने आया है। इसमें एइआईआर दर्ज कराने वाले डॉक्टर सिद्धार्थ चौधरी को आश्रम के अंदर दरबार में बाबा के चेलों ने घेर रखा है। दोनों के बीच धक्का-मुक्की हो रही है। उधर से बाबा बोल रहे हैं कि इस पागल को बाहर निकालो, चल बाहर, पागल कहीं का...। इसके बाद बाबा के चेले डॉ. सिद्धार्थ को खींच लेते हैं और पीटते हुए बाहर निकाल देते हैं।

शिक्षकों के लिए 7 हजार नए पद होगी बहाली, प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना भी चलाएगी बिहार सरकार

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। शिक्षकों अभ्यर्थियों के लिए काम की खबर है। बिहार सरकार ने 7 हजार नए पदों पर शिक्षकों की बहाली करने की घोषणा की है। यह सभी शिक्षक विशेष बच्चों को पढ़ाने के लिए बहाल किए जाएंगे। इस प्रस्ताव पर देर शाम नीतीश कैबिनेट पर मुहर लगी। बिहार सरकार का दावा है कि जल्द ही इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। इसमें 35 प्रस्ताव पर मुहर लगी। शिक्षा से जुड़े कई मुद्दे पर मुहर लगी। इसमें फैसला लिया गया है कि बिहार सरकार अब सीधे छात्रों के अकाउंट में राशि भेजेगी। साथ ही मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना भी सरकार चलाएगी। यानी सरकार अपने बलबूते पिछले और अति पिछले वर्ग के बच्चों को छात्रवृति देगी। कैबिनेट की बैठक में सीएम नीतीश कुमार समेत सभी मंत्रियों के वेतन-भत्ते भी 30 से 35 हजार प्रतिमाह बढ़ जायेंगे। अब यह राशि बढ़कर प्रति माह पौने तीन लाख तक रुपए मिलेंगे। सीएम नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक में बिहार के मंत्रियों के वेतन भत्ता पेंशन नियमावली में संशोधन की मंजूरी दे दी गई है। बता दें कि इससे पहले बिहार सरकार ने एमएलए, एमएलसी विधानमंडल में मुख्य सचेतक, उप मुख्य सचेतक व सचेतक के वेतन-भत्ते में वृद्धि की थी।

मायावती के भतीजे की शादी में

किस दल के नेता को नहीं मिला बुलावा? जवाब जानकर होगी हैरानी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की मुखिया मायावती के भतीजे आकाश आनंद की होने वाली शादी इन दिनों मेहमानों की लिस्ट की वजह से चर्चा में है. चर्चा इसलिए है क्योंकि इस शादी के लिए किसी भी दूसरे पार्टी के नेता को निमंत्रण नहीं भेजा गया है. 26 मार्च को गुरुग्राम में होने वाली इस शादी में सिर्फ पार्टी के वरिष्ठ चेहरे ही शामिल होंगे. इनके अवाला परिवार के लोग शामिल होंगे. बताया जा रहा है कि इस शादी के कार्यक्रम को मायावती पूरी तरह से राजनीति से दूर रखना चाहती हैं. आकाश आनंद बसपा के नेशनल को-ऑर्डिनेटर हैं. पार्टी के विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक शादी का कार्ड किसी भी दूसरी पार्टी के नेताओं को नहीं भेजा जाएगा. साथ ही 26 मार्चो को होने वाली शादी के बाद 28 मार्च को होने वाले कार्यक्रम के लिए तय मेहमानों की लिस्ट को भी गोपनीय रखा गया है. इस लिस्ट में कौन-कौन शामिल होगा इसकी किसी को भी जानकारी नहीं है. आकाश आनंद की शादी 26 मार्च को गुरुग्राम के एंबिएंस आइलैंड में मौजूद 'ए डॉट बाई जीएनएच' में होनी है.

कौन है आकाश की दुल्हन?

आकाश आनंद अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ की बेटी से शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं. सिद्धार्थ की बेटी प्रज्ञा एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुकी हैं. वर्तमान में वो एमडी बनने की तैयारी में लगी हैं. आकाश के होने वाले ससुर सिद्धार्थ को बसपा प्रमुख मायावती का करीबी माना जाता है. कहा जाता है कि मायावती के कहने पर ही सिद्धार्थ ने डॉक्टरी का पेशा छोड़ दिया था और पार्टी में सक्रिय हो गए थे. इसके बाद वो एमएलसी बने, राज्यसभा भी भेजे गए. वर्तमान में सिद्धार्थ कई राज्यों में बसपा के प्रभारी भी हैं.

शादी में कौन-कौन होगा शामिल?

मायावती के भतीजे आकाश आनंद की शादी में बहुजन समाज पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं को न्योता भेजा गया है. इसमें पार्टी के सांसद, प्रदेश अध्यक्ष, मंडल प्रमुख और जिलों में अन्य पदों पर कार्यरत बड़े चेहरों का नाम शामिल है, जिन्हें शादी का कार्ड पहुंचा है. इसके अलावा दोनों परिवार के करीबी रिश्तेदारों को भी कार्ड भेजा गया है. राजनीति दूरी बनाने के मकसद से मायावती ने इस शादी में किसी भी दूसरी पार्टी के नेताओं को बुलावा नहीं भेजा है.

'सपा अकेले बीजेपी को नहीं हरा सकती', सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने किया दावा

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए दलितों को भी साथ जोड़ने की कवायद शुरू कर दी है. इसके लिए रामजी लाल सुमन और अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई है. इसपर संभल से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क की प्रतिक्रिया आई है. सपा सांसद ने कहा, ठीक है क्योंकि इधर पार्टी का गठबंधन बीएसपी से नहीं है. इस वजह से दलितों को अपने तरफ जोड़ने के लिए रामजी सुमन को लगाया गया है कि वो आदमियों को इधर तोड़कर लाएं. अगर दलित इधर आते हैं तभी तो फायदा होगा. आम तौर पर दलित मायावती से जुड़ा हुआ है. लेकिन अलग से अपनी पार्टियों को जोड़ने के लिए भी ये काम हो सकता है. अभी तो दलित मायावती से ही जुड़ा हुआ है. क्या बोले सपा सांसद? सांसद बर्क ने कहा, इसमें बहुत मेहनत करने पड़ेगी, तब जाकर कुछ दलित हमारी पार्टी में आ सकते हैं.

तेजस्वी यादव ने बोला बीजेपी पर हमला, कहा- राजनीतिक लाभ के लिए हिंदुओं को डरा रही है

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने राज्य विधानसभा के अंदर भाजपा पर एक फिर से हमला बोला, जहां उन्होंने विपक्षी दल पर राजनीतिक लाभ के लिए हिंदुओं के मन में डर पैदा करने का आरोप लगाया. यादव भाजपा सदस्यों के सदन से लगातार दूसरे दिन बहिर्गमन के बीच स्वास्थ्य विभाग के लिए बजटीय आवंटन पर बहस का जवाब दे रहे थे.

तेजस्वी यादव ने कही ये बता

उन्होंने 20 मिनट लंबे भाषण की शुरुआत करने से पहले विधानसभा अध्यक्ष से कहा, 'मैंने कल बहुत कुछ कहा था और मुझे उम्मीद थी कि बहस को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिपक्ष के नेता आज सदन में मौजूद रहेंगे लेकिन उन्होंने चले जाना चुना. उन्होंने कटौती प्रस्ताव भी पेश नहीं किया है. मैं अपने जवाब के अंत में उनके बारे में कुछ कहूंगा.' बिहार विधानसभा परिसर में प्रतिपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा ने जोर देकर कहा, 'सरकार की ओर से हमारे द्वारा उठाए गए कई मुद्दों पर विचार करने से इनकार करने के बाद बहिर्गमन किया गया है जिनमें हत्या के एक मामले में एक मंत्री की कथित संलिप्तता और खुद उपमुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले शामिल हैं.' भाजपा नेता ने आरोप लगाया, 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने नए सहयोगी (आरजेडी) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है और राज्य उस अराजकता के युग में लौट रहा है जिससे हमने इसे बहुत प्रयास से बाहर निकाला था.' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू ने पिछले साल अगस्त में भाजपा से नाता तोड़ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ गठबंधन कर लिया था. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी सदन को पक्षपातपूर्ण तरीके से चला रहे हैं. वह राजद से संबंध रखते हैं. जब यह बताया गया कि यादव ने तमिलनाडु में प्रवासियों पर हमलों के आरोप गलत साबित होने के लिए माफी की मांग की है तो सिन्हा ने कहा, 'तमिलनाडु का दौरा करने वाले अधिकारियों की टीम की रिपोर्ट चर्चा के लिए सदन के अंदर रखी जानी चाहिए. '

कफ सीरप से उज्बेकिस्तान के 18 बच्चों की हुई मौत

नोएडा की दवा कंपनी का लाइसेंस हुआ रद्द

नोएडा, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित कफ सीरप स्थित कंपनी मैरियन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड का खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन ने ड्रग लाइसेंस कैंसिल कर दिया है. विभाग की तरफ से ये कार्रवाई इसीलिए की गई है क्योंकि इस कंपनी के द्वारा तैयार कफ सीरप पीने से उज्बेकिस्तान में कथित रूप से 18 बच्चों की मौत हो गई थी. इस मामले के सामने आने के बाद दवा कंपनी के 36 सैंपल चैक होने के लिए चंडीगढ़ स्थित क्षेत्रीय औषधि परीक्षण लैब भेजे गए थे. जिसमें से 22 सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे, कफ सीरप के कई सैंपलों में डायथिलीन ग्लाइकाल और एथिलीन ग्लाइकाल की मात्रा अधिक पाई गई है, इसी के ही साथ कफ सीरप में प्रोफाइलिंग ग्लाइकोल पाया गया था, हालांकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि इसी कफ सीरप को पीने से बच्चों की मौत हुई है या नहीं. वहीं भेजे गए 36 सैंपल में से अभी 14 सैंपलों की रिपोर्ट आना बाकी है.

अतीक नहीं, शाइस्ता थी मास्टरमाइंड! लेडी 'बाहुबली' ने कैसे रचा खूनी खेल?

प्रयागराज, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड की मास्टरमाइंड माफिया डॉन अतीक अहमद की बीबी शाइस्ता परवीन थी. अतीक की अनुपस्थिति में शाइस्ता ही इस ऑपरेशन का नेतृत्व कर रही थी. वह ना केवल शूटरों के साथ मीटिंग करती थी, बल्कि वह उनके लिए मोबाइल फोन, सिमकार्ड से लेकर पैसे रुपये की व्यवस्था भी खुद करती थी. यह खुलासा अतीक के प्रयागराज स्थित आफिस से गिरफ्तार नियाज अहमद ने की है. पुलिस को पहले भी कई बार इस संबंध में इनपुट मिले हैं. इस संबंध में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी हैं, लेकिन पहली बार अतीक के किसी गुर्गे ने अपने इकबालिया बयान में शाइस्ता का नाम लिया है. नियाज अहमद ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि उमेश पाल की हत्या अतीक के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था. इसलिए वह इस ऑपरेशन को हर हाल में कामयाब करने के लिए फुलप्रूफ योजना चाहता था. इसलिए उसने ऑपरेशन की कमान अपनी बीबी शाइस्ता को सौंपी थी. कमान मिलने के बाद शाइस्ता अपने घर पर शूटरों के साथ मीटिंग करती थी. उनसे रिपोर्ट बनाती थी और आगे की रणनीति तैयार करती थी. इस वारदात के ठीक पहले और बाद में भी सभी शूटर शाइस्ता के घर इकट्ठा हुए थे.

वारदात के बाद शाइस्ता ने इन सभी को नए मोबाइल फ़ोन, सिम कार्ड और कैश देकर भागने में मदद की. वहीं बाद में, जब खुद उसके खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसने लगा तो वह खुद भी फरार हो गई. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शाइस्ता परवीन की अब तक क्षवि पूरी तरह से साफ थी. वह हाल ही में ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम छोड़ कर बीएसपी में शामिल हुई थी. इसके बाद बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने उसे प्रयागराज मेयर का उम्मीदवार भी घोषित कर दिया था. पुलिस के मुताबिक अब तक शाइस्ता का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं था. इसलिए पुलिस को भी उसके ऊपर शक नहीं हो रहा था. शाइस्ता ने इसी बात का फायदा उठाया और ऑपरेशन को कोऑर्डिनेट किया था. बता दें कि प्रयागराज पुलिस ने अतीक के कर्बला स्थित ऑफिस पर बुल्डोजर चला दिया. इससे पहले पुलिस ने इस ऑफिस से 9 देशी विदेशी हथियार के अलावा क़रीब 75 लाख रूपये बरामद किए हैं.

पुलिस ने यहां से अतीक के दो गुर्गों को भी गिरफ्तार किया था. इनमें नियाज शामिल है. बताया जा रहा है कि यह हथियार और कैश उमेश पाल हत्याकांड को अंजाम देने के लिए शाइस्ता ने जमा किए थे. आशंका है कि इन हथियारों का वारदात में इस्तेमाल भी हुआ है. पुलिस के मुताबिक कर्बला ऑफिस से पकड़े गए मोहम्मद सजद और नियाज़ अहमद अतीक के बेहद खास हैं और इनकी साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद और बरेली जेल में बंद उसके भाई अशरफ़ से सीधी बात होती थी. अतीक का बेटा असद जब भी इन दोनों से मिलने जाता था, इन दोनों से उनकी बात जरूर कराता था. इस वारदात में भी इन दोनों को ही उमेश पाल की रेकी करने की ज़िम्मेदारी मिली थी.

होटल में महिला से रात भर हुआ गैंगरेप

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। पटना में महिला से साथ गैंगरेप हुआ है. घटना जानीपुर थाना अंतर्गत नकटी भवानी मोड़ के पास एक होटल में हुई. पीड़ित एम्स में भर्ती अपनी मौसी से मिलकर वापस घर जाने के लिए ऑटो से निकली थी. ऑटो चालक ने महिला को अकेला पाकर होटल की ओर ले गया फिर अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर महिला का गैंगरेप किया. आरोपियों ने रात भर उसके साथ गलत काम किया. फिर अगली सुबह पीड़िता किसी तरह उनके चंगुल से बचकर पुलिस थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. घटना को लेकर फुलवारी शरीफ एएसपी मनीष कुमार का कहना है कि महिला से गैंगरेप करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने चार्ज लिया

भोपाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल के नए पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र ने बुधवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि पुलिस आम जनता के प्रति संवेदनशील नजर आएगी। संवेदनशीलता से काम करेगी। उन्होंने कहा कि गुंडे-बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 2003 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हरिनारायणचारी मिश्र इंदौर कमिश्नर थे। इससे पहले वह ग्वालियर, जबलपुर, बालाघाट, खंडवा में पुलिस अधीक्षक रह चुके है। मिश्र इंदौर एसएमपी, महू एसडीओपी और राज्यपाल के एडीसी भी रह चुके है। गृह विभाग ने उनको इंदौर कमिश्नर से भोपाल पुलिस कमिश्नर पदस्थ करने के आदेश जारी किए।

इसरो : 2023 के मध्य में लॉन्च हो सकते हैं चंद्रयान 3 और आदित्य एल1

इसरो चीफ बोले- यह एक बड़ी सफलता होगी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के चेयरमैन एस सोमनाथ ने बुधवार को बताया कि भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान 3 और पहले सोलर मिशन आदित्य एल1 को इसी साल के मध्य तक लॉन्च किया जा सकता है। फिजिकल रिसर्च लैबोरेट्री द्वारा आयोजित चौथी 'इंडियन प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस' में 'इंडियन कैपेबिलिटीज फॉर स्पेस एंड प्लैनेटरी एक्सप्लोरेशन' विषय पर बोलते हुए एस सोमनाथ ने यह जानकारी दी।

जानिए क्या बोले इसरो चीफ

इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान 3 मिशन के लिए पूरी तैयारी हो चुकी है। यह पूरी तरह से एकीकृत हो चुका है। हालांकि अभी कुछ काम किया जाना बाकी है लेकिन कई परीक्षणों के बाद हम मिशन को लेकर विश्वास से भरे हैं। इसरो चीफ ने कहा कि 2023 के मध्य में ही इसे लॉन्च किया जा सकता है। पहले सोलर मिशन आदित्य एल1 पर उन्होंने कहा कि यह अपने आप में बेहद खास मिशन होगा जो सूरज की गतिविधियों का विश्लेषण करेगा। इस मिशन के लिए इंस्ट्रूमेंट्स पहले से ही भेजे जा चुके हैं फिलहाल इसरो इन इंस्ट्रूमेंट्स को सैटेलाइट के साथ एकीकृत करने में जुटा है। आदित्य एल1 मिशन को लेकर एस सोमनाथ ने कहा कि वह इस मिशन को लेकर उत्साहित हैं और उन्हें विश्वास है कि यह मिशन सफल होगा।

चंद्रयान 3 मिशन के लिए अहम होगी लैंडिंग

इसरो के अनुसार, चंद्रयान 3, चंद्रयान 2 का ही अगला प्रोजेक्ट है, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा और परीक्षण करेगा। इसमें लैंडर और रोवर शामिल हैं। एस सोमनाथ ने बताया कि यह चंद्रयान 2 की तरह ही दिखेगा, जिसमें एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। चंद्रयान 3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। मिशन की सफलता के लिए नए इंस्ट्रूमेंट बनाए गए हैं, एल्गोरिदम को बेहतर किया गया है और जिन वजहों से चंद्रयान 2 मिशन असफल हुआ, उन पर फोकस किया गया है।

आदित्य एल1 से होगा ये अध्ययन

आदित्य एल1 मिशन को लेकर इसरो चेयरमैन ने कहा कि आदित्य एल1 सूर्य के लागरेंगियन पॉइंट तक जाएगा क्योंकि इस पॉइंट पर बहुत ज्यादा डिस्टर्बेंस नहीं होती है और यहां से आदित्य एल1 लंबे समय तक सूरज पर होने वाली गतिविधियों का अध्ययन कर सकेगा। सोमनाथ ने कहा कि हमारा मिशन काफी अनोखा होगा और इससे काफी कुछ जानने को मिल सकता है। आदित्य एल1 मिशन से सूरज पर होने वाले पार्टिकल एमिशन का अध्ययन किया जाएगा और यह भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि सूरज पर होने वाली गतिविधियां अंतरिक्ष के मौसम को किस तरह से प्रभावित करती हैं। मिशन के लिए जो इंस्ट्रुमेंट्स इस्तेमाल किए जाएंगे, फिलहाल उनका परीक्षण चल रहा है।

चंबल की लेडी एसआई को विधायक जंडेल ने गालियां दीं

भोपाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। चंबल की लेडी सब इंस्पेक्टर से गाली-गलौज के आरोप में कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल घिर गए हैं। श्योपुर के अजाक थाना पुलिस ने शनिवार को जंडेल के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस किया है। आरोप है कि विधायक ने मानपुर (श्योपुर) पुलिस थाने में तैनात लेडी एसआई माधवी सिंह शाक्य को फोन पर गाली दी। इसका ऑडियो भी सामने आया है। इसके बाद जंडेल ने गाली-गलौज को अपनी संस्कृति बताया है। चंबल संभाग की श्योपुर सीट से विधायक जंडेल का कहना है, गांव की संस्कृति में ऐसी मेरी भाषा है। मैं इसे गाली समझता ही नहीं हूं। मंच पर भी ऐसे ही बोलता हूं। विधानसभा आए विधायक ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि उनके खिलाफ बिना जांच एफआईआर दर्ज की गई है। घटना शुक्रवार देर शाम की है। श्योपुर जिले के मानपुर थाने की पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने एक बाइक सवार को रोका। उसने हेलमेट नहीं लगा रखा था। बाइक सवार विधायक जंडेल का समर्थक निकला। जुर्माना भरने की जगह वह गाड़ी मौके पर ही छोड़कर चला गया। इसके बाद उसने जंडेल को मोबाइल पर कॉल करके कॉन्फ्रेंस पर जोड़ा और सब इंस्पेक्टर माधवी से बात कराई। विधायक ने एसआई और विधानसभा में प्रश्न लगाने की धौंस जमाई। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज भी की।

मानसिक रूप से लाचार और बेसहारा लोग आश्रम से हो रहे लापता

शक के घेरे में तमिलनाडु पुलिस

विल्लुपुरम, 22 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में मानसिक रूप से विक्षिप्त और बेसहारा लोगों के लापता होने की खबर आई थी. बेसहाय लोगों के लिए बने अंबु ज्योति आश्रम से कुछ लोग लापता हुए थे. अब परिजनों ने कुड्डालोर स्थानीय पुलिस के खिलाफ मामले में सुस्त जांच को लेकर शिकायत दर्ज कराई है. जी. जयकुमार (68) को इग्नाइट चैरिटेबल ट्रस्ट में भर्ती कराया गया और फिर अंबु जोती आश्रम में शिफ्ट कर दिया गया. हालांकि, बाद में, आश्रम के अधिकारियों ने उन्हें करुणई इल्लम में शिफ्ट कर दिया, जो वृद्ध और निराश्रित लोगों के लिए एक घर था. कुड्डालोर पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन जयकुमार के परिवार ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस उसकी मौत की पुष्टि नहीं कर रही है, यह जानते हुए कि वह अब नहीं है. जयकुमार के भाई कृष्णमूर्ति, जो तमिलनाडु कांग्रेस के राज्य परिषद सदस्य हैं. उन्होंने आईएएनएस को बताया कि कुड्डालोर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है. साथ ही मामले को अपराध शाखा सीबी-सीआईडी को शिफ्ट कर दिया है. सीबी-सीआईडी इसी तरह के तीन अन्य मामलों की जांच कर रही है. कृष्णमूर्ति ने कहा, मुझे लगता है कि पुलिस इसमें कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है. मैंने कुड्डालोर पुलिस के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, तमिलनाडु के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को लिखा है. उन्होंने आगे कहा कि वे वानियामबाड़ी नगरपालिका से अपने भाई का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए एक स्वतंत्र जांच कर रहे थे. एक व्यक्ति के लापता होने के बाद पुलिस ने मानसिक स्वास्थ्य केंद्र पर छापा मारा, जिसके बाद अंबु ज्योति आश्रम के मालिक जुबिन बेबी, उसकी पत्नी मारिया और छह अन्य न्यायिक हिरासत में हैं. एक अन्य व्यक्ति जबीरुल्ला (70) के परिजनों ने भी पुलिस से शिकायत की थी. जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आश्रम से गायब है और मामला दर्ज किया गया है. इसके बाद, कुड्डालोर पुलिस ने एक छापा मारा जिसमें कैदियों को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और जंजीरों में जकड़े जाने की भयानक कहानियां सामने आईं. जुबिन बेबी और अन्य के खिलाफ महिला कैदियों से बलात्कार के मामले भी दर्ज किए गए थे.

शीना बोरा हत्याकांड पर बनेगी वेब सीरीज

केस के चलते कमिश्नर का हुआ था तबादला, नहीं सुलझी मिस्ट्री

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। मर्डर मिस्ट्री, सनसनीखेज वारदात, बड़े हादसों और ऐतिहासिक घटनाक्रमों पर वेब सीरीज का चलन है. देश की कई आपराधिक घटनाओं पर शानदार वेब सीरीज काफी पसंद की गई है. क्राइम वेब सीरीज की लिस्ट में मुंबई में घटित मशहूर शीना बोरा हत्याकांड पर भी वेब सीरीज बनने जा रही है. ये वेब सीरीज पत्रकार संजय सिंह की किताब 'एक थी शीना बोरा' पर आधारित है. साल 2015 में घटित शीना बोरा हत्याकांड ने सारे देश को झकझोर कर रख दिया था. टीवी न्यूज़ और अख़बारों की खबरों में खोया सारा देश एक परिवार के जटिल रिश्तों के मकड़ जाल में उलझ कर रह गया था. पुलिस केस के मुताबिक इंद्राणी ने अपनी पहले पति सिद्धार्थ दास से पैदा

हुई बेटी शीना बोरा का कत्ल अपने दूसरे पति (तलाकशुदा) संजीव खन्ना और ड्राईवर की मदद से कर दिया था क्योंकि वो नहीं चाहती थी कि उसके तीसरे पति नामी उद्योगपति पीटर मुखर्जी की पहली शादी से हुई औलाद राहुल से उसके पहले पति से पैदा हुई बेटी शीना बोरा शादी कर ले.

इस केस में एक नाना-नानी को...

दूसरे पति संजीव खन्ना से पैदा हुई बेटी को तीसरे पति पीटर ने गोद लिया हुआ था. कहानी के सारांश को सुनकर ही समझ आ गया होगा कि ये मामला कितना पेचीदा था और पारिवारिक रिश्तों की मकड़ जाल में कैसे हत्याकांड की वारदात रची गई. लेखक संजय सिंह कहते हैं, इस केस मे एक नाना-नानी को अपने नाती-नातिन का मां-बाप बनकर रहना पड़ा. अपनी सगी मां को बच्चों को बड़ी बहन बुलाना पड़ा और एक शानदार करियर वाले सुपर-कॉप को जिल्लत भी इसी केस के वजह से देखनी पड़ी. इसमें सब कुछ था हाईसोसाइटी, मीडिया मुगल, राजनीति, पुलिस विभाग की अंदरूनी खींचतान, राष्ट्रीय स्तर करप्शन से लिंक, रिश्तों का मकड़ जाल और सबसे ज्यादा था उलझन. एक अच्छी किताब और वेब सीरीज सबसे सरल और बढ़िया माध्यम है. सिल सिलेवार तरीके से पूरा घटनाक्रम को लोगों तक पहुंचाना सीरीज का मकसद है. बहुत कम बार ऐसा होता है कि किताब के ओटीटी राइट्स पहले बिक जाए और किताब बाद में छपे. 'एक थी शीना बोरा' किताब के साथ भी ऐसा ही हुआ. किताब उत्सव में चर्चा के दौरान लेखक संजय सिंह ने ये दिलचस्प जानकारी दी.

'किताब उत्सव' का आयोजन के वक्त...

हिन्दी के सबसे बड़े प्रकाशन समूह राजकमल के 75 साल पूरे होने पर देश के विभिन्न शहरों में 'किताब उत्सव' का आयोजन शुरू किया था. इसी कड़ी में मुंबई में आयोजित हुए 'किताब उत्सव' में गुलज़ार, जावेद अख्तर, पीयूष मिश्रा, सौरभ शुक्ला समेत कई जाने-माने साहित्यकारों ने शिरकत की. इसी दौरान हो रही चर्चा के दौरान संजय सिंह ने बताया कि इस किताब को लिखकर पूरी भी नहीं हुई थी कि एक जाने-माने प्रॉडक्शन हाउस ने उनसे किताब के अधिकार खरीद लिए. लेखक संजय सिंह एक जाने माने खोजी पत्रकार हैं और देश के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थाओं में काम कर चुके हैं. हजारों करोड़ रुपये वाले तेलगी फर्जी स्टैम्प घोटाले का पर्दाफाश करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है. उनकी तेलगी फर्जी स्टैम्प पेपर घोटाले पर लिखी गई किताब पर वाहवाही मनोरंजन 'स्कैम2003 : तेलगी स्टोरी' नाम से एक वेब-सीरीज बनाई है जिसकी स्ट्रीमिंग ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर जल्द शुरू होगी.

अंबाला में सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

मां-बेटियां चला रही थी; पंजाब, यूपी और नेपाल की 8 युवतियां गिरफ्तार, एक फरार

अंबाला, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला कैंट में पुलिस ने मां-बेटियों द्वारा अपने मकान में चलाया जा रहा सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने न्यू दयाल बाग कॉलोनी में रेड कर मां-बेटियों और दलाल के अलावा धंधे में संलिप्त 8 युवतियों को मौके से पकड़ा है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान एक महिला मौके से फरार हो गई। पुलिस की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि न्यू दयाल बाग में न्यू मैरी गोल्ड स्कूल के पास महिला अपनी दो बेटियों के साथ मिलकर बाहर से 8 से 10 युवतियों को बुला अपने मकानों में सेक्स रैकेट चलाती हैं। महेश नगर थाना में एसएचओ रामपाल की शिकायत पर मां और उसकी 2 बेटियों व दलाल को नामजद करते हुए केस दर्ज किया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने एचसी जसबीर सिंह, सुरक्षा एजेंट अमरजीत व हेड कॉन्स्टेबल दलेल सिंह को बोगस ग्राहक बना 500-500 रुपए देकर भेजा। तीनों पुलिस कर्मचारी मां बेटी के अलग-अलग मकान में गए और युवती की डिमांड की। जब आरोपियों ने युवती उपलब्ध कराई तो एसएचओ ने अपने नंबर पर मिस कॉल मिलने पर तुरंत रेड की। पुलिस ने डीएसपी अनिल कुमार और महेश नगर थाना प्रभारी रामपाल सिंह की अगुवाई में तुरंत रेड की। इस दौरान आरोपी मां-बेटी के अलावा पंजाब के गांव सोहड़ा, हिमाचल के सोलन, नेपाल की 3, यूपी के गांव मिर्जापुर की 2 और अंबाला कैंट की एक महिला व सेक्टर-7 अंबाला सिटी निवासी विकास वर्मा को काबू किया। पुलिस के मुताबिक, न्यू दयाल बाग निवासी महिला उसकी दोनों बेटियां सेक्टर-7 अंबाला सिटी निवासी विकास वर्मा के साथ मिलकर यह धंधा चला रही थी।

एमपी में काम पर लौटे तहसीलदार, फसल सर्वे में जुटे

एक महीने में सभी मांगों को पूरा करने का वादा; जल्द जारी होगी प्रमोशन लिस्ट

भोपाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में तहसीलदार और नायब तहसीलदार काम पर लौट आए हैं। वे 20 मार्च से 3 दिन की छुट्टी पर चले गए थे, लेकिन दूसरे ही दिन मांगों पर सरकार स्तर से सहमति बनने के बाद वे बुधवार को काम पर लौट आए। उन्होंने फसल सर्वे का काम भी शुरू कर दिया। 25 मार्च तक सर्वे पूरा कर रिपोर्ट कलेक्टरों को देना है। हालांकि, दो दिन सरकारी अवकाश है। इसलिए जनता के काम शुक्रवार से ही होंगे। राजस्व मंत्री गोविंद सिंह समेत विभाग के सीनियर अफसरों के साथ मीटिंग के बाद काम पर लौटने का निर्णय लिया। एक महीने में सारी मांगें पूरी होने पर सहमति भी जताई। इसे लेकर कार्यकारिणी की मीटिंग हुई थी। जिसमें बुधवार से काम करने का निर्णय लिया गया।

भीषण गर्मी का नौकरियां जाने से क्या है संबंध, क्या 7 साल में हीटवेव के कारण छिन जाएंगी 8 करोड़ जॉब्स

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते और इस सप्ताह की शुरुआत में हुई बारिश के कारण मौसम के करवट बदलने से पहले अचानक गर्मी बढ़ना शुरू हो गई थी. वहीं, भारतीय मौसम विभाग का अनुमान है कि इस साल लू के थपेड़े लोगों को झुलसाएंगे. यही नहीं, भीषण गर्म हवाएं जानवरों और जंगलों पर भी बुरा असर डालेंगी. इससे पर्यावरण को काफी नुकसान होने का अंदेशा जताया जा रहा है. आईएमडी के साथ ही वर्ल्ड बैंक ने भी भीषण गर्मी को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है. वर्ल्ड बैंक का कहना है कि तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी इस साल ही नहीं अगले कई साल तक सामान्य जनजीवन पर बहुत बुरा असर डालेगी. इससे मानव जीवन पर कई तरह से संकट के बादल मंडराएंगे. वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट 'क्लाइमेट इंवेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटी इन इंडियाज कूलिंग सेक्टर' में कहा गया है कि बढ़ता तापमान और जलवायु में हो रहे बदलाव मानव जीवन पर दोहरा संकट लाएंगे.

कैसे तेजी से करवट बदल रहा है मौसम

मौसम वैज्ञानिकों ने मार्च 2022 में ही चेतावनी जारी कर दी थी कि इस साल देश में जबरदस्त लू चलेगी. हुआ भी ऐसा ही और पूरे देश में भीषण गर्मी ने लोगों को झुलसाया. फरवरी 2023 में भी अचानक मौसम ने करवट बदली और लोगों को हल्की ठंड के मौसम में ही जून-जुलाई का अहसास होने लगा. मौसम विभाग ने बताया कि बीते 17 साल में इस साल फरवरी का महीना सबसे ज्यादा गर्मी भरा रहा. अब मौसम विभाग ने फिर अनुमान जताया है कि इस साल भी गर्म हवाओं के थपेड़े आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करेंगे.

नौकरियां छिनने से क्या है इसका संबंध

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में एक तरफ कहा है कि इस साल लू के थपेड़े लोगों की सेहत पर बुरा असर डालेंगे. तो दूसरी तरफ साफ तौर पर कहा है कि गर्म हवाएं चलने से उत्पादकता पर भी असर पड़ेगा. उत्पादकता घटने का असर रोजगार पर पड़ेगा. साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार बढ़ते भीषण गर्मी के महीनों के कारण अलग 7 साल में यानी साल 2030 तक दुनियाभर में 8 करोड़ लोगों की नौकरियां छिन सकती हैं. डराने वाला अनुमान ये है कि मौसम के बिगड़ते मिजाज के कारण इनमें से 3 करोड़ नौकरियां सिर्फ भारत में ही जाएंगी.

जल, जंगल, जमीन और जीवन पर असर

भारतीय मौसम विभाग का अनुमान है कि इस साल भी देशभर में भीषण लू चलेगी. यही नहीं, ये सिलसिला साल-दर-साल बढ़ता जाएगा. लगातार बढ़ती गर्मी का सीधा असर आपके और हमारे जीवन पर पड़ना तय है. भीषण गर्मी का जल, जंगल, जमीन और आम जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ेगा. इस साल फरवरी में अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर निकल गया था. यही नहीं, फरवरी 2023 के 6 दिन ऐसे भी रहे, जब अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा ही नहीं उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में फरवरी के दौरान लोगों ने मई-जून की गर्मी का अहसास किया.

भीषण गर्मी से निपटने के लिए क्या करें?

बीते कुछ सालों से लगातार बढ़ रही गर्मी और आने वाले वर्षों के लिए लगाए जा रहे अनुमान के मुताबिक अब लोगों को ज्यादा तापमान से निपटने की तैयारियां कर लेनी चाहिए. भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, इस बार अप्रैल-मई में ही जून और जुलाई की तरह गर्म हवाएं चलने का अनुमान है. अब सवाल ये है कि इस साल फरवरी में इतनी गर्मी क्यों पड़ी? इस पर मौसम विभाग का कहना है कि इस बार पश्चिमी विक्षोभ नदारद रहा. इसी वजह से फरवरी में ही जबरदस्त गर्मी का अहसास हुआ. बता दें कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही बारिश होती है और मौसम खुशनुमा रहता है. पश्चिमी विक्षोभ बिना मानसून के बादलों को बरसाता है.

भाजपा नेता ईश्वरप्पा के लाउडस्पीकर से अजान के विरोध में दिये बयान के बाद युवक ने सरकारी दफ्तर में अदा की नमाज, बजरंग दल ने गोमूत्र से किया दफ्तर का शुद्धिकरण

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की चल रही तैयारियों के बीच हिंदू संगठन बजरंग दल ने सूबे के शिमोगा में ऐसा कदम उठाया है, जिससे जिले में तनाव व्याप्त हो गया है। बताया जा रहा है कि बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बीते सोमवार को शिमोगा में डिप्टी कमिश्नर के दफ्तर को गोमूत्र से शुद्ध किया, जब एक मुस्लिम युवक ने भाजपा नेता द्वारा नमाज के खिलाफ की गई टिप्पणी का विरोध में वहां पर नमाज अदा की थी। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने शिमोगा उपायुक्त कार्यालय तक मार्च किया और उनके दफ्तर में उस स्थान पर गोमूत्र छिड़का, जहां मुस्लिम युवक ने नमाज अद की थी। दरअसल यह पूरा विवाद प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा के उस हालिया बयान से पनपा, जिसमें उन्होंने लाउडस्पीकर से होने वाले अजान का विरोध किया था। समाचार वेबसाइट टेलीग्राफ के अनुसार भाजपा नेता ईश्वरप्पा के इस बयान का संज्ञान लेते हुए मौसीन अहमद नाम के युवक ने विरोध स्वरूप डिप्टी कमिश्नर कार्यालय तक विरोध मार्च किया और बाद में उसके दफ्तर के सामने अजान अदा की। इस संबंध में जानकारी होते ही मौके पर मौजूद पुलिस ने मौसीन

अहमद को गिरफ्तार कर लिया लेकिन बाद में उसे पुलिस स्टेशन से जमानत पर रिहा कर दिया गया। उसके बाद बजरंग दल के स्थानीय नेता राजेश गौड़ा ने शिमोगा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि किसी भी सरकारी कार्यालय में अजान का पाठ करना धार्मिक कट्टरता को प्रदर्शित करने जैसा है। उन्होंने कहा, 'हर किसी को विरोध करने का अधिकार है लेकिन डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय में अजान अदा किया जाना मजहब विशेष की धार्मिक कट्टरता को प्रदर्शित करता है। इस कारण से बजरंग दल के कार्यकर्ताओं नेने उस स्थान को शुद्ध किया क्योंकि वह जगह अज़ान के लिए तय नहीं है।' मालूम हो कि बोम्मई सरकार में मंत्री रहे भाजपा नेता ईश्वरप्पा ने बीते रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा की विजय संकल्प यात्रा में अजान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, 'मैं जहां भी जाता हूं। लाउडस्पीकर से अजान होता है, जिसके कारण मेरे सिर में दर्द होता है। क्या उनका अल्लाह तभी सुनता है जब वो लाउडस्पीकर से चिल्लाते हैं?' इस बयान के एक दिन बाद सोमवार को ईश्वरप्पा ने कहा कि वह अज़ान के लिए लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के खिलाफ हैं क्योंकि इससे स्कूली परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों और बीमार व्यक्तियों को परेशानी होती है। वहीं शिमोगा में बजरंग दल द्वारा किये गये उपायुक्त दफ्तर के गोमूत्र से शुद्धिकरण के बाद ईश्वरप्पा ने कहा कि वह अज़ान के लिए सरकारी परिसरों के उपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखेंगे। ईश्वरप्पा ने अजान और लाउडस्पीकर पर मचे बवाल पर कहा कि जो लोग उनकी बातों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि वे पाकिस्तान में नहीं बल्कि हिंदुस्तान में रहते हैं। उन्होंने कहा, जो लोग इस तरह से सरकारी कार्यालय में खुलेआम नमाज अदा करते हैं, शायद उन्हें पता नहीं है कि वे पाकिस्तान में रह रहे हैं या भारत में।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, 1947 में धर्म के आधार पर बंटे हिंदुस्तान में जो हिस्सा हमारे पास है, वह 'हिंदू राष्ट्र' है

इंदौर, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने भारत को मूल स्वभाव में हिंदू राष्ट्र के तौर पर परिभाषित करते हुए कहा कि जब देश 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ और धर्म के नाम पर हिंदुस्तान के दो टुकड़े किये गये तो हमारे हिस्से में जो आया, वो मूलतः हिंदू राष्ट्र ही था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल के पूर्व प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस देश में 1947 की आजादी के बाद और देश के बंटवारे के बाद, जो भी हम लोगों के खाते में आया वो एक हिंदू राष्ट्र ही था। पत्रकारों द्वारा देश में इस वक्त में चल रहे हिंदू राष्ट्र की बहस और धार्मिक नेताओं के एक वर्ग द्वारा भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग पर सवाल किये जाने पर विजयवर्गीय ने कहा, हिंदू राष्ट्र तो शाश्वत सत्य है। जब 1947 में अंग्रेज देश छोड़कर गये तो संयुक्त भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ था न किसी अन्य मुददे पर। हमें याद रखना चाहिए कि लाखों हिंदूओं की बलि ली गई पाकिस्तान बनाने के लिए और उसके बाद एक तरफ पाकिस्तान था और दूसरी ओर शेष देश। ये जो शेष देश था, यह हिंदू राष्ट्र ही तो था। इसके साथ ही कैलाश विजयवर्गीय ने इस बात का दावा किया कि भोपाल में रहने वाले उनके एक मुस्लिम मित्र हर दिन हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और शिव मंदिर भी जाते हैं। विजयवर्गीय ने उनकी पहचान का खुलासा न करते हुए पत्रकारों से कहा, मैंने अपने मुस्लिम मित्र से पूछा कि वह भगवान हनुमान और भगवान शिव की पूजा करने के लिए कैसे प्रेरित हुए। मेरे मित्र ने जवाब दिया कि जब उन्होंने अपने परिवार का इतिहास पढ़ा तो उन्हें पता चला कि उनके पूर्वज राजस्थान के राजपूत थे और उनके कई रिश्तेदार को आज भी राजपूत हैं, जो राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी रहते हैं। इस कारण उन्हें शिव और हनुमान की पूजा के लिए प्रेरणा मिली। आज की युवाओं को नशे और अन्य गैर सामाजिक कार्यों से दूर करके सभ्य नागरिक बनाने की दिशा में काम करने के लिए जोर देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि वो बेहद गंभीरत से मध्य प्रदेश के कई जिलों में हनुमान चालीसा क्लब बनाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं ताकि हिंदू युवाओं को धर्म और मानवता के रास्ते पर लाया जा सके या जो चल रहे हैं, उनके विश्वास को और भी मजबूत किया जा सके। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने हाल की पंजाब की घटनाओं पर कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत सरकार है, जो किसी भी कीमत पर पाकिस्तान की सीमा से साझा करने वाले बेहद संवेदनशील पंजाब में अलगाववादी ताकतों को पनपने नहीं देगी। विजयवर्गीय ने कहा कि केंद्र और राज्य की भगवंत मान सरकार समस्या से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और उनके अच्छे परिणाम आएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 मार्च- 2023

बस्तियों में जंगली जानवर

महाराष्ट्र के वन मंत्री ने विधानसभा में बताया कि राज्य के चंद्रपुर जिले में अकेले पिछले साल बाघों और तेंदुओं के हमले में तिरपन लोगों की मौत हुई है। इस तरह से जंगली जानवर बाघ, तेंदुआ और हाथी जैसे कुछ पशुओं के अक्सर इंसानी बस्तियों में पहुंच कर उत्पात मचाने की घटनाओं से सरकार के साथ ही लोगों की भी चिंताएं बढ़ी हैं। बीते कुछ सालों से देश के अलग-अलग राज्यों के वन क्षेत्रों और उसके आसपास बसी इंसानी बस्तियों से तेंदुए या बाघ के हमले में लोगों के मारे जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी राज्य से तो हाथियों का भी उत्पात देखा गया है। इससे भयभीत लोगों के सामने अपने स्तर पर बचाव के उपाय करने से लेकर सरकार से सुरक्षात्मक इंतजाम करने की फरियाद करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। दूसरी ओर, वन्यजीवों के संरक्षण से जुड़े कई प्रश्न भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, जिनके चलते इस समस्या का कोई ठोस हल निकालने में कई मुश्किलों का सामना करना पड जाता है। लेकिन बाघ या तेंदुए के इंसानी बस्तियों में आ जाने या उनके हमले की वजह से होने वाली मौतें लगातार चिंता का विषय बनती जा रही हैं। हैदराबाद में भी समय-समय पर जंगली जानवर अपनी पहलकदमी करते देखे जाते रहे हैं। बहीं महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में अकेले पिछले साल बाघों और तेंदुओं के हमले में तिरपन लोगों की मौत हो गई। हालांकि इस दौरान अलग-अलग घटनाओं में चौदह बाघों के अलावा भालू और मोर सहित पचास से ज्यादा अन्य वन्यजीव भी मारे गए। वन्यजीवों और मनुष्यों के बीच जीवन की स्थितियों में बदलाव और टकराव के चलते अब ऐसे हालात बनने लगे हैं कि कभी भी किसी की जान जाने का खतरा मंडराने लगा है। जगजाहिर है वक्त के साथ जब आबादी बढ़ी तो कुछ लोग जंगलों के आसपास रिहायसी बस्ती बना ली। जाहिर है इससे वन क्षेत्रों का दायरा सिकुडता चला गया और इसे जंगली पशुओं ने अपने क्षेत्र में मनुष्यों द्वारा जबर्दस्ती कब्जा माना। जब प्राकृतिक पर्यावास के क्षेत्र सिमटने लगे तो, इसका सीधा असर वन्यजीवों के जीवन व रहन-सहन पर पड़ने लगा। इससे जानवरों खासकर बाघ या तेंदुए जैसे पशुओं के लिए भोजन से लेकर अधिवास तक के मामले में असहज स्थितियां पैदा होने लगीं। रही सही कसर पूरी कर दी वनों में अवैध शिकार करने वालों ने। जिसकी वजह से भी संरक्षित पशुओं के सामने जीने का संकट खड़ा हो गया। पारिस्थितिकी और जैव विविधता की कसौटियों और अनिवार्यताओं को समझने वाले तमाम लोग बताते हैं कि एक ओर जहां मनुष्य का जीवन अनमोल है, वहीं पशुओं और खासतौर पर कुछ विलुप्तप्राय जीवों का संरक्षण प्राकृतिक संतुलन के लिए भी उतना ही जरूरी है। लेकिन इस मामले में सरकार से लेकर आम लोगों तक की लापरवाही देखने लायक रही। अवैध रूप से जानवरों का शिकार करने वाले गिरोहों पर भी कोई खास सरकारी नियंत्रण नहीं बन पाया। नतीजतन जंगलों में बसेरा करने वाले कई पशुओं के भीतर असुरक्षा की स्थिति बनी और वे आक्रामक होते चले गए। हालांकि जानकारों का कहना है कि वन्यजीव खुद ही अपने लिए सहज और प्राकृतिक पर्यावास की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस क्रम में भी उनका सामना इंसानी आबादी से होता है। बचाव की कोशिश में हुए संघर्ष की वजह से नाहक ही इनसानी जान जाने के खतरे पैदा होने लगे हैं। जब जंगली इलाकों का दायरा काफी बडा होता था और इंसानी बस्तियों की भी सीमा रेखा तय थी। तब मनुष्य और पशु, दोनों को अपनी जीवन स्थितियों में एक दूसरे से दखलंदाजी बहुत कम होती थी। लेकिन जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ी, उसके साथ ही कृषि भूमि का विस्तार, शहरीकरण और औद्योगीकरण में वृद्धि के मकसद से जंगलों की कटाई की गई। जिसकी वजह से वनक्षेत्र कम होते गए। नतीजतन बाघ, तेंदुआ और हाथी जैसे कुछ पशुओं ने अपनी खुराक के लिए इंसानी बस्तियों का रुख करना शुरू कर दिया। जिससे वे मनुष्यों के प्रति खूंखार होते चले गए। जरूरत यह है कि जंगल क्षेत्रों के आसपास रहने वाली इंसानी आबादी को वन्यजीवों की प्रकृति और पारिस्थितिकी संतुलन में उनकी अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही इंसानों के जीवन के लिहाज से खतरनाक पशुओं के लिए सुरक्षित अभयारण्यों को और बेहतर बनाया जाए, तभी मानव जीवन की इनसे रक्षा की जा सकती है।

जब देश में थी दीवाली....!

सुनील कुमार महला

23 मार्च का दिन शहीदों को याद करने का दिन है, इस दिन को याद कर हर किसी की आंखें एकबारगी नम हो जाती हैं लेकिन दिल हमेशा इन शहीदों पर फ़क्र करता है और करता रहेगा। तेईस मार्च का दिन वह दिन है, जिस पर हर किसी की जुबां पर जगदंबा प्रसाद मिश्र 'हितैषी' की कविता 'शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले' की याद लाजिमी है। कविता की पंक्तियों को जरा आप भी देखिए और महसूस कीजिए-'उरूजे कामयाबी पर कभी हिंदोस्ताँ होगा।रिहा सैयाद के हाथों से अपना आशियाँ होगा।।चखाएँगे मज़ा बर्बादी-ए-गुलशन का गुलचीं को।बहार आ जाएगी उस दम जब अपना बाग़बाँ होगा।ये आए दिन की छेड़ अच्छी नहीं ऐ ख़ंजर-ए-क़ातिल।पता कब फ़ैसला उनके हमारे दरमियाँ होगा॥जुदा मत हो मेरे पहलू से ऐ दर्दे वतन हरगिज़।न जाने बाद मुर्दन मैं कहाँ औ तू कहाँ होगा॥वतन के आबरू का पास देखें कौन करता है।सुना है आज मक़तल में हमारा इम्तहाँ होगा॥शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले।वतन पर मरनेवालों का यही बाक़ी निशाँ होगा।।कभी वह दिन भी आएगा जब अपना राज देखेंगे।जब अपनी ही ज़मीं होगी और अपना आसमाँ होगा॥'जगदंबा प्रसाद मिश्र जी ने उक्त पंक्तियां वर्ष 1916 में लिखी थी, पर समय भी देश के वीर सपूतों, आजादी के मतवालों,दीवानों को लेकर व्यक्त की गई इन भावनाओं को आज तक भी धुंधला नहीं पाया है और ये हमारे मानस पटल पर आज तक अंकित हैं।भारतीय इतिहास में 23 मार्च का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण व बड़ा दिन है। क्यों कि तेईस मार्च को प्रत्येक वर्ष शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। वैसे तीस जनवरी को भी हम शहीद दिवस के रूप में मनाते हैं। 30 जनवरी को नाथूराम गोडसे नामक व्यक्ति ने भारत के राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जबकि 23 मार्च 1931 को भारत के सपूतों और महान क्रांतिकारियों शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते हंसते फांसी की सजा को अपने गले लगा लिया था। भारतीय इतिहास में ये दोनों ही दिवस अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हैं क्योंकि इन दोनों दिवसों पर भारत की आन-बान और शान, भारत के गौरव, इसके कल्याण और इसकी आजादी के लिए लड़ते हुए हमारे देश के वीर सपूतों, महापुरुषों ने अपने प्राणों की आहूति तक दे दी थी। आज की युवा पीढ़ी को शायद यह जानकारी नहीं होगी कि इनको तय दिन और समय से 11 घंटे पहले ही अंग्रेजों द्वारा फांसी पर चढ़ा दिया गया था। भगतसिंह आजादी के कितने बड़े दीवाने थे इस बात का पता मात्र इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने माता-पिता से कहा था कि "अगर गुलाम भारत में मेरी शादी होगी तो मेरी दुल्हन मौत होगी।" इसके बाद वह "हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन" में शामिल हो गए थे। भगतसिंह ने जेल में रहते हुए 116 दिनों तक उपवास किया था और आश्चर्य की बात है कि इस दौरान उन्होंने अपने दैनिक जीवन के सभी कार्य पढ़ना-लिखना, गायन इत्यादि को जारी रखा। भगतसिंह हंसते हंसते हुए फांसी के फंदे पर झूल गए थे।

एक धर्म के लिए मशहूर तो दूसरा देश की आज़ादी के लिए शहीद

अशोक भाटिया

यह एक संयोग ही है कि सिंधियों के **दो रत्न भगवान झूलेलाल एवं स्वतंत्रता वीर हेमू कालानी** का जन्म दिन एक ही दिन 23 मार्च को पड़ रहा है । एक धर्म के लिए मशहूर हुआ, दूसरा देश की आज़ादी के लिए । सबसे पहले बात करें भगवान झूलेलाल की । कहते है जब जब धरती पर अन्यायियों ने लोगों को त्रस्त किया, तब तब भगवान ने मसीहा के रूप में अवतरित होकर उनके संकट को टारा हैं। सिंधी समाज के इष्ट देव झूलेलाल जी कि जीवनी कुछ ऐसी ही हैं . दरअसल जो लोग सिंध में रहते हैं अथवा विभाजन के बाद उस स्थान से पलायन कर किसी अन्य स्थान को गये हैं उन्हें सिंधी कहा जाता हैं. सिंध पाकिस्तान में हैं। 23 मार्च 2023 को झूलेलाल जी की जयंती हैं जिन्हें सिन्धी समाज चेटीचंड उत्सव के रूप में मनाते हैं. इस दिन वे अपने आराध्य देव झूले लाल को याद करते हैं। कोई इन्हें संत कहता है तो कोई फकीर जो भी हो ,हिन्दू मुस्लिम दोनों इन्हें मानते हैं तथा यह सिन्धी समाज के ब्रह्मा, विष्णु, महेश, ईशा, अल्लाह से भी बढ़कर हैं। झूलेलाल को कई अन्य नामों से भी जाना जाता हैं। उदेरोलाल, घोड़ेवारो, जिन्दपीर, लालसाँई, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि।झूलेलाल जी को जल के देवता वरुण का अवतार माना जाता हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में चन्द्र दर्शन की तिथि को सिंधी चेटीचंड मनाते हैं। इनकी पूजा तथा स्तुति का तरीका कुछ भिन्न हैं जल के देव होने के कारण इनका मंदिर लकड़ी का बनाकर जल में रखकर इनके नाम दीपक जलाकर भक्त आराधना करते हैं। चेटीचंड के अवसर पर भक्त इस मंदिर को अपने शीश पर उठाते हैं जिन्हें बहिराना साहिब कहा जाता हैं जिनमें परम्परागत छेज नृत्य किया जाता हैं। सिंध प्रान्त से भारत में आकर भिन्न भिन्न स्थानों पर बसे सिंधी समुदाय के लोगों द्वारा झूलेलाल जी की पूजा की जाती हैं। ये उनके इष्ट देव हैं। सागर के देवता, सत्य के रक्षक और दिव्य दृष्टि के महापुरुष के रूप में इन्हें मान्यता दी गुई हैं। ताहिरी, छोले (उबले नमकीन चने) और शरबत आदि इस दिन बनाते हैं तथा चेटीचंड की शाम को गणेश विसर्जन की तरह बहिराणा साहिब का विसर्जन किया जाता हैं। भगवान झूलेलाल जी का जन्म चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 को हुआ था, इनके जन्म के सम्बन्ध में कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। मगर इन सभी में बहुत सी समानताएं भी हैं यहाँ आपकों भगवान झूलेलाल जी की सर्वमान्य कथा बता रहे हैं जिन पर अधि कतर लोगों का विश्वास हैं। बात सिंध इलाके की हैं 11 वीं सदी में वहां मिरक शाह नाम का शासक हुआ करता था। वह प्रजा का शासक कम अपनी मनमानी करने वाला जनता को तरह तरह की शारीरिक यातनाएं देने में आनन्द खोजने वाला अप्रिय एवं अत्याचारी था। उसके लिए मानवीय मूल्य तथा व्यक्ति जीवन गरिमा व धर्म कुछ भी मायने नहीं रखते थे। दिन ब दिन बढ़ते शाह के जुल्मों से सिंध की प्रजा तंग आ चुकी थी। राजतन्त्र में वे चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। उनके पास पुकार का एक ही जरिया था वह था ईश्वर से मदद की गुहार। राज्य की जनता सिन्धु के तट पर एकत्रित होकर भगवान से इस मुश्किल से निकालने के लिए प्रार्थना करने लगे। वरुणदेव उदेरोलाल ने जलपति के रूप में मछली पर सवार होकर लोगों को दर्शन दिया। तथा आकाशवाणी हुई कि हे भक्तों तुम्हारे दुखों का हरण करने के लिए मैं ठाकुर रतनराय के घर माँ देवकी के घर जन्म लूँगा तथा आपके जुल्मों को खत्म करूँगा। चैत्र शुक्ल 2 संवत 1007 के दिन नसरपुर में माँ देवकी पिता रतनराय के घर चमत्कारी बालक ने जन्म लिया जिसका नाम उदयचंद रखा गया। जब शासक मीरक शाह को यह खबर मिली तो उसने अपने सेनापति को इस बालक का वध करने के लिए भेजा। सेनापति अपनी पूरी सेना के साथ नसरपुर के रतनराय जी के यहाँ पहुचकर बालक उदयचंद तक पहुचने का प्रयास किया तो झूलेलाल जी ने अपनी दैवीय शक्ति से शाह के राजमहल में आग लगा दी तथा उसकी फौज को पंगु बना दिया। जब शाह की किसी ईश्वरीय शक्ति के ताकत का अंदाजा हुआ तो वह माँ देवकी के घर गया तथा झूलेलाल जी के कदमों में गिरकर अपने पापों की क्षमा मांगने लगा। इस तरह अल्पायु में ही झूले लाल जी ने आमजन में सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा उन्हें निडर होकर अपना कर्म करने के लिए प्रेरित किया। इस पर मुस्लिम शासक के द्वारा हाथ जोड़कर के यह कहा गया कि है पीरों के पीर आपके चरणों में मेरा बारंबार नमस्कार है और इस प्रकार से भगवान झूलेलाल के चमत्कार से हिंदू जनता को मुस्लिम शासक के अत्याचार से आजादी मिली। सिंध का शासक मीरक शाह जिन्होंने झूलेलाल जी को मारने के लिए आक्रमण किया, उसका अहंकार चूर चूर हो गया तथा वह उनका परम शिष्य बनकर उनके विचारों को जन जन तक पहुचाने के कार्य में जुट गया। शाह ने अपने आराध्य के लिए कुरु क्षेत्र में एक भव्य मंदिर का निर्माण भी करवाया। सर्वधर्म समभाव तथा अमन का पैगाम देने वाले झूलेलाल जी एक दिव्य पुरुष थे। झूलेलाल जयंती अथवा चेटीचंड चैत्र माह की शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता हैं। इस दिन पहली बार पूर्ण चन्द्र दर्शन होता हैं। वरुण देव का अवतार माने जाने वाले झूलेलाल जी की जयंती का पर्व सिंधियों का सबसे बड़ा पर्व हैं। वर्ष 2023 में यह 23 मार्च के दिन मनाया जा रहा है । इस दिन भारत में गुड़ी पड़वा तथा उगदी को भी मनाते हैं, इस दिन जगह जगह पर मन्दिरों में पूजा अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम व जुलुस निकाले जाते हैं। इस अवसर पर दिन प्रसाद के तौर पर उबले काले चने व मीठा भात सबको बांटा जाता हैं। चलिओ उर्फ़ चालिहो को चालिहो साहिब भी एक सिंधी पर्व हैं जिन्हें अंग्रेजी कलैंडर के अनुसार अगस्त या जुलाई माह में सिंधी समुदाय मनाता हैं। चालीस दिन चलने वाले इस पर्व में साधक अपने आराध्य झूलेलाल का आभार प्रकट करते हैं।

स्वतंत्रता संग्राम में भारत माता के अनगिनत सपूतो ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद कराया । आजादी की लड़ाई में भारत के सभी प्रदेशो का योगदान रहा । अंग्रेजो को भारत से भगा कर देश को जिन वन्दनीय वीरो ने आजाद कराया उनमे सबसे कम उम्र के बालक क्रांतिकारी अमर शहीद हेमू कालाणी को भारत देश कभी नही भुला पायेगा ।हेमू कालाणी सिन्ध के सख्खर (Sukkur) में २३ मार्च १९२३ को जन्मे थे। उनके पिताजी का नाम पेसूमल कालाणी एवं उनकी माँ का नाम जेठी बाई था।हेमू बचपन से साहसी तथा विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे । हेमू कालाणी जब मात्र 7 वर्ष के थे तब वह तिरंगा लेकर अंग्रेजो की बस्ती में अपने दोस्तों के साथ क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व करते थे ।1942 में 19 वर्षीय किशोर क्रांतिकारी ने "अंग्रेजो भारत छोड़ो " नारे के साथ अपनी टोली के साथ सिंध प्रदेश में तहलका मचा दिया था और उसके उत्साह को देखकर प्रत्येक सिंधवासी में जोश आ गया था । हेमू समस्त विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार करने के लिए लोगो से अनुरोध किया करते थे । शीघ्र ही सक्रिय क्रान्तिकारी गतिविधियों में शामिल होकर उन्होंने हुकुमत को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रियाकलापों में भाग लेना शूरू कर दिया ।अत्याचारी फिरंगी सरकार के खिलाफ छापामार गतिविधियों एवं उनके वाहनों को जलाने में हेमू सदा अपने साथियों का नेतृत्व करते थे । हेमू ने अंग्रेजो की एक ट्रेन ,जिसमे क्रांतिकारियों का दमन करने के लिए हथियार एवं अंग्रेजी अफसरों का खूखार दस्ता था । उसे सक्खर पुल में पटरी की फिश प्लेट खोलकर गिराने का कार्य किया था जिसे अंग्रेजो ने देख लिया था । 1942 में क्रांतिकारी हौसले से भयभीत अंग्रजी हुकुमत ने हेमू की उम्र कैद को फाँसी की सजा में तब्दील कर दिया ।

भारतीय लोकतंत्र को लेकर हमेशा चिंतित रहे डॉ. लोहिया

अभिषेक रंजन सिंह

आज समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की 113वी जयंती है । अनैतिकता, भ्रष्टाचार और पाखंड के दौर में उन्हें याद करना आत्मबल देने वाला है। उनके निधन से दो साल पहले आधी रात को पटना के सर्किट हाउस से उनकी गिरफ्तारी हुई थी। उनका जुर्म केवल इतना था कि उन्होंने बिहार सरकार की नीतियों की आलोचना की थी। उन्हें गुजरे 56 साल हो गए, लेकिन आज भी इस तरह की गिरफ्तारियां हो रही हैं वो भी दिन के उजाले में। सरकारों का विरोधी स्वरों को दबाना और उन्हें जेल में डालना उतना हैरतंगेज नहीं है, जितना परेशान करने वाली है ऐसे मामले में देश की चुप्पी। पहले ऐसी किसी घटना पर आंदोलन हो जाते थे। आज हर जनविरोध को सत्ता के खिलाफ साजिश बताकर दबा दिया जा रहा है और कोई कुछ बोल नहीं रहा। ऐसे में डॉ. लोहिया को याद करना आंदोलन और असहमति की परंपरा को एक बार फिर से जीना है। डॉ. लोहिया कई बार जेल गए। 9 अगस्त, 1965 यानी भारत छोड़ो आंदोलन की 23वीं वर्षगांठ के दिन भी उन्हें गिरफ्तार किया गया था, क्योंकि उन्होंने बिहार की तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों की आलोचना की थी। तब कृष्ण बल्लभ सहाय राज्य के मुख्यमंत्री थे। कहने को तो वे गांधीजी के अनुयायी थे और आजादी की लड़ाई में जेल जा चुके थे, लेकिन विरोध का स्वर उनसे बर्दाश्त नहीं हो सका। उन्होंने पटना के जिलाधिकारी जे.एन. साहू से कहा कि कुछ भी करके इस आदमी को जेल भेजो। साहू ने 'डिफेन्स ऑफ इंडिया रूल्स, 1962' के नियम-30 के तहत उन्हें गिरफ्तार कर पटना के बांकीपुर जेल भेजने का आदेश जारी किया। डॉ. लोहिया को सर्किट हाउस से रात के 12 बजे आगजनी एवं उपद्रव के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री को लगा कि उन्हें बांकीपुर जेल में रखने से लाखों लोग आंदोलन के लिए उतर जाएंगे, इसलिए उन्होंने

उन्हें हजारीबाग सेंट्रल जेल ले जाने को कहा। हजारीबाग मुख्यमंत्री सहाय का गृह जिला था, लेकिन तब तक बांकीपुर जेल के जिक्र वाली नोटिस डॉ. लोहिया को दिखाई जा चुकी थी और लोहिया जी ने उसे पढ़ भी लिया था। जिलाधिकारी ने धृष्टतापूर्वक उस नोटिस को वापस मंगाया और बांकीपुर जेल को काटकर उसी पर हजारीबाग सेंट्रल जेल लिखकर फिर से उसे जारी कर दिया। शासन के खिलाफ लड़ने वाला जब स्वयं शासक बन जाता है, तो वह पूर्ववर्ती सरकार की उन्हीं दमनकारी नीतियों पर चलने लगता है जिसके खिलाफ उसने जंग छेड़ी थी। स्वतंत्रता संग्राम के अनथक योद्धा डॉ. लोहिया के साथ मुख्यमंत्री सहाय ने यही किया और अनैतिक तरीके से उन्हें गिरफ्तार करने की भूल कर बैठे। लोकतंत्र में तो पार्टियां आती-जाती रहती हैं और जनता ही स्थायी प्रतिपक्ष होती है। भारत में लोकतंत्र का स्वरूप कैसा होना चाहिए, इसकी सदैव चिंता डॉ. लोहिया को रहती थी। 9 अगस्त, 1965 के अपने भाषण में डॉ.लोहिया ने उस साल आए अकाल का भी जिक्र किया था। वहीं मुख्यमंत्री सहाय इंदिरा गांधी के स्वागत में हजारीबाग में 'महावन' भोज का आनंद उठा रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री के दायित्व पर कई तरह के प्रश्न उठाए और कहा कि राज्य की भूखी जनता को अन्न की बजाय भाषण खिलाया जाता है। यह अकाल प्राकृतिक हो या कृत्रिम, लेकिन भूख नकली नहीं है? इस जनसभा के बाद मुख्यमंत्री को लगा कि अगर डॉ. लोहिया को गिरफ्तार नहीं किया गया तो उनकी सरकार के खिलाफ वे और अधिक जहर उगलेंगे। मुख्यमंत्री के भय की एक और बड़ी वजह थी देशभर में डॉ. लोहिया एवं उनकी पार्टी की स्वीकार्यता का बढ़ना। लोहिया सत्ता के नशे को लोकतंत्र का बड़ा शत्रु मानते थे। इसलिए, वे बार-बार सत्ता से टकराते थे और जनता के मानस को जगाने का प्रयास करते थे। 10 अगस्त, 1965 को उन्हें हजारीबाग सेंट्रल जेल ले जाया गया। वहां से उन्होंने हिंदी में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जी.बी. गजेंद्र गडकर और लोकसभा के अध्यक्ष हुकुम सिंह को चिट्ठी लिखी। पत्र मिलते ही सुप्रीम कोर्ट ने गंभीरता सेमामले का संज्ञान लिया और उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर 23 अगस्त,1965 को सुनवाई की तिथि मुकर्रर की। डॉ. लोहिया ने अपने मुकदमे की पैरवी खुद करने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने हिंदी में जिरह करना शुरू किया तो जजों ने उनसे अंग्रेजी में बोलने को कहा। इस पर उन्होंने कहा कि अंग्रेजों की दासता से मुक्ति के बाद भी कांग्रेस सरकार भारत को अंग्रेजी भाषा का गुलाम बनाए रखना चाहती है। जस्टिस ए.के. सरकार, एम. हिदायतुल्ला, दयाल रघुबर, जे.आर. मुढोलकर और आर.एस. बछावत समेत पांच जजों की पीठ बैठी। डॉ. लोहिया ने संविधान के मूल अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद 21 और 22 का हवाला देते हुए तर्कपूर्ण बहस से सरकार की पूर्वाग्रहयुक्त मंशा को साबित कर दिया। कोर्ट ने 7 सितंबर, 1965 को डॉ. लोहिया को बाइज्जत बरी करने का आदेश दिया। साथ ही साथ पटना के जिलाधिकारी को कड़ी फटकार भी लगाई। मौजूदा राजनीतिक विद्रूपताओं को देखते हुए डॉ. लोहिया जैसी जुझारू और नैतिक आवाज की कमी खलती है।

सचमुच ही 'सरदार'थे भगत सिंह

दुनिया ने जिसे शहीद ए आजम, और 'सरदार' भगतसिंह जैसे नामों से जाना 24 वर्ष से भी कम आयु में ही वह युवा क्रांतिकारी 23 मार्च को 1931 में सुखदेव व राजगुरु के साथ राष्ट्र की बलि वेदी पर चढ़ जाने वाले भगतसिंह की शहादत का दिन है आज जिसे देश बलिदान दिवस के रुप में मनाता रहा है । 1907 में पंजाब के लायलपुर गाँव में सरदार किशन सिंह के घर उनकी पत्नी विद्यावती ने जब एक बच्चे को जन्म दिया तब उनके पिता और दोनों चाचा जेल में बंद थे , पर उसके पैदा होते ही तीनो छूट गए । इस वजह से दादा अर्जुन सिंह व दादी जैकौर अपने इस पोते को प्यार से 'भागोवाला' कहती थीं।

आग से भरे भगत: 1919 में जलियांवाला बाग की घटना से तो भगत सिंह क्रोध से सुलग उठे और घटना के अगले दिन स्कूल जाने के बहाने सीधे जलियांवाला बाग पहुंचे और खून सनी मिटटी को उस बोतल में भर लिया जिसे वो अपने साथ लाये थे , बालक भगतसिंह उस मिटटी पर रोज फूल माला चढाते थे । नेशनल कालेज में भगत सिंह का परिचय उग्र विचारों के सुखदेव , भगवती चरण वोहरा , य श पा ल , वि ज य कु मा र ,छैलबिहारी , झंडा सिंह और जयगोपाल से हुआ । सुखदेव और भगवतीचरण भगत सिंह के सबसे घनिष्ट मित्र थे,और सुखदेव तो उनके अभिन्न मित्र थे । तीनो मित्रों पर समाजवाद और कम्युनिज़्म व, मार्क्स की पुस्तकों का गहरा प्रभाव हुआ । आग से भरे भगत सिंह के समाजवादी विचारों से आजाद बहुत प्रभावित थे जल्दी ही भगत सिंह आजाद के प्रिय बन गए उस समय तक रामप्रसाद बिस्मिल और अशफाकुल्ला खान के शहीद होने से आजाद अकेले पड़ गए थे किन्तु भगत सिंह ने उन्हें हिम्मत दी और सुखदेव व राजगुरु से मिलवाया जो कुशल निशानेबाज और बहुत साहसी थे ।

प्रतिशोध लिया : लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के समय लाला लाजपतराय पर पुलिस अधिकारी स्कॉट के सहयोगी सांडर्स ने लाठी से प्रहार किया जिससे लालाजी के सीने पर गंभीर चोटें आयीं और 17 नवम्बर 1928 को उनकी मृत्यु हो गयी । भगत सिंह ,सुखदेव ,आजाद और राजगुरु ने लाला लाजपत राय की मृत्यु का प्रतिशोध लेने की ठानी , इसके सूत्र धार सुखदेव बने ,भगत सिंह और राजगुरु को स्काट को मारने का काम सौंपा गया और चंद्रशेखर आजाद को उन दोनों की रक्षा का । घटना वाले दिन जयगोपाल के इशारा करने पर भगत सिंह और राजगुरु ने स्काट के धोखें में सांडर्स का वध कर दिया । सांडर्स की हत्या ने पूरे देश में खलबली मचा दी और पुलिस भगत सिंह , चंद्रषेखर आजाद और राजगुरु को ढूँढने लगी ,भगत सिंह ने अपनी दाढ़ी मुंडवा ली और हैट ,व ओवरकोट पहन कर दुर्गा भाभी और राजगुरु के साथ सुरक्षित निकल गए ।

संसद में बम फोड़े ...भगत सिंह ने फ्रांस के क्रांतिकारी वेलां से बहुत प्रभावित थे उन्होंने वेलां की तरह संसद में बम फोड़ कर सबको चौंकाने की सोची । आजाद को भी योजना पसंद आई पर वें भगत सिंह को इस काम पर भेजना नहीं चाहते थे किन्तु भगत सिंह सरफरोशी की तमन्ना की ज़िद के आगे विवश हो स्वीकृति देनी पड़ी । भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल 1929 को संसद में बम फेंकने के बाद भागने की बजाय अपने को गिरफ्तार करवाया ताकि वो मुकदमे के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ एक माहौल बना सकें । उन्होने जानबूझ कर संसद में खाली जगह पर दो बम फोड़े । और जोर से -"इन्कलाब जिंदाबाद !" और साम्राज्यवाद का नाश हो ! के नारे लगाए और पर्चे फेंके जिनमें लिखा था "बहरों को सुनाने के लिए लिए धमाके की आवश्कयता होती है ।इस घटना ने सरकार को हिला कर रख दिया और 'इन्कलाब जिंदाबाद' राष्ट्रीय नारा बन गया ।

विचार नहीं मरते:भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त पर मुकदमा चला और मुकदमे में भगत सिंह ने अपना बयान दिया - "हमने बम किसी की जान लेने के लिए नहीं बल्कि अंग्रेजी हुकूमत को यह चेतावनी देने के लिए फोड़ा की भारत अब जाग रहा है , तुम हमें मार सकते हो पर हमारे विचारों को नहीं जिस प्रकार आयरलैंड और फ्रांस स्वतंत्र हुआ उसी प्रकार भारत भी स्वतंत्र हो कर रहेगा और भारत के स्वतंत्र होने तक नौजवान बार बार अपनी जान देते रहेंगे और फांसी के तख्ते पर चिल्ला कर कहेंगे -"इन्कलाब जिंदाबाद" भगतसिंह और दत्त के बयानों ने उन्हें जननायक बना दिया ।

समर्थन में पूरा देश जज़्बा देखिए मौत सामने देखकर भी भगत सिंह और उनके साथियों ने जेल में क्रांतिकारियों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में भूख हड़ताल की , हड़ताल तोड़ने की हर कोशिश असफल हुई , और जनता का गुस्सा अंग्रेजों के प्रति और क्रांतिकारियों के प्रति प्रेम बढ़ता जा रहा था ,भगत सिंह के समर्थन में पूरे देश में आजादी के दीवानों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी जिससे अंग्रेजी हुकूमत बहुत डर गयी ।

-डॉ घनश्याम बादल

मौत की ताज़ा ख़बर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

" अरी सुनती हो! पिछले कितने दिनों से खुशखबरी सुनने की प्रतीक्षा कर रहा था।। इस खबर को सुनने के लिए कान तरस गए थे। ऐसे दृश्य देखने के लिए आँखें पक गयी थीं। अब देखो न पिछले कितने दिनों से किसी की मौत नहीं हुई। हम खाली पड़े-पड़े मक्खी मार रहे थे। अच्छा हुआ उस लड़की ने खुद को आग लगा ली। ऐसी खुशखबरी बार-बार थोड़ी न मिलती है। जबसे उस लड़की ने आग लगा ली है तभी से खुशी के मारे मेरा शरीर फड़फड़ा रहा है। मैं तो इसी दिन के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहा था कि किसी के जान माल को नुकसान हो तो हमारा धंधा जोर पकड़े। मैं तो ऊपर वाले केवल इतनी प्रार्थना करता हूँ कि जल्दी से जल्दी उस लड़की की मौत हो जाएगी तो मैं चढ़ावा चढ़ाऊंगा। मरेगी भी क्यों नहीं? अस्सी प्रतिशत बदन जल चुका है। अब उसका मरना तय है और हमारा भाग्योदय होना निश्चित है।" (नेता जी कुछ सोचते रहते हैं कि तभी फोन पर मैसेज आता है) "अरी वाह! वाह! मेरी मुराद पूरी हुई। वह लड़की मर गई। जल्दी करो नाश्ता तैयार हुआ कि नहीं। मुझे सबसे पहले वहाँ पहुँचना होगा। पता चला कि मुझसे पहले कोई और पहुँच गया तो किए धराए पर पानी फिर जाएगा।" "अरे! आप इतनी हड़बड़ाहट क्यों करते हैं? दो मिनट में तैयार हो जाएगा। ज्यादा उछल-कूद मत कीजिए। इत्मिनान से बैठिए और खाकर जाइए। यह दुनिया की पहली लड़की थोड़ी न है जो जलकर मरी है। और भी मरेंगी। जब तक गरीबी, महंगाई, लाचारी, भ्रष्टाचार जैसे वायरस फैले हुए है आए दिन मौत के ऐसे अनगिनत हुजूम लगते रहेंगे। किंतु आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। पिछली बार आईटी की रेड क्या पड़ी आपका शुगर लेवल अप-डाऊन हो गया। आपके सिवाय दुनिया में हमारा कौन है? मुन्ना अभी छोटा है। वह राजनीति के दांवपेंच नहीं जानता। मैं ठहरी घर-गृहस्थी करने वाली। मुझमें अभी किसी का खाया भैंस का चारा पचान की क्षमता नहीं आई। इसीलिए आपसे कहती हूँ कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखिए। जान है तो जहान है।" पत्नी आँखों में आँसू लाते हुए बोली।"अरी! तुम भी कमाल करती हो। देखती नहीं कितने दिनों के बाद ऐसा मौका हाथ आया है। पार्टी ऑफिस में पड़े डंडे, झंडे, बैनर धूल फांक रहे हैं। कार्यकर्ताओं को भी नारे लगाए, गाली-गलौज करे बहुत दिन हो गए। इतने दिनों से काम करने का कोई बहाना नहीं था। अब जाकर कोई मौका हाथ लगा है और तुम हो कि आराम करने की बात कहती हो। कहीं दिमाग खराब तो नहीं हो गया है।"

नवरात्रि मां के इन मंदिरों में करें दर्शन

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

देवियों का हमारे देश में सबसे उँचा स्थान है। शक्ति की देवी काली माँ से लेकर विद्या की देवी सरस्वती माँ, सभी देवियों को श्रद्धा पूर्वक हिंदू धर्म के सारे लोग सबसे पहले सर नवाते हैं। देवताओं के साथ देश में देवियों के कई मंदिर भी लोकप्रिय हैं, जिनकी अपनी महत्वपूर्ण मान्यताएँ हैं। चाहे वह जम्म-कशमीर में वैष्णो देवी का मंदिर हो या कन्याकुमारी का अम्मन मंदिर।

चलिए आज हम आपको महाराष्ट्र में ऐसी ही कुछ देवियों की मंदिर लिए चलते हैं जहाँ की भव्यता और मान्यता देख आप दंग रह जाएँगे।

1. मुंबा देवी मंदिर, मुंबई मुंबा देवी मंदिर मुंबई के भूलेश्वर में स्थित है, जिसके नाम पर ही मुंबई शहर का नाम पड़ा। मुंबा देवी यहाँ रहने वाले मछुआरों की जाति कोली की कुलदेवी है। 400 साल पुराने इस मंदिर की मुंबई में बहुत मान्यता है।

2. वज्रेश्वरि मंदिर,
मुंबई वज्रेश्वरि योगिनी देवी मंदिर मुंबई से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर बसा, वज्रेशवरी देवी को समर्पित है। नवरात्रि का पावन उत्सव यहाँ धूमधाम से मनाया जाता है। पूरे नौ दिन, देवियों को धूमधाम से पूजा जाता है और बड़े मेले का आयोजन होता है।

3. सप्तश्रृंगी देवी मंदिर, नासिक महाराष्ट्र में देवी के साढ़े तीन शक्तिपीठ में से अर्धशक्तिपीठ वाली सप्तश्रृंगी देवी नासिक (सप्तश्रृंगी देवी टेंपल वाणी नासिक) से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर 4800 फुट ऊँचे सप्तश्रृंग पर्वत पर विराजित हैं। सह्याद्री की पर्वत श्रृंखला के सात शिखर का प्रदेश यानी सप्तश्रृंग पर्वत, जहाँ एक तरफ गहरी खाई और दूसरी ओर ऊँचे पहाड़ पर हरियाली के सौंदर्य के बीच विराजित देवी माँ प्रकृति से हमारी पहचान कराती प्रतीत होती हैं।

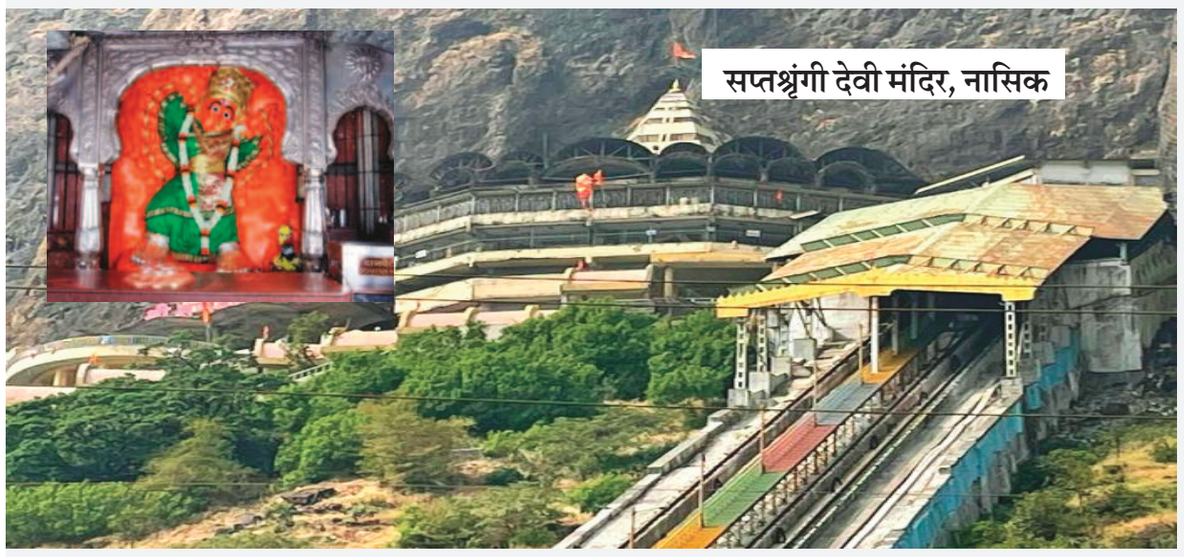

4. एकवीरा देवी मंदिर, लोनावला सूर्यकन्या ताप्ति नदी की उपनदी पांझर नदी के तट पर स्थित अति प्राचीन मंदिर, एकवीरा देवी मंदिर जहाँ आदिमाया एकवीरा देवी की पूजा की जाती है। महाराष्ट्र के धुलिया शहर के देवपुर उपनगर में विराजित यह स्वयंभू देवी महाराष्ट्र सहित मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और गुजरात के कई घरानों में श्रद्धालुओं द्वारा कुलदेवी के रूप में पूजी जाती हैं।

5. रेणुका देवी मंदिर, महुर महाराष्ट्र का महुर क्षेत्र ख़ासतौर पर रेणुका देवी मंदिर के लिए ही प्रसिद्ध है। यह महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ है। इस मंदिर के साथ यहाँ अन्य देवियों जैसे अन्सुय्या मंदिर और कालका मंदिर भी हैं। 6. मन्धारदेवी कालुबाई मंदिर, सतारा मन्धारदेवी कालुबाई मंदिर, पर्वत के 4650 फीट उँचाई पर सतारा जिले के वाइ क्षेत्र में स्थापित है। हिंदू धर्म में यह काफ़ी प्रसिद्ध मंदिर है और हर साल जनवरी महीने में कालुबाई जात्रा, तीर्थयात्रा निकाली जाती है।

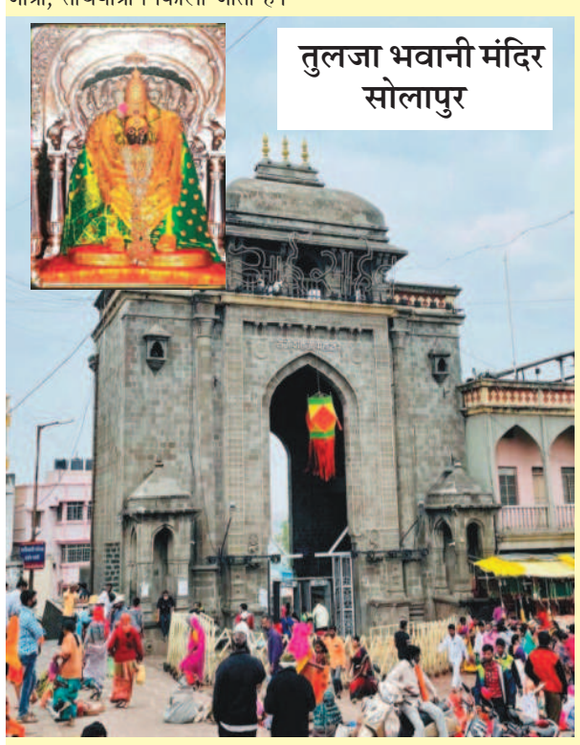

7. तुलजा भवानी मंदिर, सोलापुर सोलापुर से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर बसा तुलजा भवानी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। यह मंदिर सह्याद्री नदी पर स्थित यमुनांचल पर्वत की ढलान पर स्थापित है।

8. महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर महालक्ष्मी मंदिर, 51 शक्ति पीठों मैं से एक है और महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है। कोल्हापुर के इस महालक्ष्मी देवी मंदिर को दक्षिण का काशी भी कहते हैं।
इसी मंदिर के अन्दर नवग्रहों, भगवान सूर्य, महिषासुर मर्धिनी, विट्ठल रखमाई, शिवजी, विष्णु, तुलजा भवानी आदि देवी देवताओं को भीपूजा जाता है।

9. चतुर्श्रृन्गि मंदिर, पुणे पुणे का प्रसिद्ध चतुर्श्रृन्गि मंदिर, सेनापति बापत रोड में पर्वत की ढलान पर स्थापित है, जो 90 फीट उँचा और 125 फीट चौड़ा है। इस मंदिर को शक्ति और आस्था का प्रतीक माना जाता है। अपने महाराष्ट्र की यात्रा में देवियों के इन मंदिरों के दर्शन करिए और आस्था भाव के अनुभव को महसूस करिए।

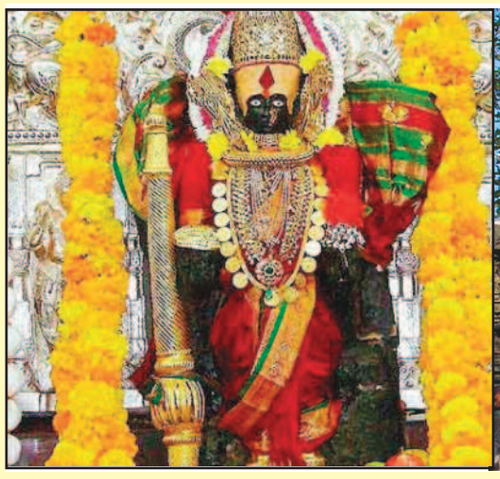

दैवी शक्ति के अवतरण का पर्व-चैत्र नवरात्र

नवरात्र अनुष्ठान का मनुष्य के जीवन के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यो तो सालों भर पर्व-त्योहारों की श्रृंखला मनुष्य के जीवन को सुंदर-सुंगढ बनाने के लिए चलती रहती है और उस पर्व को मनुष्य काफी हर्षोल्लास उमंग के साथ मनाते हुए पर्व से जुड़ी प्रेरणाओं को आत्मसात कर लाभान्वित अवष्य होते हैं। पर नवरात्र का अनुष्ठान का समय बड़ा ही विलक्षण उपहारों से संपन्न होता है। अन्य पर्व तो एक या दो दिन के लिए आता हैं पर नवरात्र का अनुष्ठान नौ दिन के लिए आता है और वर्ष में दो बार चैत्र व आष्विन में नवदुर्गा की उपासना करके शक्ति संपन्न बनने के लिए आता है। मनुष्य के जीवन के लिए बड़ा ही उपयोगी कल्याणकारी लाभों से लाभान्वित, उर्जान्वित, अनुप्राणित करने के लिए यह आता है। बस मनुष्य को सिर्फ कुछ विषेष अनुवंधों नियमों, अनुषासनों का पालन करना अनिवार्य होता है। इस अवसर पर दैवी सता अपना, अनुदान, वरदान खुले हृदय से लुटाती रहती है, दसों द्वार खुले रहते हैं। व्यक्ति निज की पात्रता को सिद्ध करके दैवी अनुग्रहों अनुदान-वरदान को अर्जित करके भौतिक और आध्यात्मिक विभूतियों, संपदाओं से जीवन को निहाल, कायाकल्प, धन्य बना सकता है और आत्मिक उन्नति के शीर्ष शिखर को स्पर्ष करके परमात्मा का साक्षात्कार करने में सफल हो सकता है। नवरात्र शक्ति उपासना का पर्व है। बड़ी जिम्मेवारियों को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त शक्ति की अन्निवार्य रूप से आवष्यकता होती है। शक्ति के बिना एक पग भी आध्यात्मिक पथ पर आग्रसर होना मुश्किल होता है। अतः अध्यात्म पथ के पिपासु नवरात्र की अवधि को अति महत्वपूर्ण समझकर पवित्रता पूर्वक जप, तप, संयम, ब्रह्मचर्य, भूमिशयन, अहिंसा से नियमों, अनुशासनों का परिपालन सर्तकता पूर्वक करते हुए दैवी अनुदानों को ग्रहण करते हैं और असुरता के प्रकोप से जीवन की सुरक्षा करके देवत्व संपन्न जीवन का निर्माण करते हैं। इस अवसर पर दुर्गा, काली, राम, हनुमान, गायत्री, शिव , अन्यान्य शक्तियों की उपासना, श्रद्धा-विश्वास पूर्वक करने से लाभों को पाकर व्यक्ति का जीवन संपन्न हो जाता है। सर्वाधिक फलदायी उपासना के लिए महाशक्ति गायत्री का लघु अनुष्ठान-24000 मंत्र का होता है। नित्य 27 माला मंत्र जप किया जाता है और जप का दशांश आहुति नित्य करना जरूरी होता है। अनुष्ठान की पूर्णाहुति की बेला में कुंआरी का पूजन, ब्रह्म-दक्षिणा, ब्रह्म-भोज का आयोजन, व्यवस्था किया जाता है। जिससे अनुष्ठान साधक का सफल माना जाता है। इस अवसर पर देवी के नौ स्वरूपों का पूजन नवशक्तियों को धारण करने का विधान शास्त्रों में देवी भगवत में वर्णित है। नौ दिन अनुष्ठान का समय शयन का नहीं जागरण का होता है। जो नौ दिन सतर्क सजग रहते हैं। वे काफी-अनुदान वरदान पाते हैं। नित्य की रात्रि शयन की होती है, पर यह नौ दिन की रात्रि की अवधि जीवन में नया संचार करने, जागृति लाने, सोये हुए भाग्य उदय करने, सुषुप्त चेतना में जागृति उत्पन्न करने के लिए पधारती है। जिससे मानव जीवन तुच्छता से महानता की दिशा में अग्रसर होता है। मनुष्य के जीवन के अंधेरा को नया सवेरा प्रदान करने के लिए यह नवरात्रि की अवधि विशिष्ट, विलक्षण, स्वार्णिम है स्वाति नक्षत्र की भाँति। जिस प्रकार से स्वाति नक्षत्र में सीप के मुंह खुला होने से स्वाति की बूंद पड़ने से मोती बन जाता है। साँप के मुंह में पड़ने से मणि बनता है। गौ के मुंह में पड़ने से गौलोचन बनता है। बांस में पड़ने से वंशलोचन बन जाता है। असाधारण लाभों से व्यक्ति स्वाति नक्षत्र की भाँति इस अवसर का लाभ उठाने में सफल होकर निज जीवन को निहाल कर तमोगुण से सतोगुण को धारण कर लेते हैं। प्रतिपदा, द्वितिया, तृतीया में तमोगुण, चतुर्थ, पंचमी, षष्ठी में रजोगुण और सप्तमी, अष्टमी, नवमी में सतोगुण की प्रधानता रहती है। इस समय को यू व्यर्थ नहीं गंवाना नहीं चाहिए। **-मुकेष ऋृषि**

चैत्र नवरात्रि पर ग्रहों का दुर्लभ संयोग

इन राशियों का चमक सकता है भाग्य

वृष राशि -नव संवत्सर और शक्तिपर्व नवरात्र आप लोगों के लिए शुभ साबित हो सकता है। क्योंकि आपकी गोचर कुंडली में गजकेसरी, बुधादित्य, नीचभंग और हंस राजयोग बन रहा है। इसलिए इस समय अपनों से शुभ सूचनाएं प्राप्त होंगी। साथ ही साहस पराक्रम से जगह बनाएंगे। वहीं सुख सौख्य और भव्यता में वृद्धि होगी। साथ ही साथ ही इनकम के नए- नए स्त्रोत बन सकते हैं। वहीं इस समय पुराने निवेश से भी आपको लाभ मिल सकता है।

सिंह राशि -आप लोगों के लिए नवरात्रि लाभप्रद सिद्ध हो सकती हैं। क्योंकि आपकी राशि से 4 राजयोग अष्टम भाव में बन रहे हैं। इसलिए इस समय आपकी सेहत में सुधार आएगा। साथ ही परिवार में जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब है, उनकी सेहत में सुधार आ सकता है। साथ ही रिश्तों में सामंजस्य बढ़ेगा। दान धर्म में रुचि रखेंगे। वहीं इस समय आपको किस्मत का साथ मिलेगा। साथ ही साहस पराक्रम बना रहेगा। वहीं इस समय आपको कारोबार में अच्छी सफलता मिल सकती है। आय के नए माध्यम बन सकते हैं।

कन्या राशि -नवरात्रि का पर्व कन्या राशि के जातकों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है। साथ ही इस समय आप वाहन या प्रापर्टी खरीद सकते हैं। वहीं सुख- साधनों में आपकी वृद्धि हो सकती है। साथ ही करियर कारोबार में सुधार होगा। वहीं मनोबल ऊंचा रहेगा। इस समय आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। साथ ही छात्रों के लिए यह समय शानदार साबित हो सकता है। वो किसी परीक्षा में पास हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि -नव संवत्सर और शक्तिपर्व नवरात्र आप लोगों के अच्छा साबित हो सकता है। इस समय बेरोजगार लोगों को नई नौकरी का प्रस्ताव आ सकता है। साथ ही जो नौकरपेशा लोग हैं उनका प्रमोशन और इंक्रीमेंट हो सकता है। वहीं इस समय आपको संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। साथ ही रुका हुआ धन या आकस्मिक धनलाभ भी हो सकता है। वहीं इस अवधि में आपको कोर्ट- कचहरी के मामलों में भी सफलता मिल सकती है।

चेहरे पर बिखरीं ज़ुल्फ़ें, आंखों की मदहोशी... सुहाना का बेताब कर देने वाला हुस्न है जवां

सुहाना खान हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं. एक्ट्रेस को पता है कि स्टाइल गेम में कैसे महारत हासिल करनी है. सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली शाहरुख खान की लाडली हर ड्रेस में लोगों को इम्प्रेस करती हैं. फिर वो चाहे एथनिक लुक हो या वेस्टर्न आउटफिट. हाल ही में सुहाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें कमाल की खूबसूरत लग रही हैं. सुहाना ने सफेद कॉटन की ड्रेस पहनी है जो इस समर सीज़न के लिए एकदम परफेक्ट नज़र आ रही है. एक्ट्रेस की इन फोटोज़ पर उनकी दोस्त अनन्या और शनाया ने भी प्यार लुटाया है. इससे पहले सुहाना अनन्या पांडे की बहन अलाना पांडी की शादी में भी अपनी मां की स्किविन साड़ी में कहर ढा चुकी हैं.

सुहाना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दो तस्वीरें डालीं और इसे "हाय " के रूप में कैप्शन दिया. सुहाना ने समर वेकेशन के लिए परफेक्ट आउटफिट के तौर पर व्हाइट कॉटन ड्रेस पहनी थी. तस्वीरों में उनका दिलकश अंदाज देखने को मिल रहा है. उनकी दोस्तों शनाया कपूर और अनन्या पांडे ने भी इन तस्वीरों पर प्यार भरे कमेंट्स किए. शनाया ने लिखा "ब्यूटी ," जबकि अनन्या ने कमेंट किया "हेल्लो ." हाल ही में शादी करने वाली अलाना ने लिखा, "वाह ."

'देश से गद्दारी...जल्द होगी गिरफ्तारी', कंगना रनौत ने दिलजीत दोसांझ को खुले आम दी चेतावनी

फिल्म एक्ट्रेस कंगना रनौत ने मशहूर पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ पर एक बार फिर से अपना निशाना साधा है इस बार कंगना ने सिंगर को खालिस्तानियों के मामले में घसीटा है और एक मीम के बहाने दिलजीत दोसांझ का मज़ाक उड़ाया और उन्हें इशारों में गिरफ्तारी की धमकी भी दी. बता दें ने इन दिनों सोशल मीडिया पर चल रहे एक लोकप्रिय एमईएमई ' पोल्स आगई पोल' को यूज करते हुए दिलजीत को चेतावनी दी है. बता दें कंगान और दिलजीत का वॉर सोशल मीडिया पर उस वक्त देखने को मिल था जब किसान आंदोलन चरम पर था. इस दौरान दोनों ने एक दूसरे पर शब्दों के गोले बरसाए थे. ऐसे में एक बार फिर से लगता है ऐसा ही कुछ देखने को मिलने वाला है.

खालिस्तान विवाद में कंगना ने दिलजीत को घसीटा

कंगना ने ट्विटर और इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसे सबसे पहले स्विगी इंडिया ने पोस्ट किया था. इस फोटो में आप कई सारे अलग-अलग तरह की दाल गेख सकते है और इसपर लिखा हुआ है. ऐसे में कंगना ने अपने इंस्टा पर इस फोटो को शेयर करते हुए अपने ट्वीट में दिलजीत को टैग करते हुए लिखा 'बस कह रही हूं' और साथ ही इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक खालिस्तान स्टिकर जोड़ा, जिसमें क्रॉस आउट शब्द था उन्होंने कहा, "दिलजीत दोसांझ जी पोल्स आ गई पोल.'

खालिस्तानियों पर बरसी कंगना

वहीं कंगना ने दूसरा पोस्ट शेयर किया है जिसमें कंगना ने 'खालिस्तानियों का समर्थन करने वाले सभी लोगों को याद है अगला नंबर तुम्हारा है. पोल आ चुकी है, ये वो वक्त नहीं है जब कोई भी कुछ भी करता था. देश के साथ गद्दारी या टुकडे करने की कोशिश अब मेहंगी पड़ेगी. पुलिस यहां है। कोई भी अब और नहीं कर सकता है जो वे चाहते हैं. देश को धोखा देना या इसे नष्ट करना चाहते हैं, आपको बहुत समय लगेगा.' कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ हथकड़ी की इमोजी और एक महिला पुलिसकर्मी की तस्वीर भी शेयर की. बता दें कि दिलजीत और कंगना के बीच पहले भी सोशल मीडिया पर वार पलटवार होते रहे हैं.

2020 से चल रहा है दोनों का झगड़ा

कंगान और दिलजीत का पंगा है पुरानाआपको बता दें कि कंगना ने पहले दिलजीत के साथ 2020 में सोशल मीडिया पर झगड़ा किया था. यह उनके द्वारा पोस्ट किए गए एक ट्वीट का जिक्र करते हुए शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने शाहीन बाग विरोध का चेहरा बिलकिस के रूप में चल रहे किसानों के विरोध में एक बूढ़ी महिला की गलत पहचान की उन्होंने उनके बारे में कंगना की टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया दी. दिलजीत ने इसे सब 'ड्रामा' बताया था. वहीं कंगना ने कहा था, 'मैंने उन्हें खुली चुनौती दी थी कि वह सिर्फ एक बार कहें कि आप खालिस्तानी नहीं हैं, उन्होंने ऐसा नहीं कहा। युवाओं को गुमराह किया गया है, उन्हें खालिस्तान का सपना दिखाया गया है'।

तू झूठी मैं मक्कार का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा ज्विगेटो और 'मिसेज चटर्जी' की हालत खराब

रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' पर्दे पर लगातार धमाल मचा रही हैं. होली के दौरान पर्दे पर आई इस फिल्म ने जमकर पैस कमाए और अभी भी दो बड़ी फिल्मों के पर्दे पर आने के बाद भी इस फिल्म ने पैसे छापने की कमी नहीं छोड़ी है. 'तू झूठी मैं मक्कार' के साथ ही पर्दे पर रानी की 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' और कपिल शर्मी की ज्विगाटो आई थी. हालांकि दोनों ही फिल्मों के आने से 'तू झूठी मैं मक्कार' को खासी नुकसान नहीं हुआ है. वहीं बाकि दोनों फिल्मों का हाल बेहाल नजर आ रहा है. तो चलिए जानते हैं अबतक तीनों फिल्मों ने कितना कारोबार किया है.

तू झूठी मैं मक्कार का जलवा बरकार

'तू झूठी मैं मक्कार' के पहले एक्सटेंडेड वीक की कमाई 92.31 करोड़ रुपये रही थी. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 14वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक रणबीर-श्रद्धा की फिल्म ने 14वें दिन 2.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई अब 114.24 करोड़ रुपये हो गई है. 'प्यार का पंचनामा' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म बना चुके डायरेक्टर लव रंजन ने एक बार फिर 'तू झूठी मैं मक्कार' जैसी फ्रेश रोम कॉम से ऑडियंस का दिल जीत लिया है.

8.38 करोड़ रुपये ही कमा पाई 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे'

आशिमा छिब्बर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' सच्ची घटना पर बेस्ड है. हालांकि फिल्म को सिनेमाघरों में ऑडियंस नहीं मिल रही है. वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने शुक्रवार को 1.27 लाख का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 2.26 लाख की कमाई की और तीसरे दिन 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने 2.89 करोड कमाए और चौथे दिन फिल्म ने 91 लाख का बिजनेस किया. अब फिल्म के पांचवें दिन के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' ने पांचवें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 1.5 करोड़ का कारोबार किया है. इसी के साथ फिल्म की कुल कमाई अब 8.38 करोड़ रुपये हो गई है.

ज्विगाटो की हालत है बेहद खराब

कपिल शर्मा की ज्विगाटो के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन 0.43 करोड़ की कमाई की थी. फिल्म ने वीकेंड पर 1.84 करोड़ की कमाई कर ली थी. वहीं चौथे दिन फिल्म ने केवल 0.25 करोड़ की कमाई की थी, जिसके बाद फिल्म का कुल कलेक्शन 2.09 करोड़ हुई है. बता दें कपिल शर्मा की थियेटर रिलीज तीसरी फिल्म है. बाकी दो फिल्मों की तरह ज्विगाटो भी कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है.

बॉलीवुड निर्देशक राज कुमार संतोषी से मिली भोजपुरी अभिनेत्री स्वीटी छाबड़ा

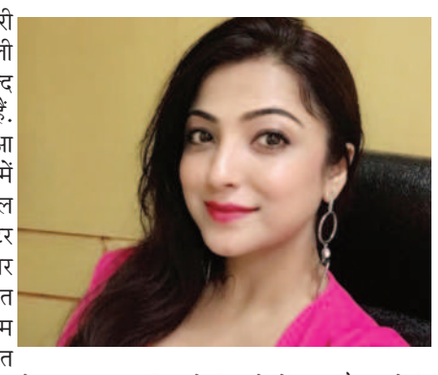

भोजपुरी फिल्मों में अपनी अदाकारी से सबके दिलों पर राज करने वाली खूबसूरत अभिनेत्री स्वीटी छाबड़ा जल्द रुपहले पर्दे पर वापसी कर सकती हैं. स्वीटी छाबड़ा को लेकर खबर सामने आ रही है कि वो जल्द ही हिंदी फिल्मों में काम करते हुए दिखाई देने वाली हैं. हाल ही में उन्होंने सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'घायल' के डायरेक्टर राज कुमार संतोषी से मुलाकात की. इस मुलाकात की तस्वीर उन्होंने अपने इंस्टा ग्राम एकाउंट से भी शेयर की है. इस मुलाकात के बाद से ये कयास लगाए जा रहे हैं कि वे 2 साल बाद फिर से फिल्मों में कम बैक करेंगी.

हालांकि इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. इस बारे में फिलहाल सस्पेंस है. लेकिन कहा ये जा रहा है कि वे राज कुमार संतोषी की किसी हिंदी फिल्म में नजर आ सकती हैं. आपको बता दें कि भोजपुरी में ऐसी कई हीरोइन हैं, जो कई भाषाओं की फिल्मों में काम कर चुकी हैं और बाद में भोजपुरी में आकर अपने अभिनय से सबों के दिलों पर राज करने लगी. साथ कई ऐसी भी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने भोजपुरी के बाद हिंदी और अन्य भाषाओं की फिल्मों का रुख किया है. इसमें कई नाम हैं, जिनमें अब स्वीटी छाबड़ा का भी एक नाम जुड़ सकता है. वैसे हम आपको बता दें कि स्वीटी छाबड़ा हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस अदाओं के लिए सुर्खियों में रही हैं. और आजकल वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर भी खूब ऐक्टिव रहती हैं. वे डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल बखूबी करती हैं. वे सोशल मीडिया फ्रीक हैं. उनकी खुद से जुड़ी कोई ना कोई पोस्ट सामने आती रहती है. उनके फॉलोअर्स को उनका हर लुक काफी पसंद है. फिर वो वेस्टर्न हो या फिर भारतीय परिधान.

सड़क पर बिना कपड़ों के बदहवास मिलीं अमेरिकन एक्ट्रेस अमांडा

इशारा कर गाड़ी रुकवाई, डायल किया 911, बोलीं- मैं सायकायट्रिक एपिसोड से गुजर रही हूं

हाल ही में अमेरिकन एक्ट्रेस अमांडा बायंस लॉस एंजेलिस की सड़कों पर बिना कपड़ों के घूमती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बदहवासी की हालत में अमांडा ने खुद इमरजेंसी नंबर डायल किया और मदद के लिए पुलिस को बुलाया। फिलहाल, अमांडा को इलाज के लिए सायकायट्रिक वॉर्ड में भेजा गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अमांडा ने सड़क पर हाथ दिखाकर गाड़ी रोकी और फिर ड्राइवर से मदद मांगी। उन्होंने ड्राइवर से कहा कि- मैं सायकायट्रिक ऐपिसोड से गुजर रही हूं। मुझे मदद की जरूरत है। उन्होंने ड्राइवर की मदद से खुद 911 को कॉल कर मदद के लिए बुलाया। रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से अमांडा अपनी फैमिली से अलग रह रही हैं। अमांडा के एक्स बॉयफ्रेंड पॉल माइकल ने मीडिया को बताया कि कुछ समय से अमांडा अपनी दवाइयां नहीं ले रही हैं।

इस हादसे की खबर मिलते ही अमांडा के फैन

ने ट्वीट किया- चाइल्ड हुड स्टारडम और ग्लेमर ने अमांडा पर बहुत प्रेशर डाला है। जो उनके साथ हो रहा है, वो उससे बेहतर डीजर्व करती हैं। अमांडा इतनी टैलेंटेड और खूबसूरत हैं, उन्हें इस तरह देखकर मेरा दिल टूट जाता है।

अमांडा ने खुद की मदद की ये बड़ी बात

एक और यूजर ने लिखा- ये बात की अमांडा ने चलती हुई गाड़ी को इशारा कर रोका, उन्हें बताया की वो सायकायट्रिक एपिसोड से गुजर रही हैं और अपनी मदद के लिए खुद 911 को बुलाया, ये बड़ी बात है। मुझे उम्मीद है कि इसके बाद उनके लिए चीजें सुधर जाएंगी। जब वो ठीक हो जाएंगी, तब उन्हें अपनी बहादुरी पर गर्व होगा।

वहीं एक यूजर ने लिखा- उस ड्राइवर की भी तारीफ करनी चाहिए जिसने बीच सड़क में गाड़ी रोककर ऐसी लड़की की मदद की जिसके शरीर पर कपड़े तक नहीं थे। अक्सर लोग ऐसी सिचुएशन का गलत फायेदा उठाते हैं। लेकिन, अमांडा ने ऐसा नहीं किया। मुझे अमांडा के साथ ही उस ड्राइवर पर भी गर्व है।

बाइपोलर डिसऑर्डर से जूझ रही हैं अमांडा

2013 में उनके लिए चीजें तब और बिगड़ गईं जब उन्होंने अपने पड़ोसी की कार पार्किंग में आग लगा दी। इस आग में उनके पड़ोसी का कुता बुरी तरह झुलस गया था। लगभग एक साल पहले कोर्ट ने अमांडा को कंजर्वेशन हाउस से बाहर जाने की परमिशन दी थी। अमांडा ने बाहर जाने के लिए याचिका दायर की थी। 2013 से कंजर्वेशन हाउस में अमांडा अपने पेरेंट्स की कस्टडी में थीं। अमांडा को मेंटल हेल्थ की वजह से कंजर्वेशन हाउस में रखने की सलाह दी गई थी। 1999 से 2002 के बीच 13 साल की उम्र में एक्ट्रेस अमांडा बायंस ने 'द अमांडा शो' के तीन सीजन होस्ट किए। इस कॉमेडी शो से उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान मिली। अमांडा ने 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी, 'हॉल पास', 'रोबोट्स'. 'बिग फैट लायर' जैसी बड़ी फिल्मों में भी काम किया है।

'बुरे सपना जैसा था सलमान का जिंदगी में आना': जब सलमान के खिलाफ खुलकर बोलीं ऐश्वर्या, कहा- शराब की लत और शारीरिक शोषण से थी परेशान

सलमान खान और ऐश्वर्या राय एक समय पर रिलेशनशिप में थे। उनकी ब्रेकअप की कहानी भी किसी से छिपी नहीं है। 2002 में ब्रेकअप के समय ऐश्वर्या ने सलमान पर काफी तीखे आरोप लगाए थे। ऐश्वर्या का कहना था कि सलमान ने उन्हें फिजिकली और मेंटली दोनों रूप से टॉर्चर किया। उन्होंने ये भी कहा था कि वो आने वाले समय में कभी भी सलमान के साथ काम नहीं करेंगी। हालांकि, सलमान ने हमेशा इन बातों को खारिज किया।

2001 में हुआ सलमान-ऐश्वर्या का ब्रेकअप

90 के दशक के अंत में सलमान खान और ऐश्वर्या राय एक दूसरे के नजदीक आए। फिल्म हम दिल दे चुके सनम के सेट पर दोनों के बीच करीबियां बढ़ीं। फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री को काफी पसंद किया गया था। हालांकि, ये रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चला और दोनों ने 2001 में अलग होने का फैसला किया। हालांकि, इनका ब्रेकअप सामान्य नहीं था। ऐसी खबरें आई थीं कि ब्रेकअप के वक्त सलमान और ऐश्वर्या के बीच काफी झगड़ा हुआ था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान के साथ ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। ऐश्वर्या का कहना था कि सलमान ने उनका मानसिक और शारीरिक शोषण किया है। उन्होंने कहा था, 'मेरे परिवार और खुद के स्वाभिमान को देखते हुए ये बहुत हो गया...मैं आने वाले समय में कभी मिस्टर सलमान खान के साथ काम नहीं करूंगी। सलमान का चैप्टर मेरी लाइफ में बुरे सपने जैसा था, और मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि ये सब खत्म हो गया।' ऐश्वर्या ने ये भी कहा कि वो सलमान की हर बुरी आदतों में उनको माफ किया करती थीं। उन्होंने कहा, 'सलमान की शराब की लत, फिजिकल अब्यूज और बेइज्जती से तंग आ गई थीं। इसके बावजूद मैं उनके साथ खड़ी रहीं। बदले में मुझे दुख और पीड़ा ही मिली। इस मामले में मेरी चुप्पी को गलत तरीके से लिया गया। मेरे कैरेक्टर के बारे में उल्टा सीधा बोला गया। यहां तक कि मेरे को-स्टार्स के साथ मेरे रिश्तों को भी खराब करने की कोशिश की गई।'

ऐश्वर्या की वजह से सलमान-शाहरुख में हुई थी लड़ाई!

रिपोर्ट्स की मानें तो ,सलमान की वजह से ऐश्वर्या को शाहरुख की फिल्म 'चलते चलते' से निकाल दिया गया था और उनकी जगह पर रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया। सलमान उस फिल्म के सेट पर पहुंच गए थे और जोर जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया था। खबरें ये भी थीं कि सलमान और शाहरुख में बीच में लड़ाई भी हो गई थी। कुछ रिपोर्ट्स ये भी कहती है कि सलमान एक बार शराब के नशे में ऐश्वर्या के घर चले गए थे और उनका जोर-जोर से दरवाजा पीटा था। सलमान से ब्रेकअप के बाद ऐश्वर्या का नाम विवेक ओबेरॉय से जुड़ा था। इस बात से नाराज होकर सलमान ने विवेक को कॉल कर जान से मारने तक की धमकी दी थी। इस बात का खुलासा खुद विवेक ओबेरॉय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया था। विवेक का कहना था कि सलमान ने एक रात उन्हें कई बार कॉल किया और उनके परिवार वालों को गंदी-गंदी गालियां भी दी थीं। कहा जाता है कि इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद विवेक को फिल्में मिलनी बंद हो गई थीं।

अभिषेक बच्चन के साथ 2007 में हुई शादी

फिल्म गुरु की शूटिंग के दौरान अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के बीच नजदीकियां बढ़ीं। इससे पहले भी दोनों एक दूसरे को जानते थे, लेकिन गुरु की शूटिंग के वक्त दोनों को एक दूसरे को करीब से जानने का मौका मिला। 20 अप्रैल 2007 को अभिषेक-ऐश्वर्या की शादी बच्चन फैमिली के बंगले प्रतीक्षा में हो गई। दोनों की आज एक बेटी 'आराध्या' भी है।

ओटीटी वर्जन में दिखाए गए पठान के डिलीटेड सीन्स:शाहरुख की एंट्री देख फैंस हुए एक्साइटेड

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद अब शाहरुख खान की फिल्म पठान 22 मार्च को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म देखने के बाद फैंस ने बताया कि ओटीटी पर रिलीज हुई पठान में ऐसे कई सीन्स हैं, जिन्हें थिएटर में नहीं दिखाया गया। ऐसे में फैंस ने सोशल मीडिया पर पठान के डिलीटेड सीन्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए और कहा कि इन्हें थिएटर में जरूर दिखाया जाना चाहिए था।

फैंस ने शेयर किया शाहरुख की एंट्री का धमाकेदार सीन

फिल्म का एक सीन है जिसमें पठान को रूसी लोग बड़ी बेरहमी से मारते हैं और उसे टॉर्चर करते हैं, जिसे ओटीटी पर बढ़ाकर दिखाया गया है। दूसरे सीन में सलमान शाहरुख को बचाते हैं, जिसके बाद पठान की रॉ के ऑफिस में दोबारा दमदार एंट्री होती है। तीसरा सीन जिसमें भारतीय सेना रुबाई(दीपिका) से जिम के बारे में पूछताछ करती है। मेकर्स ने इन सीन्स को थिएटर वर्जन से हटा दिया था, लेकिन ओटीटी में इन्हें रखा गया है।

फिल्म को ओटीटी पर देखने के बाद यूजर्स सोशल मीडिया पर जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने ट्वीट में लिखा- ' फिल्म से इस सीन को डिलीट नहीं किया जाना चाहिए था।' दूसरे यूजर ने लिखा- 'ये सीन थिएटर में आग लगा देता।'ये सीन फिल्म में जरूर होना चाहिए थे, फिल्म का मजा दोगुना हो जाता।'

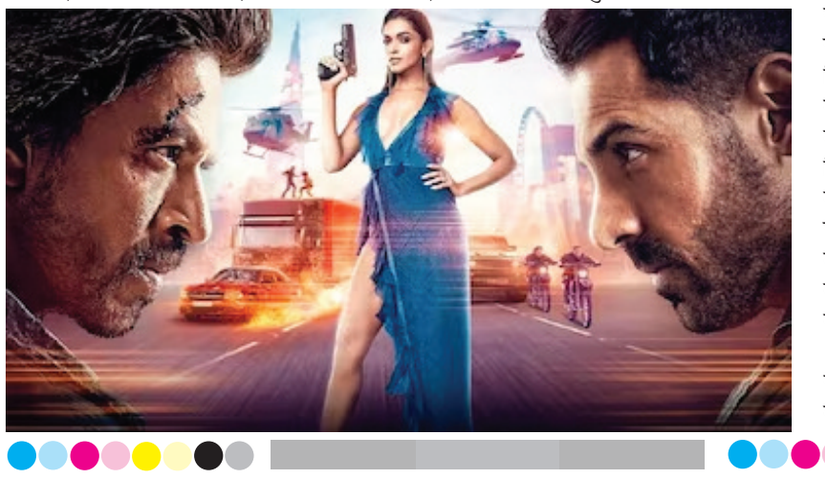

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन रवि तेजा की फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' के साथ पैन इंडिया डेब्यू करने जा रही हैं। ये तेलुगु इंडस्ट्री में भी उनकी पहली फिल्म होगी। हाल ही में दिए इंटरव्यू में नुपूर सेनन ने रवि तेजा की तारीफ की। बॉलीवुड लाइफ से बात करते हुए नुपूर बोलीं- अब तक जिन भी लोगों से मैं मिली हूं, रवि उनमें से सबसे ज्यादा विनम्र हैं। मैं जब भी सेट पर जाती हूं, मुझे वो दुनिया देखकर बहुत अच्छा लगता है जो रवि ने सेट पर क्रिएट की है। ये बहुत ही बढ़िया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ जाएंगे।

रवि तेजा की हिंदी बढ़िया है। नूपुर ने कहा- रवि कई बॉलीवुड एक्टर्स से भी बेहतर हिंदी बोल लेते हैं। वो मेरी काफी मदद करते हैं। रवि बिलकुल डाउन टू एअर्थ रहते हैं। मेरे पास तेलुगु में डायलॉग आते थे। जितना हो सका उन्होंने मेरे लिए इसे इतना आसान बनाया। मैं तो ये कहूंगी कि दुनिया में सेल्फिश एक्टर्स की कोई कमी नहीं है लेकिन, रवि एक एक्सेप्शन हैं। उन्होंने मेरे लिए इस फिल्म को काफी आसान कर दिया।

'टाइगर नागेश्वर राव' एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। ये 1970 में सेट एक्शन थ्रिलर है। वामसी इस फिल्म के डायरेक्टर हैं। इस फिल्म में जीवी प्रकाश का म्यूजिकल स्कोर है। 'द कश्मीर फाइल्स' के प्रोड्यूसर अभिषेक अग्रवाल ही इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। रवि तेजा की 'धमाका', 'क्रैक' और 'खिलाड़ी' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं।

आम ताकत दे, वात-पित्त दोष दूर करे : खाना तेज पचाए, आंखों की रोशनी बढ़ाए

आम भारत का राष्ट्रीय फल यूं ही नहीं है। लाजवाब स्वाद के साथ ही आम की गुठली, पत्तियां और छाल भी गुणों से भरपूर है।

डाइट में आम को शामिल कर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में विटामिन-C काफी मदद करता है और आम विटामिन-C से भरपूर है।

एक अध्ययन के अनुसार, विटामिन-C एलर्जी की समस्या को कम करता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

पेट के लिए फायदेमंद, कब्ज में आराम के लिए खाएं

आम में लैक्सेटिव गुण पाया जाता है। इस गुण की वजह से आम पेट साफ करता है। यह फाइबर से भी भरपूर होता है, इसलिए आम खाने से पाचन तंत्र बेहतर होता है। अगर आपको कब्ज की परेशानी रहती है तो आम जरूर खाएं, इससे आपको फायदा मिलेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

आम में विटामिन A पाया जाता है जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। आंख के दो प्रमुख कैरोटेनॉइड होते हैं – ल्यूटिन और जियाजैंथिन। आम में जियाजैंथिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अगर आपकी आंखों की रोशनी उम्र के साथ कुछ धुंधली हो गई है तो आम के सेवन से आपको फायदा हो सकता है। आम में मौजूद क्रिप्टोजैन्थिन दृष्टि दोष दूर करने में मददगार है।

हाई ब्लड शुगर में आम की पत्तियां फायदेमंद

हाई ब्लड शुगर में आम की पत्तियां गुणकारी हैं। दरअसल, आम की पत्तियों में एंथोसायनिडिन नाम का टैनिन होता है जो शुरूआती डायबिटीज के इलाज में मदद कर सकता है। इसमें 3 बीटा टारेक्सॉल और एथिल एसीटेट भी होते हैं, जो हाइपरग्लेसेमिया के इलाज में मदद करते हैं। एक कप पानी में 10-15 आम के पत्तों को उबाल लें और इस पानी को रात भर के लिए ठंडा होने के लिए छोड़ दें और सुबह खाली पेट इसे पी लें।

वेट लॉस में हेल्पफुल

आम के पत्ते शरीर में जमे वसा के स्तर को कम करके मोटापा कम करने में मदद करते हैं। आम की पत्तियों को चबाकर खाने से मेटाबोलिज्म तेज होता है, इससे वजन भी कम होता है।आप आम के पत्ते के पाउडर या अर्क बनाकर गुनगुने पानी के साथ इसे सुबह-शाम भी ले सकते हैं। ये वेट लॉस में मदद करेगा।

एक्ने और झुर्रियां करे दूर

आम के पत्तों में एंटीबैक्टीरियल गुण होता है जो कि एक्ने की समस्या को दूर कर सकता है। इसके अलावा आम के पत्ते का अर्क महीन रेखाओं, उम्र बढ़ने के संकेतों और त्वचा के रूखेपन को कम कर सकता है।

यह कोलेजन उत्पादन में भी मदद करता है जो चेहरे से झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम कर सकता है। साथ ही आम के पत्तों में मौजूद एंथोसायनिन जलन से तुरंत राहत देता है। इसके लिए आप आम की पत्तियों को खा भी सकते हैं और लगा भी सकते हैं।

आम की छाल में भी हैं गुण कई

आम की छाल को घिसकर इसमें पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट को फोड़े-फुंसियों पर लगाएं। इससे कुछ ही दिन में फुंसियां गायब हो जाएंगी। आम की छाल में विटामिन C,एस्कॉर्बिक एसिड होता है, जो फोड़ों के असर को कम करता है। आम की छाल का अर्क गले की खराश की समस्या को ठीक करने में भी कारगर होता है।

इसके लिए आप आम की छाल के अर्क के रस से गरारे करें और फिर थूक दें। इस प्रक्रिया को दिन में 2-3 बार दोहरा सकते हैं। अर्क को निगलें नहीं। आम की छाल में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर होते हैं।इसके उपयोग से सूजन में आराम मिलता है। यह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के खिलाफ भी बहुत प्रभावी है। आम की छाल के उपयोग से हाथ, पैरों की सूजन को भी कम किया जा सकता है। शरीर के किसी भी हिस्से में सूजन होने पर पहले डॉक्टर की राय जरूर लें।

स्कर्वी के इलाज में कारगर

विटामिन सी से भरपूर आम की गुठली का पाउडर स्कर्वी रोगियों के लिए फायदेमंद है। एक भाग आम की गिरी के पाउडर में दो भाग गुड़ और चूना मिलाकर उसका सेवन करें। आप आमतौर पर विटामिन सी की अपनी दैनिक खुराक को पूरा करने के लिए इसका सेवन भी कर सकते हैं।

सहजन की फली, फूल और छाल गुणों से भरपूर

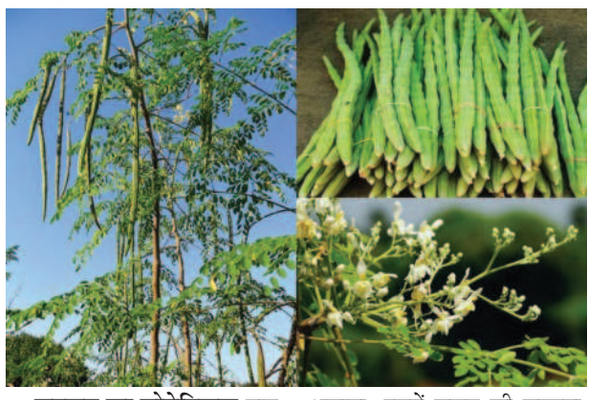

बढ़ती उम्र का असर करे कम, साइटिका, गठिया, लिवर के लिए फायदेमंद, यौन क्षमता बढ़ाए

सहजन का बोटेनिकल नाम मोरिंगा ओलिफेरा है। इसे मोरिंगा और ड्रमस्टिक भी कहते हैं। ड्रमस्टिक की सबसे ज्यादा पैदावार भारत में होती है। आयुर्वेद में फली वाली इस सब्जी को अमृत के समान गुणकारी बताया गया है।

यौन क्षमता बढ़ाता है सहजन का फूल

सहजन के फूल में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीहेलिमिंटिक यानी कि कीट नाशक, हेपटोप्रोटेक्टिव (लिवर को सुरक्षित रखने वाला) और एंटीबायोटिक जैसे गुण मौजूद होते हैं। इसके अलावा, इसमें सूजन की समस्या को कम करने, कोलेस्ट्रॉल कम करने, यौन क्षमता को बेहतर करने और मांसपेशियों की समस्या से बचाव करने वाले गुण भी हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर

एक अध्ययन के अनुसार इसकी पत्तियों में संतरे से 7 गुना अधिक विटामिन, दूध से 3 गुना अधिक कैल्शियम, अंडे से 36 गुना अधिक मैग्नीशियम है। वहीं,पालक से 24 गुना अधिक आयरन, केले से 3 गुना अधिक पोटेशियम मिलता है। इसका प्रयोग सब्जी और अचार बनाने में होता है।

बढ़ती उम्र के असर को करे कम

डाइट में सहजन को या इसकी पत्तियों को शामिल कर सकते हैं। इसका सेवन आपके चेहरे पर बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं इसके बीज भी कम उम्र में त्वचा पर एजिंग के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

पेट दर्द और अल्सर में फायदेमंद

सहजन या सहजन की पत्तियों का सेवन कई पेट संबंधी समस्याओं जैसे – पेट दर्द और अल्सर से बचाव कर सकते हैं। इसमें एंटी-अल्सर गुण मौजूद होते हैं, जिस कारण इसके सेवन से अल्सर के जोखिम से बचाव हो सकता है। वहीं, ऊपर हमने पहले ही आपको जानकारी दी है कि यह लिवर की समस्याओं से भी राहत दिला सकता है । इतना ही नहीं इसकी छाल भी पेट के लिए उपयोगी है, यह पाचन क्रिया में सुधार करने में मदद कर सकती है।

तनाव कम करे सहजन का फूल

सहजन के फूल का उपयोग लाभकारी हो सकता है। दरअसल, सहजन के फूल में एंटीऑक्सिडेंट गुण मौजूद होते हैं। यह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस के जोखिम को कम कर त्वचा को स्वस्थ रख सकता है। हालांकि, इस विषय में सीधे तौर पर अभी शोध की आवश्यकता है।

साइटिका, गठिया, लिवर में फायदेमंद सहजन की छाल

सहजन की छाल का सेवन साइटिका, गठिया, लिवर में लाभकारी होता है। सहजन की छाल में शहद मिलाकर पीने से वात और कफ रोग खत्म हो जाते हैं। इसकी पत्ती का काढ़ा बनाकर पीने से गठिया, साइटिका, पक्षाघात, वायु विकार में लाभ पहुंचता है। सहजन की जड़ से बना काढ़ा साइटिका के तेज दर्द में राहत पहुंचाता है। मोच आने पर सहजन की पत्ती को पीसकर इसमें सरसों का तेल डालकर आंच पर पकाएं और जहां मोच लगी है वहां लगाएं, इस नुस्खे से आपको जल्दी राहत मिलेगी।

मूली नहीं मामूली इसके पत्ते भी फायदेमंद

मूली ही नहीं इसके पत्ते भी फायदेमंद हैं। मूली के पत्तों में आयरन और फास्फोरस जैसे मिनरल्स होते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर सकते हैं। मूली पेट के लिए अच्छी है यह शरीर के विषैले तत्वों को निकालने में मदद करती है।

चरक संहिता में कच्ची मूली को माना गया है त्रिदोष नाशक

आयुर्वेदिक ग्रंथ 'चरकसंहिता' के 'हरितवर्ग' अध्याय में मूली (संस्कृत नाम मूलकं) के गुण-दोष बताए गए हैं। ग्रंथ के अनुसार, कच्ची मूली त्रिदोष (वात-पित्त-कफ) नाशक है, जबकि पकी हुई मूली त्रिदोषकारक मानी गई है। मूली के पत्तों को काटकर अगर घी या तेल में पकाकर सब्जी बनाएं तो यह वायु दोष को खत्म करती है। यूएसडीए ने तो मूली को बेहतरीन लो-केलोरी स्नैक घोषित किया है।

मूली में मौजूद पोषक तत्व

भारतीय वनस्पति विज्ञानियों के अनुसार, 100 ग्राम मूली में नमी 94 ग्राम, कैलोरी मात्र 17, प्रोटीन 0.7 ग्राम, फैट 0.1 ग्राम, मिनल्स 0.6, फाइबर 0.8, कार्बोहाइड्रेट 3.4 ग्राम होता है। इसके अलावा, इसमें कैल्शियम, ऑक्सेलिक व

नाइकोटिन एसिड, आयरन, सोडियम, विटामिन A और विटामिन C भी पाया जाता है।

शरीर में जमा गंदगी को निकालती है मूली, कब्ज, बवासीर और शुगर में फायदेमंद

मूली एक जड़ वाली सब्जी है। लेकिन यह कई गुणों की खदान है। पीलिया रोग में मूली का सेवन फायदेमंद है। यह खून और शरीर को अन्दर से साफ करती है। अगर आपको कब्ज और बवासीर की समस्या रहती है तो मूली को रोज सलाद में लें। लिवर के लिए भी मूली फायदेमंद है। इसे शुगर रोगियों के लिए लाभकारी माना जाता है, क्योंकि मूली में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसका अर्थ है कि इसे खाने से ब्लड शुगर के स्तर पर कोई असर नहीं पड़ता। ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसे श्वसन विकारों में भी मूली लाभकारी मानी जाती है।

गुर्दे की पथरी, ब्रोंकाइटिस और अस्थमा में फायदेमंद

आयुर्वेद में मूली को गुर्दे की पथरी दूर करने वाला माना गया है। अगर सूंघने की शक्ति कम हो रही है तो मूली उसमें सुधार करती है। इसका सेवन यूरिन की जलन को भी कम करता है। ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी सांस संबंधी बीमारियों में भी मूली लाभकारी है।

ल्यूकोडर्मा, ऑस्टियोअर्थराइटिस, हाई ब्लड प्रेशर है तो मूली खाएं

ल्यूकोडर्मा एक स्किन प्रॉब्लम है जिसमें त्वचा पर सफेद धब्बे हो जाते हैं और त्वचा अपनी प्राकृतिक रंगत खो देती है। इसे विटिलिगो भी कहते हैं। अगर आपको यह समस्या है तो मूली के बीज के पाउडर को विनेगर के साथ लगाएं, इस घरेलू नुस्खे से सफेद दाग धीरे-धीरे कम होते हैं। लेकिन जरूरी नहीं है कि यह नुस्खा हर किसी के लिए काम करे। अलग-अलग लोगों पर इसका असर अलग-अलग हो सकता है।

गठिया का ही एक प्रकार है ऑस्टियोअर्थराइटिस, इसमें कूल्हे, घुटने, गर्दन और पीठ के निचले हिस्से या हाथों के जोड़ों में दर्द होता है। इससे निजात पाने के लिए मूली का सेवन करें। मूली में विटामिन-K होता है, जो कार्टिलेज (मुलायम टिशू जो टखनों, कोहनी व घुटनों समेत शरीर के कई हिस्सों में पाया जाता है) और मेटाबॉलिज्म के लिए लाभदायक हो सकता है। यह कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देता है । मूली कैल्शियम और पोटैशियम जैसे खनिजों से भरपूर होती है और ये पोषक तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं।

मूली के पत्तों में भी हैं कई गुण

मूली के पत्तों में मौजूद फाइबर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल फंक्शन को बेहतर करने में भी मदद कर सकता है। बता दें कि पाचन क्रिया भी इसी का एक हिस्सा है। मूली के पत्ते फाइबर से भरपूर होते हैं, इसलिए इसकी सब्जी खाने से पाचन बेहतर रहता है। मूली के पत्तों में हेपेटोप्रोटेक्टिव गुण होता है इसलिए ये लिवर के लिए भी गुणकारी हैं। पीलिया के लिए एक दिन में मूली के पत्ते का आधा लीटर जूस पीने की सलाह दी जाती है।

मोबाइल से अच्छे वीडियो बनाने में काम आएंगी ये एक्सेसरीज

पिछले 12-15 सालों में मोबाइल फोटोग्राफी बहुत बदल गई है। साल 2007 में आईफोन का अवतरण होने से पहले ज्यादातर फोन में कैमरा 5 मेगापिक्सल तक होता था और उससे ली गई फोटो की क्वालिटी आज के फोन कैमरे की फोटो क्वालिटी के मुकाबले काफी दोयम दर्जे की हुआ करती थी। आजकल के लेटेस्ट फोन के कैमरे से जबरदस्त फोटोग्राफी की जा सकती है। और ना सिर्फ फोटोग्राफी, बल्कि अब तो फोन के कैमरे से विशाल भारद्वाज, रिडले स्कॉट जैसे मशहूर फिल्म मैकर्स फिल्में शूट करना भी पसंद कर रहे हैं। अब ऐसे में अगर आप अपने अंदर के फोटोग्राफर या फिल्म मैकर को उभारना चाहते हैं तो मोबाइल फोन से शुरुआत कीजिए। लेकिन सिर्फ मोबाइल फोन काफी नहीं होगा। आपको अच्छे फोटोज/वीडियो शूट करने के लिए कुछ एक्सेसरीज की भी जरूरत पड़ेगी।

1. एक्सटर्नल माइक्रोफोन

अगर फोन से वीडियो शूट करने हैं तो एक बात समझ लेना जरूरी है कि एक अच्छे वीडियो में वीडियो पार्ट के साथ-साथ अच्छा और साफ ऑडियो होना भी जरूरी होता है। कोई वीडियो कितना ही अच्छे से शूट क्यों ना हुआ हो, अगर उसमें आवाज साफ नहीं है, खरखराहट है या बहुत ज्यादा शोर है, वो वीडियो देखना कोई भी पसंद नहीं करेगा। इसीलिए फोन से वीडियो शूट करते वक्त अपने साथ एक्सटर्नल माइक लेकर अवश्य चलें। एक्सटर्नल माइक ऐसा चुनें, जिसमें ऑडियो सेटिंग्स बदली जा सकें।

2. रिमोट शटर

मोबाइल फोन से आराम से फोटोग्राफी करनी है तो ब्लूटूथ रिमोट शटर रिलीज होना चाहिए। इस एक्सेसरी की मदद से आप दूर बैठे ब्लूटूथ की मदद से मोबाइल फोन कैमरे को चला सकते हैं। फोन को छूने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। सेल्फ पोर्ट्रेट्स या व्लॉगर्स के लिए ये बड़े काम की एक्सेसरी होती है।

3. एक्सटर्नल फ्लैश

मोबाइल फोन के कैमरे की सबसे बड़ी कमी आज भी कम प्रकाश में अच्छी फोटो खींच पाना ही है। ऐसे में एक्सटर्नल फ्लैश का इस्तेमाल करना हमेशा बढ़िया नतीजा देगा। फोन में दिया गया इन-बिल्ट फ्लैश उतना ताकतवर नहीं होता, जितना एक्सटर्नल फ्लैश होता है। इसकी मदद से कम प्रकाश में भी बढ़िया फोटो/वीडियो लिए जा सकते हैं। बाजार में मोबाइल फोन के साथ अटैच होने वाले कई पोर्टेबल एक्सटर्नल फ्लैश मिलते हैं।

4. ट्राईपॉड/गोरिल्ला-पॉड

मोबाइल फोन से फोटो/वीडियो बनाते वक्त सबसे ज्यादा दिक्कत स्टैबल शॉट्स लेने में आती है। आजकल के महंगे कैमरा फोन में तो ऑप्टिकल इमेज स्टैबलाइजेशन फीचर होता है, जिससे हाथ हिलने या हल्के मूवमेंट से फोटो ब्लर नहीं होता, लेकिन अगर आपके फोन में ये फीचर नहीं है तो फोटो ब्लर आने की संभावना रहेगी। वैसे भी मोबाइल फोटोग्राफी अच्छे से करने के लिए आपके पास ट्राईपॉड और गोरिल्ला पॉड होने चाहिए। ट्राईपॉड पर फोन लगाकर आप मूवमेंट वाले वीडियो भी बगैर शैकी मूवमेंट्स के ले सकेंगे। गोरिल्ला पॉड, ट्राईपॉड का ही एक प्रकार होता है। बस इसके पैर फ्लेक्सिबल होते हैं, जिनको अपने मन मुताबिक मोड़ा-मरोड़ा जा सकता है। इसे आप कार के शीशे पर अटका सकते हैं, पेड़ की डाल से टांग सकते हैं। दुनिया भर के प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स यूनिक कैमरा एंगल बनाने में गोरिल्ला पॉड की मदद लेते हैं।

5. गिम्बल

गिम्बल एक ऐसा काम का गैलेट है, जिसकी मदद से आप शानदार फोटो और वीडियो क्लिक कर सकते हैं और वो भी एकदम सिनेमैटिक स्टाइल में। इससे शूट के दौरान हिलती-डुलती वीडियो नहीं आती और इसके साथ आए स्टैंड को आप ट्राईपॉड की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

6. लेंस अटैचमेंट्स

अपनी मोबाइल फोटोग्राफी को बेहतर बनाने का एक तरीका लेंस अटैचमेंट्स का इस्तेमाल करना भी है। जैसे किसी प्रोफेशनल DSLR कैमरे में फोटोग्राफर लेंस बदल सकता है, ठीक इसी तरह मोबाइल फोन के लिए आने वाले लेंस अटैचमेंट्स का इस्तेमाल करके फोन की ज़ूम कैपेबिलिटी और फोकल लेंथ को एडजस्ट किया जा सकता है। साथ ही Fisheye, Macro जैसे विशेष लेंस भी मोबाइल कैमरे के साथ अटैच किए जा सकते हैं। आजकल कई फोन केस-इन-बिल्ट लेंस के साथ आते हैं।

7. पॉवर बैंक

कोई भी मोबाइल फोन हो, उसका कैमरा जब ऑन होता है तो बैटरी किसी और फंक्शन के मुकाबले ज्यादा खर्च होती है। ऐसे में फोन से फोटोग्राफी करते वक्त पॉवर बैंक का साथ होना बहुत जरूरी है। एक ऐसी मोबाइल एक्सेसरी पॉवर बैंक ले, जो फोन को लंबे वक्त तक बार-बार फुल चार्ज कर सके।

दिलकश नजारों से भरा रोमांचक सफर दारमा वैली

उत्तराखंड को चारधाम यात्रा के लिए ज्यादा जाना जाता है, लेकिन इसके दूसरे सिरे पर एक ऐसा क्षेत्र स्थित है, जो ऐतिहासिक व सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। यह क्षेत्र पिथौरागढ़ जिले में स्थित है और नेपाल व तिब्बत से लगा हुआ है। वैसे तो इस क्षेत्र में कई घाटियां हैं, लेकिन दारमा घाटी या दारमा वैली पर्यटन के मानचित्र पर अपना स्थान तेजी से बना रही है।

दिल्ली से करीब 500 किमी दूर है पिथौरागढ़ और इससे भी 100 किमी आगे है धारचूला। वैसे तो धारचूला हिमालय के पर्वतों में बहुत भीतर स्थित है और तिब्बत के काफी नजदीक भी है, लेकिन समुद्र तल से इसकी ऊंचाई महज 900 मीटर है, इसलिए यह गर्म स्थान है। गर्मियों में यहां पंखे व एसी की आवश्यकता पड़ती है। धारचूला काली नदी के किनारे बसा है। काली के दूसरी तरफ नेपाल है और वहां दार्चूला नामक कस्बा है। भारत व नेपाल दोनों को जोड़ने के लिए एक झूला पुल भी बना हुआ है।

धारचूला से ही कैलाश मानसरोवर व आदि कैलाश का रास्ता जाता है। परमिट आदि की औपचारिकताएं धारचूला में ही पूरी करनी होती हैं। कुछ समय पहले तक दारमा वैली जाने का भी परमिट लगता था, जो अब हटा लिया गया है। अब कोई भी पर्यटक बिना किसी रोक-टोक के दारमा वैली जा सकता है।

धारचूला से 18 किमी आगे तवाघाट है। यहां से एक रास्ता कैलाश मानसरोवर की ओर चला जाता है और एक रास्ता दारमा वैली में जाता है। तवाघाट में ही दारमा नदी व काली नदी का संगम है।

तवाघाट से 50 किमी दूर दुगतू नामक गांव स्थित है, जो दारमा घाटी का प्रमुख गांव है। इस गांव की ऊंचाई समुद्र तल से 3100 मीटर है, इसलिए गर्मियों में भी काफी ठंडा मौसम रहता है। सर्दियों में यहां खूब बर्फ पड़ती है। जनजीवन मुश्किल हो जाता है, इसलिए सर्दियों में इस गांव के निवासी निचले इलाकों में चले जाते हैं। मार्च में बर्फ पिघलने के बाद सभी लोग वापस अपने गांव में आते हैं। घरों की मरम्मत करते हैं, खेतों में काम करते हैं, पशुपालन व भेड़पालन करते हैं और जंगलों में भी जाते हैं।

पंचचूली बेसकैंप ट्रैक:

दारमा घाटी का सबसे बड़ा आकर्षण है पंचचूली बेसकैंप का ट्रैक। दुगतू गांव से पंचचूली बेसकैंप की दूरी लगभग 5 किमी है और यह पूरा रास्ता अत्यधिक शानदार नजारों से भरा हुआ है। आरंभ में रास्ता भोजपत्र के जंगलों से होकर गुजरता है। फिर जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती जाती है, जंगल समाप्त होते जाते हैं और इनका स्थान घास के मैदान अर्थात बुग्याल ले लेते हैं। बुग्यालों में अनगिनत तरह के फूल खिले होते हैं और इनके पार पंचचूली की बर्फीली चोटियां दिखाई देती हैं।

बेसकैंप लगभग 3800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां से पंचचूली चोटियों से उतरता हुआ

ग्लेशियर बड़ा महमोहक लगता है। आप चाहें तो यहां अपना टैंट लगाकर रात भी रुक सकते हैं। टैंट या तो अपने साथ लाना होगा, अन्यथा दुगतू में भी किराये पर मिल जाएगा।

यदि आप ट्रैकिंग के शौकीन हैं, तो पंचचूली बेसकैंप के अलावा भी दारमा वैली में आपके लिए बहुत कुछ है। आप 4,350 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बिदांग (वेदांग) झील तक जा सकते हैं। आप 5,500 मीटर ऊंचे सिनला दर्रे को पार करके आदि कैलाश भी जा सकते हैं।

कहां ठहरें?

दुगतू में कोई होटल नहीं है, लेकिन कुछ होमस्टे हैं। ये होमस्टे एकदम बेसिक होते हैं। आप लोगों के घरों में भी ठहर सकते हैं और टैंट भी लगा सकते हैं। कैंपिंग की सारी व्यवस्था आपको दुगतू में आसानी से मिल जाएगी। अच्छे होटल 70 किमी दूर धारचूला में मिलेंगे।

कैसे पहुंचें?

नजदीकी एयरपोर्ट पंतनगर (400 किमी) है। नजदीकी रेलवे स्टेशन टनकपुर (300 किमी) व काठगोदाम (340 किमी) हैं। टनकपुर व काठगोदाम दोनों ही स्थानों से पिथौरागढ़ व धारचूला के लिए बसें व शेयर्ड टैक्सियां मिल जाती हैं।

धारचूला से दुगतू के लिए केवल शेयर्ड टैक्सी मिलेंगी। आप काठगोदाम, टनकपुर, पिथौरागढ़ व धारचूला से अपनी निजी टैक्सी भी ले सकते हैं।

आरबीआई का बैंकों को निर्देश

सालाना क्लोजिंग के लिए 31 मार्च तक खुली रखें शाखाएं

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2022-23 अपने अंतिम चरण में आ गया है और केवल 9 दिन बाद ये वित्त वर्ष हमें अलविदा कह देगा। सरकारी विभागो, मंत्रालयों सहित देश के अधिकांश दफ्तरों, संस्थानों आदि में सालाना क्लोजिंग की तैयारियों को फाइनल रूप दिया जा रहा है। बैंकों के लिए वित्त वर्ष की समाप्ति साल के सबसे बड़े इवेंट में से एक होती है। इस साल भी देश के सरकारी, गैर सरकारी, निजी और को-ऑपरेटिव बैंक जैसे बैंकिग संस्थानों में जोरशोर से कामकाज चल रहा है। अब इसी कड़ी में देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई की ओर से बड़ी खबर आई है। वित्तवर्ष 2022-23 के लिए 31 मार्च के लिए निर्धारित खातों की वार्षिक

समाप्ति (सालाना क्लोजिंग) के साथ, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सभी बैंकों को बड़ा निर्देश दिया है। आरबीआई ने कहा है कि वे अपनी शाखाओं को उपर्युक्त तिथि तक काम के घंटों तक खुला रखें। मंगलवार को सभी एजेंसी बैंकों को लिखे पत्र में आरबीआई ने कहा कि 2022-23 के लिए एजेंसी बैंकों द्वारा किए गए सभी सरकारी लेनदेन का हिसाब उसी वित्तवर्ष के भीतर होना चाहिए। केंद्रीय बैंक के पत्र में कहा गया है, सभी एजेंसी बैंकों को 31 मार्च, 2023 को सामान्य कामकाजी घंटों तक सरकारी लेनदेन से संबंधित काउंटर लेनदेन के लिए अपनी नामित शाखाओं को खुला रखना चाहिए। इसने आगे कहा कि नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) सिस्टम के माध्यम से लेनदेन 31 मार्च, 2023 की रात 12 बजे तक जारी रहेगा। साथ ही, 31 मार्च को सरकारी चेकों के संग्रह के लिए विशेष समाशोधन आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए आरबीआई का भुगतान और निपटान प्रणाली विभाग (डीपीएसएस) आवश्यक निर्देश जारी करेगा।

आरबीआई ने अपने निर्देश में कहा है, जीएसटी या टीआईएन 2.0 ई-रिसिप्ट्स लगेज फाइल अपलोड करने सहित केंद्र और राज्य सरकार के लेनदेन की जानकारी आरबीआई को देने के संबंध में 31 मार्च की रिपोर्टिंग विंडो 1 अप्रैल को दोपहर 12 बजे तक खुली रखी जाएगी।

ग्लोबल एयरलाइन बनाने की योजना आसान नहीं

इन दिक्कतों से जूझना पड़ेगा 'महाराजा' को

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। टाटा समूह के एयर इंडिया अधिग्रहण के साथ ही कंपनी अपने खुद को ग्लोबल मार्केट का प्लेयर बनाने पर काम कर रहा है। एविएशन दुनिया की सबसे बड़ी 470 एयरक्राफ्ट की डील करने के बाद कंपनी अलग-अलग देशों के रूट्स पर विस्तार के एक्शन प्लान जोर दे रही है। मगर ग्लोबल मार्केट में बड़ा खिलाड़ी बनने की राह एयर इंडिया के लिए आसान नहीं होगी। कंपनी को कई परेशानियों से जूझना पड़ेगा। बोइंग और एयरबस को बड़े पैमाने पर एयरक्राफ्ट्स का आर्डर देने के बाद एयर इंडिया से कई विदेशी विमानन कंपनियों ने एयर इंडिया से कई महत्वपूर्ण मांगे रखी। इसमें कई देशों में एयर इंडिया की फ्लाइट्स की संख्या में इजाफे की मांग रखी गई है।

कई रूट्स पर बढ़ानी होगी फ्लाइट्स की संख्या

गौरतलब है कि नई दिल्ली एविएशन कॉन्फ्रेंस में सेक्टर से

जुड़े लोगों ने यह मांग की है कि एयर इंडिया को सभी रूट्स पर और ज्यादा फ्लाइट्स का संचालन करना होगा। भारत से कई देशों के लिए आने और जाने वाली रूट्स पर ज्यादा यात्रियों की संख्या की अनुमति एविएशन सेक्टर से जुड़े लोगों ने रखी है। ध्यान देने वाली बात ये है कि यात्रियों की संख्या तब की निर्धारित की गई है जब एयर इंडिया को भारी नुकसान हो रहा था। मगर परिस्थितियां बदलने के साथ ही अब इन सभी रूट्स पर यात्रियों और फ्लाइट्स संख्या में बढ़ोतरी की मांग की जा रही है।

भारत में बढ़ रही मांग

लाइव मिंट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक दुबई के अमीरात, टर्किश एयरलाइंस और कुवैत के जज़ीरा एयरवेज ने अपने देशों से भारत के बीच एयरलाइंस की संख्या में इजाफे की मांग की है। इन कंपनियों का कहना है कि दोनों देशों के बीच यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है मगर उस तुलना में फ्लाइट्स की बढ़ोतरी नहीं की गई है। ऐसे में देश में एयर ट्रैफिक राइट्स में बढ़ोतरी की मांग की गई है। इसकी तरह की मांग वियतनाम और इंडोनेशिया ने भी ऐसी ही मांग की है।

दुबई के लिए हर हफ्ते 50,000 सीटों का हो इजाफा

टर्किश एयरलाइंस के मुख्य कार्यकारी बिलाल एकसी ने कहा कि हमें भारत की एविएशन इंडस्ट्री में उम्मीद से बेहद कम हिस्सा मिल रहा है। ऐसे में भारत और तुर्किये के बीच विमानों की संख्या में बढ़ोतरी की जानी चाहिए। वहीं दुबई ने सीएपीए बैठक में हर हफ्ते भारत और दुबई के बीच 50,000 अधिक सीटों की मांग की है। रायटर्स को दिए गए एक इंटरव्यू में भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि फिलहाल इन मांगों पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा कोई फैसला नहीं लिया गया है। सरकार फिलहाल एयरलाइन कंपनियों को ज्यादा ज्यादा एयरलाइंस ऑर्डर करने की सलाह दे रही है जिससे वह यात्रियों की मांग को पूरा कर सकें। ध्यान देने वाली बात ये है कि 1।3 अरब के देश में विदेश जाने के लिए ज्यादातर लोग विदेशी एयरलाइंस पर निर्भर हैं। ऐसे में एयर इंडिया अपने एयरक्राफ्ट की संख्या में बढ़ोतरी करके इंटरनेशनल मार्केट में अपनी हिस्सेदार बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

एम3एम हुरुन ने रिपोर्ट में कहा

गौतम अडानी को 2022-23 में हर हफ्ते हुआ 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडानी समूह के स्टॉक्स में हेराफेरी और अकाउंटिंग फ्रॉड का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट जारी किया था। रिसर्च रिपोर्ट में समूह पर भारी भरकम बकाये कर्ज का मसला भी उठाया गया था जिसके बाद अडानी समूह के शेयर बाजार में लिस्टेड स्टॉक्स में पतझड़ के समान गिरावट देखने को मिली। एम3एम हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि अडानी समूह के खिलाफ रिसर्च कोच रिपोर्ट जारी होने के बाद वित्त वर्ष 2022-23 में हर हफ्ते अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी को 3,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। एम3एम हुरून रिपोर्ट के मुताबिक अडानी समूह के स्टॉक्स की भारी पिटाई के बाद गौतम अडानी से एशिया के सबसे अमीर होने का खिताब छिन गया जो अब रूस बेस्ड अलॉय और स्टील के कारोबारी वाईएसटी के जॉन्ग शानशान के पास चला गया है। रिपोर्ट में गौतम अडानी और उने परिवार की संपत्ति 53 बिलियन डॉलर आंकी गई है। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के जारी होने के कुछ समय पहले ही गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर होने का खिताब हासिल कर चुके थे। लेकिन रिपोर्ट जारी होने के बाद उनकी संपत्ति में 60 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के जारी होने के बाद स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड अडानी समूह के सभी 10 शेयरों का मार्केट कैपिटलाईजेशन 19 लाख करोड़ रुपये से घटकर 7.11 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज को अपना 20,000 करोड़ रुपये का एफपीओ वापस लेना पड़ा क्योंकि एफपीओ के प्राइस बैंड के मुकाबले शेयर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के आने से पहले अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 3440 रुपये पर ट्रेड कर रहा जो घटकर 1,000 रुपये के लेवल तक जा लुढ़का। समूह के कई स्टॉक्स 85 फीसदी तक नीचे जा लुढ़के।

सोने के दाम पर आज मिली राहत

यहां 1100 रुपये से भी ज्यादा सस्ता

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू कमोडिटी मार्केट में आज कीमती मेटल्स के दाम में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जहां सोना लगातार चढ़ने के बाद आज गिरावट के दायरे में है वहीं चांदी में आज भी तेजी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। इसी के साथ सोने के दाम में लगातार देखा जा रहा उछाल का सिलसिला आज कुछ थमा है।

हालांकि चांदी के दाम में तो आज भी ऊपरी दायरे में ही कारोबार हो रहा है। वायदा बाजार में सोना कुछ ही सस्ता हुआ है पर रिटेल बाजार में सोना 1110 रुपये तक सस्ता हो चुका है। आज के दाम में ये बड़ी गिरावट आपको सोने की खरीदारी का मौका दे रही है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना सस्ता हुआ है और ये 58537 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने में 42 रुपये की गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके दाम में आज 58505 रुपये के निचले स्तर

और 58648 रुपये के ऊपरी स्तर देखे गए हैं। सोने के ये दाम इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 166 रुपये या 0।24 फीसदी की तेजी के साथ 68560 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। इसमें आज 68539 रुपये के निचले स्तर और 68671 रुपये प्रति किलो तक के ऊपरी स्तर देखे गए हैं। चांदी के ये दाम इसके मई वायदा के लिए हैं।

देश के 10 प्रमुख महानगरों में सोने के दाम (24 कैरेट शुद्धता वाला)

अहमदाबाद में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।बंगलुरू में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। चंडीगढ़ में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। चेन्नई में सोना 1110 रुपये की गिरावट के साथ 59,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।

दिल्ली में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। गाजियाबाद में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। हैदराबाद में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। कोलकाता में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। लखनऊ में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। मुंबई में सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 59,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।

बेमौसम बारिश ने बढ़ाई मुश्किल

गेहूं-आटा की महंगाई से अब कैसे मिलेगी राहत?

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। महंगाई ने वैसे ही आम लोगों की कमरतोड़ रखी है। उसपर से देश में बीते कुछ दिनों में जिस प्रकार बेमौसम बारिश हुई है उसके बाद महंगाई से राहत की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। फरवरी 2023 में तापमान में बढ़ोतरी का असर रबी फसलों पर देखने को मिला था तो मार्च महीने में बेमौसम बारिश ने रही सही कसर निकाल दी। किसान रबी फसलों की कटाई की तैयारी में थे। खेत में रबी फसल लहलहा रहे थे। लेकिन बारिश और ओलों की वजह से रबी फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। खासतौर से गेहूं, सरसों, चना और मसूर दाल के फसल को नुकसान हो सकता है। ये उम्मीद जताई जा रही थी कि इस रबी सीजन में गेहूं के रिकॉर्ड पैदावार के बाद आम लोगों को महंगे आटा-गेहूं की कीमतों से राहत मिलेगी। सरकार ने एफसीआई के जरिए ओपन मार्केट स्कीम के तहत गेहूं बेचा है। जिसके चलते जो गेहूं का औसत मुल्य एक फरवरी 2023 को 33.34 रुपये प्रति किलो था वो 20 मार्च को घटकर 29.65 रुपये प्रति किलो पर आ चुका है। एक फरवरी को आटा का औसत मुल्य 38.05 रुपये किलो था जो 20 मार्च को घटकर 34।64 रुपये प्रति किलो रह गया है। यानि सरकार के इस कदम के बाद कीमतों में 10 फीसदी के करीब गिरावट आई है। और उम्मीद थी गेहूं की नई फसल जब मंडी में आएगी तब कीमतों में और कमी आएगी। लेकिन बेमौसम बारिश इन उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। बेमौसम बारिश का असर ये है कि गेहूं की कीमतों में गिरावट का सिलसिला थम गया है और उत्पादन में कमी की आशंका के बाद फिर से दामों में उछाल देखा जा रहा है। आने वाले समय में फल-सब्जियों की कीमतों में उछाल देखने को मिल सकता है। तो सरसों, चना, मसूर दाल की कीमतें भी बढ़ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 20 मार्च के बाद देश में औसतन 5 मिलीमीटर बारिश देखने को मिली है। जिसमें तेलंगाना में 23.4, आंध्र प्रदेश में 24.1, असम में 19.2 , पश्चिम बंगाल में 17.6 और झारखंड में 14.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। विदर्भ और महाराष्ट्र में 7.4 मिलीमीटर बारिश हुई है। खासतौर से खेतों में खड़ी फसल को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में अंगूर, केले, प्याज और आलू के फसल को नुकसान पहुंचा है। और बेमौसम बारिश के 25 मार्च तक जारी रहने की संभावना जताई जा रही है। फरवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर में मामूली गिरावट आई है लेकिन ये अभी भी आरबीआई के टोलरेंस बैंड के ऊपर बना हुआ है। फरवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.44 फीसदी रही है। जबकि जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.52 फीसदी रही थी। फरवरी महीने में खाद्य महंगाई दर 5.95 फीसदी रही है। जनवरी में खाद्य महंगाई दर 6 फीसदी रही थी यानि जनवरी से फरवरी महीने में मामूली खाद्य महंगाई घटी है। सबसे ज्यादा चिंताजनक हाल अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर का है जो डबल डिजिट 16.73 फीसदी पर बना हुआ है।

देश के और एयरपोर्ट्स के लिए बोली लगाएंगे अडाणी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एयरपोर्ट्स आने वाले दिनों में और अधिक एयरपोर्ट्स के लिए बोली लगाएगी। कंपनी के सीईओ अरुण बंसल ने बुधवार को बताया कि कंपनी अपने एयरपोर्ट्स की संख्या को बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कंपनी की योजना पर बात करते हुए आगे बताया कि अगले कुछ सालों में एक दर्जन से अधिक एयरपोर्ट्स के निजीकरण की उम्मीद है, और हम इनकी बोली में भाग लेंगे।बंसल ने सेंटर फॉर एविएशन समिट में बोलते हुए कहा कि अडाणी एयरपोर्ट्स एक एविएशन इंस्टीट्यूट स्थापित करने पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले चरण के तहत, नवी मुंबई हवाई अड्डा दिसंबर 2024 तक ऑपरेशन (परिचालन) शुरू कर देगा। नवी मुंबई हवाई अड्डे के पहले चरण में यात्रियों को संभालने की क्षमता 2 करोड़ होगी। अडाणी एयरपोर्ट्स देश की सबसे बड़ी एयरपोर्ट ऑपरेटर कंपनी है। अभी उसके पास देश के 7 एयरपोर्ट की कमान है। अडाणी के पास मुंबई एयरपोर्ट के अलावा 6 अन्य प्रमुख एयरपोर्ट भी है, जिसमें अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर, मंगलुरू, गुवाहाटी और तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट शामिल हैं। इनके मैनेजमेंट अडाणी ग्रुप के पास ही है। 2019 में बिडिंग में मिली जीत के बाद ग्रुप के पास इन एयरपोर्ट को ऑपरेट करने की जिम्मेदारी अगले 50 सालों तक की है।हवाई यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए अडाणी ग्रुप ने पिछले साल दिसंबर में एक कंज्यूमर ऐप 'अडाणी वन' लॉन्च किया था। इस ऐप के जरिए फ्लाइट्स की बुकिंग, फ्लाइट का स्टेटस, कैब बुकिंग और एयरपोर्ट पर लाउंज बुकिंग जैसी कई सुविधाएं एक ही जगह मिलती हैं। इस ऐप को अब तक 5 लाख से ज्यादा डाउनलोड किया जा चुका है।

रेलवे ने दिया तोहफा, इस एसी क्लास का घटा दिया किराया, यात्रियों के पैसे होंगे वापस

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे ने एसी-3 इकनॉमी क्लास का किराया सस्ता कर दिया है, साथ ही बेडिंग रोल की व्यवस्था पहले की तरह लागू रहेगी। अब ट्रेन के एसी थ्री इकोनॉमी कोच में सफर करना फिर से सस्ता हो गया है। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी किए गए सर्कुलर के मुताबिक पुरानी व्यवस्था को बहाल करने का फैसला लिया गया है।बुधवार से यह फैसला लागू हो गया है। रेल अधिकारियों के मुताबिक, फैसले के तहत ऑनलाइन और काउंटर से टिकट लेने वाले यात्रियों को प्री बुक की गई टिकट का अतिरिक्त पैसा वापस किया जाएगा।नए आदेश के मुताबिक इकनॉमी क्लास सीट का ये किराया, सामान्य एसी-3 से कम किया गया है। हालांकि पिछले साल रेलवे बोर्ड ने एक सर्कुलर जारी किया था, उसमें एसी थ्री इकोनॉमी कोच और एसी थ्री कोच का किराया बराबर कर दिया था।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार तेजी के साथ हुआ बंद, फेड रिजर्व के फैसले का बाजार को इंतजार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। लगातार दूसरे दिन भारतीय शेयर बाजार में तेजी रही। बैंकिंग और एफएमसीजी स्टॉक्स में निवेशकों की खरीदारी के चलते बाजार तेजी के साथ बंद हुआ है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 140 अंकों के

उछाल के साथ 58,214 अंक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 44 अंकों की तेजी के साथ 17,151 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग, ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि मीडिया, मेटल्स सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही।

आज के ट्रेड में फिर से मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 20 शेयर तेजी के साथ तो 10 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 34 शेयर तेजी के साथ तो 16 गिरावट के साथ बंद हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	05-56 बजे
चंद्र-	मीन	में	मेष--	07-32 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	09-17 बजे
बुध-	मीन	चें	मिथुन..	11-19 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	13-29 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	15-42 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-49 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	19-54 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	22-03 बजे
			धनु.....	00-17 बजे
			मकर..	02-24 बजे
			कुंभ...	04-14 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **18 -20** उपरान्त तृतीया
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Mar 23**
नक्षत्र - रेवती - **14 -08** - तक उपरान्त अश्विनी
योग - ऐन्द्र - **03 - 41** - तक उप - वैधृति
करण- बालव **-07 - 16** - तक उप- कौलव
विशेष:- सिंजारा,सर्वार्थ सिद्ध योग,**06-43** से
व्रत -त्योहार -पंचक **-14 -08** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:54 से 15:25 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:21 - 07:50	शुभ	अमृत	18:24 - 19:55 शुभ
रोग	07:50 - 09:21	अशुभ	चंचल	19:55 - 21:24 शुभ
उत्पात	09:21 - 10:52	अशुभ	रोग	21:24 - 22:53 अशुभ
चंचल	10:52 - 12:23	शुभ	काल	22:53 - 00:22 अशुभ
लाभ	12:23 - 13:54	शुभ	लाभ	00:22 - 01:51 शुभ
अमृत	13:54 - 15:25	शुभ	उत्पात	01:51 - 03:21 अशुभ
काल	15:25 - 16:55	अशुभ	शुभ	03:21 - 04:50 शुभ
शुभ	16:55 - 18:24	शुभ	अमृत	04:50 - 06:21 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज के मनोरंजन में खेल गतिविधियां और बाहरी कार्यक्रम शामिल होने चाहिए। हमारी आपको सलाह है कि शराब और सिगरेट पर पैसा खर्च करने से बचें। ऐसा करने से न सिर्फ आपका स्वास्थ्य खराब होगा बल्कि आपकी आर्थिक स्थिति भी खराब होगी। आसपास के लोगों के बर्ताव से आज आप कुछ चिड़चिड़े रहेंगे।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

ब्लड प्रेशर के मरीज अपना ब्लड प्रेशर कम करने और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने के लिए रेड वाइन की मदद ले सकते हैं। इससे उन्हें और आराम मिलेगा। चंद्रमा की स्थिति के चलते आपका पैसा बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आप धन संचय करना चाहते हैं तो अपने जीवनसाथी या माता-पिता से इस बारे में बात करें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

गर्भवती माँ को फर्श पर चलते समय विशेष ध्यान रखना चाहिए और यदि संभव हो तो धूम्रपान करते समय किसी मित्र के साथ खड़े न हों क्योंकि यह अजन्मे बच्चे को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। सोच-समझकर किए गए निवेश से ही लाभ मिलेगा- इसलिए सुनिश्चित करें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपके विनम्र व्यवहार की सराहना होगी। बहुत से लोग मौखिक रूप से आपकी प्रशंसा करेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी। अपने घर के माहौल में बदलाव करने से पहले सुनिश्चित करें कि आपके पास दूसरों की स्वीकृति है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें और फिट रहने के लिए व्यायाम करें। लंबी अवधि के लाभ के लिए स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश की सलाह दी जाती है। गुस्सा भड़कना अपरिहार्य है- लेकिन अपनी जीभ की रक्षा करें ताकि उन्हें चोट न पहुंचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आपका रोग दुख का कारण हो सकता है। परिवार में ख़ुशियाँ बहाल करने के लिए आपको इसे जल्द से जल्द दूर करने की ज़रूरत है। सावधान रहें कि आप आर्थिक रूप से किसके साथ व्यवहार करते हैं। मित्रों के साथ गतिविधियाँ आनंददायक रहेंगी- लेकिन स्वेच्छा से ख़र्च न करें- अन्यथा आप ख़ाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपना धैर्य बनाए रखें क्योंकि सामान्य ज्ञान और समझ के साथ आपका निरंतर प्रयास आपको सफलता की गारंटी देगा। आपको आज पेश की जाने वाली निवेश योजनाओं पर दो बार गौर करना चाहिए। दोस्तों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा लेकिन वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

किसी संकट में पड़े व्यक्ति की मदद के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें। स्मरण रहे- इस नाशवान शरीर का क्या उपयोग यदि इसका उपयोग दूसरों के हित के लिए न हो। बैंक डीलिंग को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। सामाजिक कार्यक्रम प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपने संबंध सुधारने का उत्तम अवसर देंगे।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

आपका ईर्ष्यालु व्यवहार आपको दुखी और उदास कर सकता है। लेकिन यह खुद की खुद की चोट है इसलिए इस पर अफसोस करने की जरूरत नहीं है। दूसरों के सुख-दुख को बांटकर इससे छुटकारा पाने के लिए खुद को प्रेरित करें। आज सिर्फ बैठने के बजाय-क्यों न किसी ऐसी चीज में शामिल हो जाएं- जिससे आपकी कमाने की शक्ति में सुधार हो।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

लंबी बीमारी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, इससे कुछ परेशानी हो सकती है। आज घर में कोई धार्मिक आयोजन होने की संभावना है। हालांकि इससे आपके मन को शांति मिलेगी, लेकिन इस पर आपका काफी धन खर्च हो सकता है। जिस व्यक्ति की आप परवाह करते हैं उसके साथ संचार की कमी आपको उदास कर देगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

जीवन के प्रति उदार रवैया अपनाएं। अपनी रहन-सहन की स्थिति के बारे में शिकायत करने और परेशान होने का कोई फायदा नहीं है। यह भिखारी सोच ही है जो जीवन की सुगंध को नष्ट कर देती है और संतोषी जीवन जीने की आशा को खत्म कर देती है। घर की जरूरी चीजों पर पैसा खर्च करने से आज आपको आर्थिक तंगी का सामना जरूर करना पड़ेगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

भीड़ भरी बस में यात्रा करते समय रक्तचाप के रोगियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। आज आपका किसी करीबी से झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। इस वजह से आपकी मेहनत की कमाई खर्च होगी। हो सकता है कि आप अपने परिवार वालों की हर बात से सहमत न हों।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

रातभर गले कटी 5 लाशों के पास बैठी रही

10 साल छोटे बॉयफ्रेंड के लिए जानवर काटने वाले छुरे से पति-बेटों का मर्डर

दोषी मार्शल आर्ट प्रशिक्षक महिला व प्रेमी को आजीवन कारावास

अलवर, 23 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अलवर में 2017 का सबसे चर्चित हत्याकांड जब एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथियों के साथ मिलकर अपने पति, 3 बेटों और 1 भतीजे की हत्या कर दी। आरोपी महिला के सामने ही उसके परिवार के 5 सदस्यों की जानवरों को काटने वाले छुरे से गला काटकर हत्या कर दी गई और वो बेशर्म खड़ी सबकुछ देखती रही। इतना ही नहीं महिला रातभर अपने ही परिवार के 5 सदस्यों की गले कटी लाशों के पास बैठी रही। हत्या की वजह- उसके अफेयर में पति और बड़ा बेटा रोड़ा बन रहे थे। पति और बड़े बेटे के मर्डर का प्लान था, लेकिन बॉयफ्रेंड ने पूरे परिवार को खत्म कर दिया। पूरे मामले में महिला, उसके बॉयफ्रेंड समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 6 साल बाद कोर्ट ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए सभी को दोषी माना है। मंगलवार को आरोपी महिला संतोष और उसके प्रेमी हनुमान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

15 साल तक खुशहाल जिंदगी

कठूमर के गारू गांव की रहने वाली ताइक्वांडो कोच संतोष शर्मा उर्फ संध्या की शादी 1999 में अलवर के शिवाजी पार्क में रहने वाले बनवारी लाल शर्मा से हुई थी। शादी के करीब 15 साल तक सबकुछ सही चल रहा था। दोनों के 3 बच्चे थे। बनवारी लाल अलवर के एमआईए स्थित एक फैक्ट्री में ऑपरेटर का काम करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और संतोष लग्जरी लाइफ जीना चाहती थी। वह थोड़ा बहुत ताइक्वांडो भी जानती थी तो उसने अलवर में ही इसकी कोचिंग ली और इसके बाद वह ट्रेनर बन गई।

इस तरह शुरू हुआ अफेयर

संतोष 2014 में अलवर के साहब जोहड़ा के एक ताइक्वांडो कोच के कॉन्टैक्ट में आई थी। वहां से बच्चों को ताइक्वांडो की ट्रेनिंग देने लगी। इस दौरान वह कई कॉम्पिटिशन में बच्चों को लेकर अलवर से बाहर जाने लगी। एक टूर्नामेंट के दौरान उदयपुर में उसकी दोस्ती हनुमान से हुई। तब हनुमान सीकर के एक दोस्त के साथ बीपेड की ट्रेनिंग कर रहा था। हनुमान अविवाहित था और संतोष से 10 साल छोटा भी। दोनों के बीच धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ने लगी। हनुमान कई बार मालाखेड़ा गुजूकी (अलवर) में अपने दोस्त कपिल के कमरे पर संतोष को लेकर जाता था। यही पर हत्या में शामिल कपिल और दीपक से संतोष की मुलाकात हुई। हनुमान और संतोष दो-ढाई साल तक चोरी छिपे मिलते रहे। दोनों कई बार राजस्थान से बाहर भी मिले। इसी दौरान दोनों के अफेयर के बारे में संतोष के पति बनवारी और बेटे मोहित को पता चल गया।

जानवरों को काटने वाला छुरा ऑनलाइन मंगवाया

संतोष और हनुमान ने पूरी प्लानिंग बना ली थी कि दोनों को कैसे ठिकाने लगाना है। हत्या के लिए हनुमान ने 30 सितंबर 2017 को ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट से 1260 रुपए में जानवरों का काटने वाला छुरा मंगवाया था। छुरा करीब 31 सेमी लंबा और 4 सेमी चौड़ा था। यह छुरा एक तरफ से धारदार था और दूसरी तरफ से कांटेनुमा स्ट्रक्चर। इसके अलावा इनके शरीर को छलनी करने के लिए अलवर के केड़लगंज से चाकू खरीदा गया था। पुलिस को मौके से कोई सुराग नहीं मिले इसके लिए ग्लव्ज खरीदे गए थे। इस हत्याकांड के दो दिन पहले ही हनुमान अलवर आ गया था। संतोष और हनुमान ने मिलकर रूट भी तय कर लिया था कि हत्याकांड के बाद कौन, कहां से और कैसे फरार होगा। और, तय हुआ कि 2 अक्टूबर रात 1 बजे बनवारी और मोहित की हत्या कर दी जाएगी।

रायते में डाली नींद की गोलियां

पुलिस जांच में सामने आया था कि दोनों ने प्लानिंग की थी कि मर्डर से पहले पूरे परिवार को नींद की गोलियां देनी हैं, ताकि कोई आवाज नहीं करे। इसके लिए हनुमान ने ही संतोष को नींद की गोलियां दी थीं। ये गोलियां हनुमान ने सीकर के दोस्त से मंगाई थी। संतोष ने इन दवाओं को सिलपट्टे पर चटनी के साथ पीसा और फिर रायता में मिलाकर परिवार को खिलाया था। यह गोलियां पीसते हुए संतोष की छोटी बहन कविता ने देख लिया था। उसने पूछा भी था कि ये क्या पीस रही हो। लेकिन, संतोष ने उसे फटकार कर चुप कर दिया था। संतोष परिवार में किसी को ज्यादा बोलने भी नहीं देती थी। इस कारण बहन कुछ नहीं बोल सकी। न ज्यादा समझ सकी। नींद की गोली के कारण छोटी बहन व उसका बेटा भी नहीं जाग पाए थे। मर्डर वाली रात संतोष लगातार हनुमान से फोन के जरिए कॉन्टैक्ट में थी। वह एक-एक मिनट की अपडेट हनुमान को बता रही थी। मर्डर से पहले रात करीब 9 बजकर 44 मिनट पर संतोष ने हनुमान से फोन पर बात की थी और बताया था कि नींद की गोली रायते में दी है और सब सो गए हैं। इसके बाद हनुमान रात करीब 10 बजे वहां पहुंचा। संतोष ने हनुमान को वापस जाने को कहा और रात 1 बजे बुलाया। रात 1 बजे हनुमान, दीपक और कपिल संतोष के मकान पर पहुंचे। यहां संतोष ने मैन गेट खोला और हनुमान को बताया कि बनवारी लाल शर्मा (45), बेटा मोहित (17), हैप्पी (15) अज्जू (12) और भतीजे निक्की (10) नीचे वाले कमरे में सो रहे हैं। संतोष ने सबसे पहले इशारा करके बताया कि पति कहां सो रहा है। संतोष के इशारा करते ही हनुमान ने सबसे पहले पति बनवारी लाल का गला काटा, बाकी साथियों ने चाकू से शरीर को छलनी कर दिया। तब तक बनवारी की मौत हो चुकी थी। मोहित की तबीयत खराब होने की वजह से उसने रायता नहीं खाया था। मर्डर के दौरान उसकी आंख खुल गई। वह चारपाई से उठता उससे पहले उसका भी गला काट दिया। पति और बेटे की आंखों के सामने हत्या हो रही थी, गला काटा जा रहा था और संतोष ये सबकुछ सीढ़ियों में खड़े होकर देख रही थी। बरामदे में संतोष के दो छोटे बेटे व भतीजा सो रहे थे। हत्या के बाद बरामदे में आते समय तीनों बच्चों पर हनुमान का पैर पड़ गया और वे भी जागने लगे। इस पर हनुमान ने इन तीनों का भी गला काट मौत के घाट उतार दिया। बाकी दोनों साथियों ने पांचों के शवों पर चाकूओं के इतने वार किए कि मौके पर ही मौत हो गई।

मर्डर के बाद कमरे में बैठी रही, सुबह होते ही चिल्लाने लगी

पुलिस जांच में सामने आया कि संतोष और हनुमान ने केवल बनवारी लाल और बेटे मोहित को ही मारने का प्लान बनाया था,लेकिन, जब तीनों बच्चे जागे तो उनके भी गले काट दिए गए।

घटनाक्रम के दौरान संतोष की छोटी बहन कविता का छोटा बेटा ऊपर की मंजिल पर था। ऐसा दावा किया जा रहा है कि यदि वे भी उस दिन इस कमरे में होते तो इन्हें भी मौत के घाट उतार दिया जाता। मर्डर के बाद करीब 6 घंटे तक संतोष शवों के पास ही बैठी रही। सुबह 6 बजते ही उसने चिल्लाना शुरू किया और मर्डर का सारा आरोप अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर डाल दिया।

मर्डर के बाद संतोष की स्कूटी से निकले

मर्डर के बाद तीनों आरोपी संतोष की स्कूटी लेकर निकले। इन्हें भागने में संतोष ने मदद की थी और तीन हजार रुपए दिए थे। तीनों ने संतोष की स्कूटी को रेलवे स्टेशन के पास सुनसान जगह पर छोड़ दिया गया। ऑटो में बैठकर अलवर से राजगढ़ गए। यहां से बांदीकुई होते हुए जयपुर आए। जयपुर से हनुमान उदयपुर पहुंच गया। इधर, उसके दो साथी गुजुकी आ गए। इस हत्याकांड की जानकारी पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंची। शवों को देख पुलिस अधिकारी भी हैरान हो गए। संतोष ने ससुरालवालों पर आरोप लगया कि जमीन विवाद में पूरे परिवार को मार दिया गया। पुलिस ने परिवार से पूछताछ की और संतोष के कॉल डिटेल खंगाली तो वहां से हनुमान के साथ दीपक और कपिल के बारे में सुराग मिला। इन्हीं कॉल डिटेल से पुलिस दूसरे दिन ही हनुमान तक पहुंची और उसकी निशानदेही पर दीपक और कपिल को पकड़ लिया गया। पूछताछ की तो सारा घटनाक्रम सामने आया। हनुमान की गिरफ्तारी के बाद संतोष ये कहती रही कि वह बेकसूर है और हनुमान ने क्यों पूरे परिवार को मारा है ये उससे ही पूछो। हनुमान के उदयपुर के कमरे पर खून से सने कपड़े बैग में मिले थे। वहीं चाकू राजगढ़ के पास पड़ा मिला था। 7 मोबाइल भी बरामद हुए थे। इनमें वही नंबर मिले, जिनसे वे आपस में बात करते थे। मोबाइल नंबर व लोकेशन के आधार पर पुलिस हत्या के खुलासे तक पहुंची थी। बाद में स्कूटी भी मिली थी। मर्डर करने के बाद मंडी मोड़ पहुंचकर हाथ व चाकू को पानी की टंकी पर धोया था।

6 साल बाद आरोप साबित

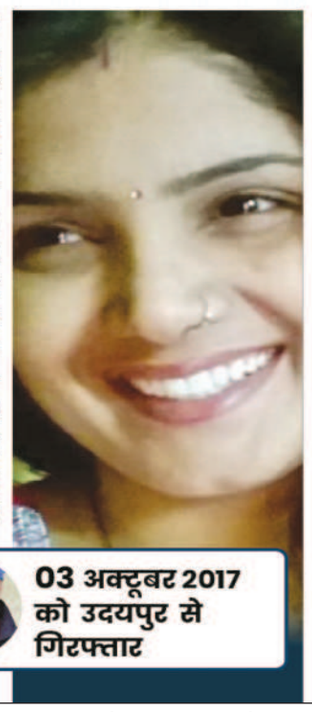

2017 अगस्त में फर्जी आईडी से सिम खरीदी

30 सितंबर 2017 को छुरा खरीदा गया

02 अक्टूबर 2017 को मर्डर

03 अक्टूबर 2017 को उदयपुर से गिरफ्तार

77 गवाह बने मामले में

211 तारीख लगी, 369 डॉक्युमेंट लगे

70 आर्टिकल बरामद

20 मार्च 2023 को आरोप साबित

संतोष को पसंद नहीं थी पति और बेटे की रोक-टोक

संतोष की करतूतों का पता चलने पर पति और बेटा दोनों रोक-टोक करने लगे। उसे ट्रेनिंग के लिए भी बाहर जाने से रोकने लगे। इसी बात से संतोष परेशान होने लगी। उसने ये सारी बात हनुमान को बताई। दोनों को लगने लग गया था कि बनवारी और मोहित दोनों को मिलने नहीं देंगे। गरीबी के कारण संतोष अपने पति बनवारी को पसंद तक नहीं करती थी। यहां तक कि अपने बेटों से भी उसे लगाव नहीं था। वह लग्जरी लाइफ जीना चाहती थी। कई बार हनुमान के साथ कई-कई दिनों तक घर से बाहर भी रही थी।

2016 में हनुमान ने संतोष के साथ मिलकर मर्डर की साजिश रच ली थी। सबकुछ पहले से तय हो गया था कि बनवारी और मोहित को कैसे ठिकाने लगाना है। हत्याकांड के बाद खुद को बचाने के लिए क्या तर्क देने है, कहां से और कैसे फरार होना है। और, यहां तक कि गला काटने के लिए छुरा और चाकू कहां से आएंगे। दोनों की इस प्लानिंग में गुजूकी निवासी दीपक व दीपक के मामा का लड़का कपिल भी शामिल थे। हत्या से करीब 2 महीने पहले अगस्त 2017 में ही हनुमान ने फर्जी आई से दो सिम खरीद ली थी। इसमें एक सिम हनुमान के पास और दूसरी सिम संतोष के पास थी। दोनों इन्हीं सिमकार्ड का इस्तेमाल करते थे ताकि किसी को उनकी प्लानिंग के बारे में पता नहीं चले।

एटीएम को काटते तीन चोर गिरफ्तार

औजार के साथ घुसा था बालाघाट का गिरोह, आरोपियों में तीन नाबालिग भी शामिल

भिलाई, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में तीन लड़के एटीएम को काटते हुए देर रात गिरफ्तार हुए हैं। तीनों आरोपी नाबालिग हैं और मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के रहने वाले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस इसे बड़ी सफलता बता रही है। दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव से मिली जानकारी के मुताबिक कुम्हारी थाने के पेट्रोलिंग टीम देर रात गश्त कर रही थी। 21-22 मार्च की बती रात करीब दो बजे पेट्रोलिंग टीम ने देखा कि एचडीएफसी बैंक के एटीएम का शटर नीचे तक डाउन है। सिपाहियों ने नजदीक जाकर देखा तो पास एक बाइक खड़ी थी और अंदर कुछ लोगों के होने की आहट आई। इसी दौरान एटीएम से सायरन बजने की आवाज आने लगी। पेट्रोलिंग टीम ने तुरंत एटीएम की घेराबंदी की। इससे आरोपी भाग नहीं पाए। इसके बाद एटीएम के अंदर देखा तो तीन लड़के खुले पड़े एटीएम के साथ छिपे थे। पुलिस तीनों आरोपियों को वहीं धर दबोचा और थाने लेकर आई। आरोपी से पूछताछ जारी है। तीनों आरोपी हाई स्पीड बाइक से वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। उन्होंने बाइक की नंबर प्लेट भी निकाल दी थी, जिससे वो आसानी से भाग सकें। पुलिस ने बाइक को जब्त कर लिया है। पता लगाया जा रहा है कि बाइक का नंबर क्या है और वो चोरी की है या इन्हीं आरोपियों में से किसी एक की।

आरोपी एटीएम को काटने का पूरा प्लान बनाकर पहुंचे थे।

वो लोग अपने साथ आरी, पेचकस, हथौड़ी, गैस कटर तक लेकर पहुंचे। उन्होंने गैस कटर के जरिए एटीएम को काटने का प्रयास भी किया था। इससे पहले की वो उसे काटकर रुपए निकालते एटीएम का सायरन बज गया और वो पकड़े गए। दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ये एटीएम काटने वाला पूरा गिरोह है। इन लोगों ने कई दूसरी जगह एटीएम में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर सारा डिटेल निकालेगी।

विधानसभा में बोले सीएम, हम शोर नहीं काम करते हैं

हेमंत ने विपक्षियों से पूछा आप किसके समर्थक 1932 या 60-40, 1932 के समर्थक हैं, तो कोर्ट क्यों गये

रांची, 22 मार्च (एजेंसियां)। आज विधानसभा में हेमंत सोरेन विधायक प्रदीप यादव के एक सवाल का जवाब देने के लिए खड़े हुए। विरोधी दल ने सीएम से नियोजन नीति पर बात रखने की मांग की। सदन में हंगामा होने लगा, तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्षी दलों से पूछा सबसे पहले यह बताइये की आप 60-40 के समर्थक हैं या 1932 के। अगर आप 1932 के समर्थन में हैंस तो कोर्ट क्यों जाते हैं। रमेश हासदा कौन है ? मैं इनके सभी सवालों का जवाब दूंगा। हमारी बारी भी आयेगी, मैं बोलूंगा भी, यह भागेंगे भी।

लोकसभा पूरी तरह ठप

हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि पूरा हथियार का जखीरा इनके पास है। देश के आदिवासी दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक जिनके विषय में भी चर्चा होती है वही लोकसभा पूरी तरह ठप है। सत्ता

पक्ष ने ही लोकसभा को ठप कर रखा है। आज देख रहे हैं कि यहां भी विपक्ष यही करने की कोशिश कर रहा है। इनके पास ना, किसी के पास कोई मुद्दा है ना विषय।

राम भक्तों को कुर्ता फाड़कर भक्ति साबित करने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधायक के कुर्ता फाड़ने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, कल जो आचरण हुआ है उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। अब राम भक्तों को कपड़े फाड़कर यह साबित करना पड़ रहा है कि हम राम भक्त है। ईश्वर सबको देख रहा है। 20 वर्ष इन्होंने सत्ता चलाया। तपोवन भूमि पर एक रुपया खर्च नहीं किया। हमने काम भी किया लेकिन शोर नहीं किया। इन लोगों को यह लग रहा है कि हम देश की सत्ता में काबिज हैं तो पूरी दुनिया में काबिज हो चुके हैं। जिस तरह से इन्हें सवालों में घेरा जा रहा है यह किस तरह बचने की कोशिश कर रहे हैं यह उसका हिस्सा है।

सरकार अपना समय आने पर जवाब देगी

सीएम ने कहा, सरकार अपने समय पर जवाब देगी। सदन में तरह तरह के रूप धारण करके आना बहुरुपिया का काम है। सभी विधायकों को जवाब देना है। उन्हें लगता है वह सवालों से बच जायेंगे इसलिए वह ऐसा कर रहे हैं बाकि विषयों पर भी हम जवाब देंगे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज आएंगे झारखंड

रांची, 22 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 23 मार्च, 2023 को झारखंड आ रहे हैं। यहां वे पांच हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और आधारशिला रखेंगे। पहले वे जमशेदपुर पहुंचेंगे। उसके बाद रांची में कार्यक्रम करेंगे। अब तक के तय कार्यक्रम के अनुसार 23 मार्च 2023 को केंद्रीय मंत्री गडकरी दोपहर सवा दो बजे सोनारी हवाई अड्डे पर उतरेंगे। वहां से वह गोपाल मैदान पहुंचेंगे। यहां कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन का कार्यक्रम करेंगे। इसके बाद गोपाल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। वह जमशेदपुर में दो घंटे रहेंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अपने तय कार्यक्रम के अनुसार पहले जमशेदपुर में कार्यक्रम करेंगे। इसके बाद सवा चार बजे सोनारी हवाई अड्डा से रांची पहुंचेंगे। यहां वे ओल्ड विधानसभा मैदान में शाम पांच बजे आयोजित शिलान्यास सह उदघाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे लोगों को संबोधित भी करेंगे। एनएचएआई की ओर से कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा के मुताबिक 23 मार्च को हो रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां कर ली गयी हैं।

रांची में इन योजनाओं की मिलेगी सौगात

रांची में नितिन गडकरी जैनामोड़-गोला एक्सप्रेस-वे की नींव रखेंगे। यह 1008 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। जिसकी कुल लंबाई 32.49 किमी है। इसके अतिरिक्त गोला-ओरमांझी रोड की शुरुआत करेंगे। यह 1214 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट है जो 27.846 किमी होगा। रामगढ़ के पटेल चौक में वीयूपी एनएच 31: 24.09 करोड़ रुपये के एक किमी रोड शुरू किया जाएगा।

परमात्मानंद के बयान पर पलटवार

कांग्रेस और जेसीसीजे ने दिया करारा जवाब, कहा- 'धर्म के नाम पर राजनीति न करें सतं'

रायपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। धर्मांतरण पर प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। मामले में जमकर आरोप-प्रत्यारोप लग रहे हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी (जेसीसीजे) ने यूपी के गोरखपुर जिले के महंत परमात्मानंद गिरी महाराज के छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी पर दिए विवादित बयान पर पलटवार किया है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंट के रूप में बीजेपी समर्थित संत काम कर रहे हैं। तथाकथित संत बीजेपी के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। उन्हें धर्म के नाम पर राजनीति करना बंद करना चाहिए। महंत परमात्मानंद गिरी महाराज को थोड़ा से परमात्मा का ध्यान रखकर झूठ बोलना बंद करना चाहिए। कांग्रेस के साढ़े 4 साल के कार्यकाल में एक भी जगह चर्च का निर्माण नहीं हुआ है। यदि वह ऐसा साबित कर दें तो वे उनसे डिबेट करने को तैयार हैं। इस तरह के साधु-संत बीजेपी के कार्यकर्ता और एजेंट की तरह कार्य कर रहे हैं। जेसीसीजे के मुख्य प्रवक्ता भगवानू नायक ने महाराज के बयान पर पलटवार करते हुए जवाब दिया कि छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी और दिवंगत नेता पर लांछन लगाना ठीक नहीं हैं। ऐसे संतों को बाज आना चाहिए। इस तरह की भाषा बोलने से उन्हें सौ बार सोचना चाहिए। अजीत जोगी महान पुरुष थे।

'जोगी छत्तीसगढ़ के सबसे लोकप्रिय नेता थे'

उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास का सपना देखा और छत्तीसगढ़ में विकास कराया। चाहें कुतुबमीनार से भी ऊंचा जैतखांभ हो या नवा रायपुर, परसदा क्रिकेट स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम आदि विकास कार्य जोगी ने कराए थे। उन्हीं के विकास के नक्शे कदम पर सरकारें चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि स्वामी परमात्मानंद महाराज गिरी को सबसे जोगी के चरित्र का अध्ययन कर लेना चाहिए फिर बयान देने चाहिए। जोगी छत्तीसगढ़ राज्य से सबसे लोकप्रिय, सबसे जनप्रिय और सबसे जनधारी नेता रहे हैं। सोनिया गांधी के एजेंट के बयान पर कहा कि जोगी सोनिया गांधी को अपनी महतारी मानते थे। उन पर ऐसे बयान देने से संतों को बाज आना चाहिए। राजधानी रायपुर के रावणभाठा में धर्मसभा के समापन पर परमात्मानंद गिरी महाराज ने धर्मांतरण पर विवादित बयान दिया था। अमर उजाला डॉट काम से बातचीत में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। कांग्रेस धर्मांतरण को बढ़ा रही है। उसके राज में यह फल फूल रहा है।

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री पर लगाया बड़ा आरोप

उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री दिवंगत अजीत जोगी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि था कि 'सोनिया गांधी के सबसे बड़े एजेंट अजीत जोगी थे'। 'छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के पीछे अजीत जोगी का हाथ था'। 'कांग्रेस उसी धर्मांतरण की विरासत को आगे बढ़ा रही है'। वह धर्मांतरण पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने धर्मांतरण के लिए पूर्व सीएम अजीत जोगी और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार जिम्मेदार ठहराया था।

झारखंड सरकार का आरोप

प्रवासी मजदूरों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही बीआरओ, पत्र में लगाए गंभीर आरोप

रांची, 22 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने आरोप लगाया है कि बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) प्रदेश के मजदूरों को लेकर तय किए गए नियमों का उल्लंघन कर रहा है। बता दें कि सीमाई क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के लिए बीआरओ ने झारखंड सरकार के साथ समझौता किया है। इस समझौते के तहत झारखंड के मजदूर सड़क निर्माण के कामों के लिए भेजे जाते हैं। अब राज्य सरकार ने बीआरओ पर प्रवासी मजदूरों के रोजगार नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इसे लेकर राज्य सरकार ने बीआरओ के डायरेक्टर जनरल को पत्र भी लिखा है। झारखंड की विधानसभा में भी यह मामला उठा।

जिसके बाद मंगलवार को राज्य सरकार ने बीआरओ के डायरेक्टर जनरल को कड़े शब्दों में एक पत्र लिखा है। इस पत्र में कहा गया है कि सालाना समझौते के तहत झारखंड के कैजुअल पेड लेबर्स (सीपीएल) से संबंधित नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। दरअसल मजदूरों ने शिकायत की है उनसे काफी कठिन हालात में भी काम कराया जाता है। पत्र में लिखा गया है कि झारखंड के लेबर कमिश्नर ने आपको कार्यालय से कई बार बात की है और लगातार समझौते के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला उठाया है। प्रवासी मजदूरों की काफी शिकायतें आ रही हैं और पहली बार नहीं है कि बीआरओ ने समझौते के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। झारखंड सरकार बीआरओ से अपील करती है कि राज्य को प्रधान नियोक्ता रजिस्टर किया जाए और अगर बीआरओ ने समझौते का उल्लंघन करना जारी रखा तो राज्य सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी।

कर्ज मिलने के बाद श्रीलंका के लिए दूसरी बड़ी चुनौती

भ्रष्टाचार पर लगानी होगी रोक

कोलंबो, 22 मार्च (एजेंसियां)। तीन बिलियन डॉलर का कर्ज जारी करने के फैसले के एक दिन बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने श्रीलंका को भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए आगाह किया है। आईएमएफ ने इस बात की याद दिलाई है कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की शर्त के साथ ही श्रीलंका के लिए कर्ज जारी किया गया है। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने सोमवार को श्रीलंका के लिए मंजूर कर्ज को जारी करने का निर्णय लिया था।

श्रीलंका में आईएमएफ के मिशन के प्रमुख पीटर ब्रियूअर ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कर्ज पाने के लिए हुई बातचीत के दौरान श्रीलंका सरकार ने वादा किया था कि देश में कुछ महीनों के अंदर ही भ्रष्टाचार-निरोधक कानून बनाया जाएगा। उन्होंने कहा- 'हम आईएमएफ प्रोग्राम के केंद्रीय स्तंभ के रूप में भ्रष्टाचार निरोधक उपायों और शासन सुधारों के महत्त्व पर फिर से जोर डालना चाहते हैं।' अन्य विश्लेषकों ने भी आगाह किया है कि श्रीलंका में बुनियादी सुधारों की जरूरत अभी भी बनी हुई है। वैसे सरकारी हलकों में फिलहाल उत्साह का माहौल है। सरकार के प्रवक्ता बंदुला गुनावर्धना ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि जब कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आईएमएफ के फैसले की जानकारी दी, तो वहां खुशी की लहर दौड़ गई। कोलंबो में सरकार के समर्थकों ने आतिशबाजी भी की।

श्रीलंका के जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक सरिंडा परेरा ने कहा है कि आईएमएफ के निर्णय से देश में निश्चित रूप से भावनात्मक माहौल बेहतर होगा। उन्होंने कहा- 'लेकिन असली परीक्षा अब यहां से शुरू होगी। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थितियां कठिन बनी हुई हैं।' उन्होंने कहा कि श्रीलंका का आईएमएफ के साथ रिकॉर्ड खराब रहा है। परेरा ने कहा- 'श्रीलंका को अब राजनीतिक और आर्थिक संस्थानों को दुरुस्त करने की दिशा में बढ़ना होगा। अगर वह नहीं हुआ, तो आईएमएफ का कर्ज बैंड-ऐड लगाने जैसा इलाज साबित हो कर रह जाएगा।'

फिलहाल श्रीलंका सरकार पर कर्ज देश के सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में 128 फीसदी हो चुका है। आईएमएफ ने कहा है कि कर्ज का इतना बोझ टिकाऊ नहीं हो सकता। श्रीलंका को अपने तमाम कर्जदाताओं के ऋण लौटाने होंगे। इसके लिए उसे अतिरिक्त राजस्व जुटाना होगा। आईएमएफ ने इसके लिए बिजली शुल्क और आय कर बढ़ाने की शर्त लगाई थी। इन शर्तों पर विक्रमसिंघे सरकार अमल कर चुकी है, लेकिन देश में ट्रेड यूनियनें उसके खिलाफ लगातार आंदोलन चला रही हैं। थिंक टैंक एलआईआरएनई-एशिया के संस्थापक अध्यक्ष रोहन समरविजया ने कहा है कि आईएमएफ से कर्ज मिलने को इस बात के प्रमाण के रूप में देखा जाना चाहिए कि श्रीलंका सरकार ने सुधारों की दिशा में कदम उठाए हैं। अब आईएमएफ सरकार के कदमों की निगरानी करेगा। उन्होंने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'लेकिन कठिन कार्य अभी बाकी हैं।' समरविजया ने कहा कि आईएमएफ ने अन्य कर्जदाताओं से डेट रिस्ट्रक्चरिंग का आश्वासन लाने की शर्त श्रीलंका के सामने लगाई थी। अब रिस्ट्रक्चरिंग का असल काम शुरू होगा। इसके तहत ऋण लौटाने की अवधि में विस्तार और ब्याज में कटौती जैसे कदमों पर श्रीलंका को अपने कर्जदाताओं से बातचीत करनी होगी। इन वार्ताओं को सफलतापूर्वक संपन्न करना कठिन साबित हो सकता है।

विदेशी तोहफों पर फंसे इमरान और ट्रम्प

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 'तोहफों' को लेकर फंस गए हैं. दोनों नेता विदेशों से मिले गिफ्ट पर फंसे हुए हैं. इमरान खान पर आरोप है कि प्रधानमंत्री रहते हुए उन्हें विदेशों से जो तोहफे मिले थे, उसे उन्होंने सस्ते दामों में खरीदकर भारी मुनाफे पर बेच दिया. वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प पर आरोप है कि उन्होंने ढाई लाख डॉलर के विदेशी तोहफों की जानकारी छिपाई. इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले तोहफे भी शामिल हैं.

दरअसल, होता ये है कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति से लेकर बड़े-बड़े सरकारी अफसरों को विदेशों से जो गिफ्ट मिलते हैं, उन्हें सरकारी खजाने में जमा करवाना होता है. भारत और पाकिस्तान में इसे 'तोशाखाना' कहा जाता है.

पूरी दुनिया में यही नियम है. ऐसा इसलिए क्योंकि कोई भी देश किसी व्यक्ति को गिफ्ट नहीं देता, बल्कि उसके ओहदे को देता है. तो ये तोहफे असल में देश के होते हैं, इसलिए इन्हें जमा कराने का नियम बना.

यूक्रेनी राष्ट्रपति से मिले जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा

कीव, 22 मार्च (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा यूक्रेन दौरे पर थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। किशिदा ने रूस-यूक्रेन जंग में मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वो कीव के पास स्थित बूचा शहर भी पहुंचे। यहां के नरसंहार में रूसी सैनिक पर 410 आम नागरिकों की हत्या करने का आरोप है।

जॉइंट न्यूज कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए किशिदा ने यूक्रेन को 470 मिलियन डॉलर (3 हजार 884 करोड़ रुपए) की मदद देने की घोषणा की है। इन पैसों का इस्तेमाल यूक्रेन के एनर्जी सेक्टर और बाकी इंडस्ट्रीज के डेवलपमेंट में होगा। इसके अलावा जापान ने नाटो ट्रस्ट फंड से यूक्रेन को गैर-घातक हथियार खरीदने के लिए 30 मिलियन डॉलर (248 करोड़ रुपए) देने की घोषणा की है।

किशिदा का दौरा दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक

किशिदा ने कहा-जापान यूक्रेन के साथ खड़ा है और हम उन्हें समर्थन देते रहेंगे। एक साल पहले बूचा में मारे गए निर्दोष नागरिकों को देख दुनिया सकते में थी। आज मैं जब इन जगहों पर जा रहा हूं तो मुझे इस अत्याचार पर गुस्सा आ रहा है। जेलेंस्की ने कहा- किशिदा अंतरराष्ट्रीय लेवल पर शांति बनाए रखने के लिए एक पावरफुल डिफेंडर हैं। उनका ये दौरा जापान और यूक्रेन की दोस्ती का प्रतीक है।

G-7 समिट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे जेलेंस्की

जापान मई में हिरोशिमा में G-7 समिट होस्ट करने वाला है। पीएम किशिदा ने इस समिट के लिए जेलेंस्की को न्योता दिया। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल होने का आश्वासन दिया। ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई जापानी प्रधानमंत्री ने जंग में शामिल किसी देश का दौरा किया हो। इसके साथ ही ये G7 ग्रुप के चेयरमैन के तौर पर भी किसी एशियाई देश के नेता की पहली विजिट रही।

यूएस-यूरोप के साथ रूस पर कई प्रतिबंध लगा चुका है जापान

जापान टाइम्स के मुताबिक, भारत से निकलने के बाद किशिदा पहले स्टेट प्लेन से पोलैंड पहुंचे। यहां से वो ट्रेन के जरिए यूक्रेन पहुंचे। किशिदा ने इससे पहले जनवरी में जेलेंस्की से फोन पर बात की थी। तब यूक्रेनी राष्ट्रपति ने उन्हें कीव आने का न्योता दिया था। जापान पहले भी कई बार रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर विरोध जता चुका है। इसके अलावा जापान ने जंग को लेकर रूस पर प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को मानवीय और आर्थिक सहायता देने में भी अमेरिका और यूरोपीय देशों का साथ दिया था। जापान अब तक यूक्रेन को 7 अरब डॉलर की मदद दे चुका है।

बोरिस जॉनसन पर संसद को गुमराह करने का आरोप

ब्रिटेन के पूर्व पीएम बोले-ऐसा जानबूझकर नहीं किया; पार्टीगेट केस में पूछताछ होगी

लंदन, 22 मार्च (एजेंसियां)। ब्रिटेन में पार्टीगेट केस को लेकर आज पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से पूछताछ होगी। जॉनसन ने कोविड के दौरान डाउनिंग स्ट्रीट में पार्टी की थी। बाद में मामला सामने आया तो संसद को सही जानकारी नहीं दी। अब जॉनसन ने माना है कि उन्होंने संसद को गुमराह किया। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि ये गलती अनजाने में हुई। वो जानबूझकर ऐसा नहीं कर सकते। बोरिस ने 52 पेज की फाइल जांच कमेटी को सौंपी। इसमें कहा- मैंने जानबूझकर या लापरवाही से 1 दिसंबर 2021, 8 दिसंबर 2021 या किसी और तारीख पर संसद को गुमराह नहीं किया था। मैंने सिर्फ वहीं कहा जो मेरे वकील ने मुझे लिखकर दिया था। इसके अलावा जो आरोप हैं वो बेबुनियाद हैं।

क्या है पार्टीगेट घोटाला?

दरअसल, साल 2020 में पूरी दुनिया में कोरोना के चलते पाबंदियां लगी हुई थीं। ब्रिटेन में भी लॉकडाउन के साथ हर तरह की गैदरिंग्स पर रोक थी। तब जॉनसन ने अपने 56वें बर्थडे पर डाउनिंग स्ट्रीट में शराब-पार्टी की थी। ये पार्टी उनकी पत्नी ने रखी थी। इसमें पीएम ऋषि सुनक के साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी के कई बड़े नेता मौजूद थे। जब ये मामला संसद में उठा था तो जॉनसन ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद उनपर 4 बार संसद को गुमराह करने के आरोप लगे। अब ब्रिटिश संसद की प्रिवलेज कमेटी इस मामले की जांच कर रही है।

कमेटी की जांच में अगर ये साबित हो जाता है कि जॉनसन ने जानबूझकर संसद को गुमराह किया तो उन्हें लोअर हाउस से सस्पेंड किया जा सकता है। इससे पहले पार्टीगेट केस सहित कई घोटाले के चलते ही जॉनसन को जुलाई 2022 में प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस मामले में ऋषि सुनक पर भी पुलिस ने जुर्माना लगाया था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान-भारत में भूकंप

तीव्रता 6.6:पाकिस्तान में 9 की जान गई, 302 लोग घायल

काबुल, 22 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में रात को भूकंप आया। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.6 रही। एपिसेंटर जुर्म शहर था। इसके झटके पाकिस्तान और भारत में भी महसूस किए गए। पाकिस्तानी मीडिया 'जियो न्यूज' के मुताबिक, 9 लोगों की मौत हुई है। 302 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं।

'जियो न्यूज' के मुताबिक, पाकिस्तान मिट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (पीएमडी) ने भूकंप की तीव्रता 6.8 बताई। भूकंप के झटके इस्लामाबाद, लाहौर, क्वेटा, रावलपिंडी, पेशावर समेत कई शहरों में महसूस किए गए। पीएमडी के मुताबिक, रात 9:47 बजे (पाकिस्तान समय के मुताबिक) भूकंप आया। इसके एक घंटे बाद 3.7 तीव्रता का आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किया गया। इसका केंद्र भी अफगानिस्तान में ही था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) को इमरजेंसी की स्थिति में तैयार रहने को कहा है।

चश्मदीद बोला-30 सेकेंड झटके महसूस हुए

एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक चश्मदीद ने कहा- अचानक सब हिलने लगा। हम डर गए। घरों से बाहर भागे। करीब 30 सेकेंड भूकंप के झटके महसूस हुए। पुलिस के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के स्वात में 250 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 6 लोगों की मौत हुई। इनमें एक महिला है।

अन्य शहरों में 52 लोगों के भर्ती होने की खबर है।

इमारतों की दीवारों पर दरारें आई

पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, भूकंप से इस्लामाबाद और रावलपिंडी में कई ऊंची इमारतों की दीवारों पर दरारें आ गई हैं। इसके बाद लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई घरों के तबाह होने की भी खबर है। रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा हैं।

काबुल में झटके महसूस हुए

भूकंप का एपिसेंटर अफगानिस्तान में था। यहां राजधानी काबुल में झटके महसूस किए गए। रॉयटर्स के मुताबिक भूकंप के चलते 4 लोगों की मौत हुई है। हेल्थ मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन शराफत जमान अमरखेल ने बताया कि सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है।

उत्तर भारत के शहरों में लोग घरों से निकले

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.6 रही। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान मध्यप्रदेश में झटके महसूस किए गए। लोग घबराहट में घरों से बाहर निकल गए। भूकंप से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली।

किम जोंग की बेटी को देख आग-बबूला हुए नॉर्थ कोरिया के लोग

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर कोरया के तानाशाह किम जोंग और उनकी बेटी की तस्वीरें देखकर उनके देश के लोग उनसे खफा नजर आ रहे हैं. किम के साथ उनकी बेटी की तस्वीर के सामने आने के बाद से ही लोग उनके खिलाफ बातें कर रहे हैं. हाल ही में किम जोंग ने इंटरकॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइल की टेस्टिंग की थी. इस दौरान किम जोंग उन के साथ उनकी बेटी भी नजर आई और देखते ही देखते कोरिआई टीवी पर उनकी तस्वीरें तैरने लगीं. इन तस्वीरों को देखकर उत्तर कोरिया के लोग आग-बबूला हो गए. उन्होंने कहा कि वो लोग दो वक्त के भोजन के लिए मोहताज हैं लेकिन किम का परिवार पूरे मौज में जी रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वहां के लोगों ने कहा कि तानाशाह किम जोंग का पूरा परिवार ऐश-ओ-आराम में जीवन बसर करता है. उनके लिए भोग-विलास की सभी सुविधाएं उपलब्ध है. लेकिन हमारी (वहां की जनता) हालत खस्ता हाल है. लोगों ने कहा कि न तो उन्हें रोजगार मिल पा रहा है और जीवन जीने के लिए कोई और साधन, लेकिन तानाशाह का परिवार मौज में रह रहा है. उन्होंने कहा कि तानाशाह की बेटी के खिले हुए गाल देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनकी जिंदगी कितनी बेहतरीन होगी.

किम के परिवार से जुड़ी खबरें मीडिया में बहुत कम ही आ पाती हैं. हालांकि, रिपोर्ट्स की मानें तो किम के परिवार को खास तरह की सुविधाएं दी जाती हैं. उनकी बेटी के लिए घर ही टीचर आते हैं, वो पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जाती.

पानी को लेकर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने बढ़ाई दुनिया की चिंता

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दुनिया में पानी की कमी का संकट झेल रहे देशों में मुसीबत बढ़ने वाली है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दुनिया के दो अरब लोगों यानी 26% आबादी अभी भी साफ और सुरक्षित पेयजल की पहुंच से दूर है। इसके अलावा 3.6 अरब लोग यानी 46% आबादी साफ-सफाई के दायरे से दूर है। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या और बढ़ने वाली है। जहां पानी का संकट है, उन इलाकों में पानी की कमी का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, 'अत्यधिक खपत और जलवायु परिवर्तन ने दुनिया भर में पानी की गंभीर कमी को जन्म दिया है जो स्थानिक बन गया है।' संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह एक वैश्विक संकट का आसन्न जोखिम पैदा कर रहा है। दो अरब लोग अभी भी सुरक्षित पेयजल की पहुंच से दूर हैं और 3.6 अरब लोगों की स्वच्छता तक पहुंच नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग प्रचुर मात्रा में पानी वाले क्षेत्रों के साथ-साथ उन क्षेत्रों में पानी की कमी को और बढ़ा देगा जो पहले से ही तनावग्रस्त हैं। रिपोर्ट की प्रस्तावना में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने लिखा है कि दुनिया आंख बंद करके एक खतरनाक रास्ते पर चल रही है, क्योंकि 'अस्थिर जल उपयोग, प्रदूषण और अनियंत्रित ग्लोबल वार्मिंग' मानवता के जीवन रक्त को बहा रही है। रिपोर्ट के प्रमुख लेखक रिचर्ड कॉनर ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'अगर कुछ नहीं किया जाता है, तो यह एक व्यापार-सामान्य परिदृश्य होगा। दुनिया की 40 से 50 प्रतिशत की आबादी स्वच्छता से दूर रहेगी और लगभग 20-25 प्रतिशत आबादी के पास सुरक्षित जल आपूर्ति की पहुंच नहीं होगी।

पोर्न स्टार स्टॉर्मी के चक्कर में गिरफ्तार हो सकते हैं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। मंगलवार को उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी आशंका जताई। अब इसको लेकर पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल का बयान सामने आया है। स्टॉर्मी ने ट्वीट करके पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का मजाक उड़ाया।

स्टॉर्मी ने एक ट्वीट में अपने फॉलोअर्स से पूछा, 'बहुत खूब! यह एक खूबसूरत सुबह है। हमेशा से मेरा सपना रहा है कि मैं अपने खेत के बरामदे में कॉफी पीऊं और अपने भव्य घोड़े को चरते हुए देखूं। आज कुछ रोमांचक चल रहा है?' एक अन्य पोस्ट में, डेनियल्स ने ट्रंप को 'छोटा' कहा। बताया कि अगर ट्रंप जेल जाते हैं तो वह सड़क पर चलेंगी नहीं, बल्कि नाचेंगी।

अदालत में आरोप तय हो सकता है

ट्रंप पर एक आपराधिक मामले में अदालत आरोप तय कर सकती है। अगर ऐसा होता है कि अमेरिका के किसी भी पूर्व या वर्तमान राष्ट्रपति के साथ ऐसा पहला वाकया होगा। यह मामला पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल के साथ ट्रंप के संबंध का है। मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन ब्रैग ने संकेत दिया है कि वह ट्रंप पर आरोप तय करने वाले हैं। ट्रंप पर यह आरोप तय हो सकता है कि उन्होंने एक पोर्न एक्ट्रेस स्टॉर्मी डेनियल्स को एक लाख 30 हजार डॉलर के भुगतान की बात छिपाई। यह भुगतान 2016 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले किया गया था। ट्रंप के वकील माइकेल कोहेन ने स्टॉर्मी को ये पैसे दिए थे।

व्लादिमीर पुतिन की आलोचना करने वाले रूसी पॉप स्टार की मिली लाश

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आलोचना करने वाले रूसी पॉप स्टार 34 साल के डिमा नोवा मृत पाए गए हैं। बताया जा रहा है कि डिमा नोवा फेसम 'क्रीम सोडा' बैंड के संस्थापक थे। रूस में युद्ध विरोधी प्रदर्शन के दौरान डिमा नोवा का एक गाना काफी फेमस हुआ था जिसमें उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कथित 1.3 बिलियन डॉलर वाली हवेली की आलोचना की थी। डिमा नोवा ने 'एक्वा डिस्को' गाना गाया था जिसे अक्सर मास्को के यूक्रेन पर आक्रमण के विरोध में गाया जाता था और इतना लोकप्रिय हो गया था कि विरोध प्रदर्शन को 'एक्वा डिस्को पार्टी' कहा जाता था। रूसी समाचार वेबसाइट पीपल टॉक ने बताया कि यारोस्लाव क्षेत्र में रूस की वोल्गा नदी पार करते समय डिमा नोवा बर्फ के बीच गिर गए और डूबकर उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटना के समय डिमा नोवा अपने भाई रोमा और दो दोस्तों के साथ थे। पॉप ग्रुप 'क्रीम सोडा' ने डिमा नोवा की मौत की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। ग्रुप ने इंस्टा पर लिखा कि पिछली रात हमारे साथ एक त्रासदी हुई थी। हमारे डिमा नोवा अपने दोस्तों के साथ वोल्गा में चल रहे थे और अचानक बर्फ के नीचे गिर गए।

आईएमएफ हुआ नाराज : पाकिस्तान सरकार को अब 'मित्र देशों' का ही आसरा

इस्लामाबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसका पाकिस्तान के लिए तुरंत ऋण की किस्तें जारी करने का कोई इरादा नहीं है। आईएमएफ ने मंगलवार को कहा कि ऋण पाने के लिए अभी पाकिस्तान को कई और कदम उठाने होंगे। आईएमएफ पाकिस्तान के लिए 6.5 बिलियन डॉलर का ऋण मंजूर कर चुका है। लेकिन ऋण की किस्तें पाने के लिए उसने जो शर्तें लगाई हैं, पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार उन पर पूरा अमल नहीं कर पाई है। इस बीच उसके एक कदम ने आईएमएफ को नाराज कर दिया है।

विश्लेषकों के मुताबिक आईएमएफ के ताजा बयान के बाद पाकिस्तान सरकार पर अपने मित्र देशों सहायता जुटाने का दबाव और बढ़ गया है। पाकिस्तान डिफॉल्ट ना करे (कर्ज चुकाने में अक्षम ना हो) इसके लिए उसे तुरंत अतिरिक्त विदेशी मुद्रा की जरूरत है। विश्लेषकों ने इस तरफ भी ध्यान दिलाया है कि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में अकेला ऐसा देश है, जिसे ऋण देने में आईएमएफ की हिचक अभी तक बनी हुई है। जबकि वह बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए कर्ज जारी करने का फैसला कर चुका है।

पाकिस्तान स्थित आईएमएफ की प्रतिनिधि एस्टर पेरेज रुइज ने कहा है- 'कुछ बिंदुओं के निपटारे के बाद पाकिस्तान को कर्ज देने के लिए स्टाफ लेवल (कर्मचारी स्तर का) करार हो सकता है।' पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने पिछले हफ्ते कहा था कि आईएमएफ चाहता है कि पाकिस्तान को जिन देशों ने वित्तीय मदद देने का वादा किया है, आईएमएफ के ऋण देने से पहले वे अपने वादे पर अमल करें। सरकारी सूत्रों ने ध्यान दिलाया है कि अगले जून तक ऋण चुकाने के लिए पाकिस्तान सरकार को चार बिलियन डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा की जरूरत होगी। आईएमएफ की शर्तों के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। उनमें टैक्स बढ़ाना और ऊर्जा शुल्क में वृद्धि शामिल हैं। लेकिन पिछले दिनों शहबाज शरीफ सरकार ने अचानक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के मालिकों के लिए पेट्रोलियम सब्सिडी का एलान कर दिया। उसके इस कदम से आईएमएफ नाराज हुआ है। रुइज ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार ने यह कदम उठाने के पहले आईएमएफ को इसकी जानकारी नहीं दी। पेरेज ने कहा- 'आईएमएफ के कर्मचारी अब इस कदम के बारे में जानकारी इकट्ठी कर रहे हैं। वे इस पर अमल के तरीके, लागत, लाभार्थियों आदि के बारे में सूचना जुटा रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि इस योजना को लागू करने में धोखाधड़ी और दुरुपयोग से कैसे बचा जाएगा और इस पर जो खर्च आएगा उसकी भरपाई कैसे होगी। आईएमएफ के अधिकारी इस बारे में पाकिस्तान के अधिकारियों से बातचीत करेंगे।'

कराची स्थित आरिफ हबीब कंपनी में अनुसंधान विभाग के प्रमुख ताहिर अब्बास ने अखबार द न्यूज से बातचीत में कहा कि पेट्रोलियम सब्सिडी का एलान करने के पहले सरकार को आईएमएफ को भरोसे में लेना चाहिए था। उन्होंने कहा- 'इस सब्सिडी का परिणाम यह सकता है कि आईएमएफ का ऋण प्रोग्राम शुरू होने में और देर हो जाए।'

बीजेपी की जन आक्रोश रैली अप्रैल में, घेरेंगे सरकार को

बोले-कांग्रेस का हर विधायक खुद को सीएम समझता है, कानून व्यवस्था चौपट

बाड़मेर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी सत्ता में वापसी करने और सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन करने में जुटी है। अब चुनाव नजदीक आते देख आक्रमण होने लगी है। इसकी को लेकर अप्रैल के फर्स्ट वीक में बीजेपी बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश रैली का आयोजन कर सरकार को घेरेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह खारा ने प्रेस वार्ता कर कहा राजस्थान के लोगों ने भूल वश कांग्रेस सरकार बना दी थी। सत्ता में आते ही जनता का सरकार को लेकर जबरदस्त आक्रोश है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस राज में जंगलराज, भ्रष्टाचार व कुशासन बढ़ा है। इससे जनता त्रस्त हो चुकी है। कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी की घोषणा की थी, लेकिन सरकार कार्यकाल पूरा होने वाला है लेकिन कर्ज माफ नहीं

हुआ है। 60 लाख किसानों एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए का कर्जा किसानों पर है। 9 हजार किसानों की जमीन कुर्क कर दी गई है। पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। कानून नाम की कोई चीज नहीं है। हर साल 8 लाख मुकदमें दर्ज हो रहे है। इसमें एक लाख इकसठ हजार महिला उत्पीड़न के है। करीब 6500 हजार रेप इतने मर्डर के मामले दर्ज हो रहे है। औसत देखे तो रोजना 17-18 मुकदमें रेप के दर्ज हो रहे है। साम्प्रदायिक के आधार पर अलग-अलग जिलों में बर्बरतापूर्वक मर्डर कर दिए गए। सरकार का संरक्षण प्राप्त है। सड़कों पर डॉक्टरों पर डंडे बरसाए जा रहे है। वीरागनाओं का अपमान किया जा रहा है। इन्ही सब मुद्दों को लेकर भाजपा अप्रैल के फर्स्ट वीक बाड़मेर जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश रैली होगी। इसमें केंद्रीय व राज्य संगठन के नेता शामिल होंगे।

बाड़मेर संभाग बने, सरकार ने की अनदेखी

जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह ने कहा कि बाड़मेर संवेदनशील इलाका है और यह संभाग बनने की योग्यता रखता है। बाड़मेर को संभाग बनाने की मांग को सीएम ने अनदेखा कर सीएम अशोक गहलोत ने बंदरबांट की गई। जोधपुर 65 किमी दूर पाली को संभाग बना दिया लेकिन जोधपुर से 200 किमी दूर बाड़मेर को नहीं बनाया। बाड़मेर की अनदेखी को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में रोष है। हर विधायक खुद को सीएम समझता है।

जिलाध्यक्ष खारा ने कहा कि कांग्रेस का हर विधायक अपने आप को सीएम से कम नहीं समझता है। कानून और प्रशासन को अपने हिसाब से चलाता है। पुलिस के हाथ बंधे हुए है। वो चाहते हुए भी कानून व्यवस्था नहीं बना पा रही है।

विधायक आपसी लड़ाई में उलझे हुए है। पायलट और गहलोत के बीच में सीएम कुर्सी की रेस चल रही है। आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जनता सबक सिखाएगी। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष आदूराम मेघवाल, दिलीप पालीवाल, भाजपा महामंत्री बालाराम मूंढ, प्रवक्ता ललित बोथरा मौजूद रहें।

पायलट के समर्थन में उतरे मंत्री खाचरियावास

बोले- एक व्यक्ति-गुट हावी हो तो मनमानी होती है

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस में खेमेबंदी के चलते सियासी खींचतान फिर तेज होने के आसार बन गए हैं। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के गहलोत कैंप पर सवाल उठाने के बाद अब बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। पायलट के विधायक दल की बैठक बुलाने पर सवाल उठाने का खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने समर्थन किया है।

पायलट समर्थक और लाडनूं (नागौर) विधायक मुकेश भाकर ने गहलोत समर्थक नेताओं पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से जब विधायक दल की बैठक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- जब विधायक कहेंगे तो विधायक दल की बैठक बुला लेंगे।

सचिन पायलट के विधायक दल की बैठक नहीं बुलाने पर सवाल उठाने का खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा-

जब एक ही व्यक्ति, एक ही ग्रुप पार्टी पर हावी हो जाए तो फिर मनमानी होती है।

पायलट को अपनी बात कहने का हक है। उनकी बात का जवाब देने का हक केवल हाईकमान को है। पार्टी और सरकारों में बैलेंस होता है तो पार्टी भी मजबूत होती है। सरकार भी मजबूत होती है। इस तरह की बातें चलने से पार्टी कमजोर नहीं होती। पार्टी में बैलेंस रहता है। खाचरियावास ने कहा- सचिन पायलट के बयान का स्वागत होना चाहिए। यह टकराव थोड़े ही है। मेरे और पायलट के बीच कोई लड़ाई नहीं है। वो जमाने गए। कोई ज्यादा उछल रहा है और किसी में दम है तो खिलाफ बोलकर दिखा दे। यदि सचिन पायलट राजस्थान की जनता की और विधायकों की आवाज उठा रहे तो यह उनका हक है।

खाचरियावास ने कहा- जब राहुल गांधी का बयान आ गया कि पायलट पार्टी के असेट हैं। ऐसे में वे कोई भी मुद्दा उठाते हैं तो उस मुद्दे का सम्मान हाईकमान भी करता है। हम भी करते हैं। सचिन पायलट ने पार्टी लाइन से अलग हटकर कोई बात नहीं की है।

वह तो पार्टी लाइन की बात कर रहे हैं। उन्होंने हाईकमान के मुद्दे को उठाया है। उनकी अपनी आवाज है। हर व्यक्ति को अपनी आवाज उठाने का हक है। कोई व्यक्ति खुद के अधिकारों के लिए नहीं लड़ सकता तो वह दूसरों को अधिकार नहीं दिला सकता। जो लीडर अधिकारों के लिए लड़ रहा हो, उसके साथ जनता की ताकत होती है। लाडनूं विधायक मुकेश भाकर ने कहा- राजस्थान की जनता से आप पूछने जाओगे कि कांग्रेस कौन है तो गांधी परिवार, खड़गे साहब का ही नाम आएगा। ऐसा थोड़े ही है कि कोई दूसरा पावर सेंटर बन गया।

जिन लोगों ने अनुशासनहीनता की है, जिन लोगों ने राजस्थान कांग्रेस और हाईकमान को नीचा दिखाया है, उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

राजस्थान में ओपीडी-इमरजेंसी बंद, नहीं मिल रहा इलाज

ऑपरेशन टले, स्ट्रेचर पर दर्द से कहराते रहे मरीज; एसएमएस हॉस्पिटल में मरीजों की भीड़

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में रेजिडेंट और प्राइवेट हॉस्पिटल के 6 हजार डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए। रेजिडेंट्स के कार्य बहिष्कार से बुधवार को एसएमएस हॉस्पिटल समेत प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में हेल्थ सर्विसेज गड़बड़ा गई। ऑपरेशन टाल दिए गए, मरीज स्ट्रेचर पर दर्द से कहराते रहे। ओपीडी में मरीजों की भीड़ लगी है। डॉक्टर को दिखाने के लिए तीन घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है। मरीज परेशान हो रहे हैं।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. रमन शर्मा ने बताया कि सभी फेकल्टी मेंबर को ओपीडी में लगाया है। भीड़ बहुत ज्यादा है, मरीजों का टेस्ट कर दवा दी जा रही है।

इमरजेंसी केस होने में वहीं पर पूरा ट्रीटमेंट दे रहे हैं और इसके बाद वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा है। इमरजेंसी में नर्सिंग स्टाफ और

इंटर्न को लगा रखा है। रेजिडेंट्स डॉक्टर्स नहीं होने पर काम का प्रेशर काफी ज्यादा है, लेकिन पूरी टीम बेहतर तरीके से मैनेज कर रही है।

पिलानी (झुंझुनूं) से जयपुर आई आशा तिवाड़ी ने बताया कि तीन घंटे से बच्ची को लेकर घूम रही हूं। जेके लोन हॉस्पिटल गए थे, वहां बताया कि हड़ताल है। इसलिए एसएमएस हॉस्पिटल जाओ। यहां भी बच्ची को लेकर घूम ही रही हूं।

वहीं श्रीमाधोपुर (सीकर) से आए द्वारका यादव ने बताया कि मैं मम्मी को दिखाने जयपुर आया था। यहां पता चला कि हड़ताल है। पिछले दो घंटे से यहां पर खड़ा हूं।उदयपुर में ऑपरेशन टल

उदयपुर एमबी हॉस्पिटल में 400 रेजिडेंट्स डॉक्टर्स हड़ताल पर है। हड़ताल के कारण 80 से ज्यादा ऑपरेशन टालने पड़े। इनमें सिजेरियन, मेजर सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और माइनर ओटी शामिल है। रेजिडेंट के हड़ताल पर जाने से आरएनटी मेडिकल कॉलेज में पढ़ाने वाले करीब 50 डॉक्टर्स को आउटडोर और अन्य जगह ड्यूटी पर लगाया है।

यहां पई गांव निवासी मरकी बाई ने बताया कि उसके बेटे का बाइक से एक्सीडेंट हो गया था। मुंह फट गया और पैर में चोट लगी। वह ट्रोमा इमरजेंसी में करीब एक घंटे तक बेटे को स्ट्रेचर पर लेकर खड़ी रही। बेटा दर्द से कराहता रह, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिला। ऐसे ही कई परिजन अपने मरीज को लेकर डॉक्टर का इंतजार करते रहे।

इधर, जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर सभी डॉक्टर्स इकट्ठा हुए। यहां विरोध में अपने रजिस्ट्रेशन, मार्कशीट और राइट टू हेल्थ बिल की कॉपी जलाकर विरोध किया।

प्राइवेट हॉस्पिटल समेत डॉक्टरों से जुड़े दूसरे संगठन भी आज अपनी आगे की रणनीति बनाने के लिए एसएमएस हॉस्पिटल के जेएमए सभागार में जुटेंगे। संभावना है यहां वे राज्य सरकार की सभी सरकारी हेल्थ स्कीम (चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, आरजीएचएस) का हमेशा के लिए बहिष्कार करने का निर्णय कर सकते हैं।

अजमेर में दूसरे दिन भी विरोध जारी रहा। जेएलएन मेडिकल कॉलेज में प्राइवेट, सीनियर्स और रेजिडेंट डॉक्टर्स की ओर से प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद डॉक्टर्स के अपनी डिग्री की फोटो कॉपी जलाकर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। वहीं जेएलएन हॉस्पिटल के रेजिडेंट डॉक्टर्स संपूर्ण कार्य बहिष्कार पर चल रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने मंगलवार को बिल पर बहस के जवाब के दौरान प्राइवेट अस्पतालों को निशाने पर लिया था। मीणा ने कहा- गरीब का इलाज नहीं करने पर कोई कितना भी बड़ा हो, हम कार्रवाई करेंगे। डॉक्टर सरकार को डराने की कोशिश न करें। डॉक्टर आंदोलन करें। आंदोलन करने से कौन मना करता है। डॉक्टर्स को धर्म निभाना चाहिए। किसी का इलाज करना डॉक्टर का पहला धर्म होता है।

राजस्थान में 30% कम पढ़ेंगे 1 करोड़ से ज्यादा बच्चे

6-12वीं तक के सिलेबस में कटौती, नए सेशन में बंटेगी नई किताबें

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अब 6 से 12वीं तक के करीब लाखों स्टूडेंट्स को 30% कम सिलेबस पढ़ना पड़ेगा। कोरोना काल के बाद स्टूडेंट्स पर पढ़ाई के दबाव को कम करने के लिए सिलेबस में 30% की कटौती की गई है। कम सिलेबस वाली नई किताबें इसी सैशन में बच्चों को पढ़ने के लिए मिल जाएंगी। राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल बुधवार से इन किताबों का डिस्ट्रीब्यूशन शुरू करने जा रहा है। स्कूली सिलेबस में हुए इतने बड़े बदलाव को लेकर स्टूडेंट के साथ ही उनके पेरेंट्स के मन में भी कई सवाल उठ रहे हैं। ये 30% सिलेबस कम क्यों किया गया है? क्या जो सिलेबस कम हुआ है, वो अगले साल पढ़ाया जाएगा? इन सभी सवालों का जवाब शिक्षाविद् और इस बदलाव में शामिल रहे अधिकारियों से लिया साथ ही स्टूडेंट्स के लिए सबसे पहले कौनसे सब्जेक्ट से कौनसे टॉपिक हटाए गए हैं...

राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल के सचिव विनोद पुरोहित ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र 2023-24 के सिलेबस में 30% की कटौती की गई है। ये बदलाव एनसीईआरटी की तर्ज पर कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों में किए गए हैं। ताकि कोरोना काल के बाद स्टूडेंट्स पर किसी तरह का दबाव ना बने। इसके साथ ही स्टूडेंट्स अच्छी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा हासिल कर सकें। पुरोहित ने बताया कि पाठ्य पुस्तक मंडल की ओर से एक्सपर्ट कमेटी की देखरेख में ही विषय वार अनुपात के आधार पर सिलेबस में कटौती की गई है। सिर्फ कठिन या सिर्फ सरल टॉपिक को नहीं हटाया गया है। बल्कि पूरे सिलेबस को आनुपातिक रूप से ही कम किया गया है। ताकि स्टूडेंट्स फोकस होकर अच्छे से पढ़ाई कर सकें। राजस्थान की जो भी स्कूल प्रदेश के बोर्ड द्वारा एफिलिएटेड हैं, वहां पाठ्य पुस्तक मंडल की किताबें ही मान्य होंगी। इसके लिए 22 मार्च तक नई पुस्तकें स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध हो जाएगी। राजस्थान में पाठ्य पुस्तक मंडल द्वारा एनसीईआरटी की तर्ज पर ही सिलेबस तैयार किया जाता है। इस बार एनसीईआरटी ने अपने सिलेबस में 30% तक की कटौती की है। ऐसे में राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल भी अपनी किताबों में 30% तक की कटौती कर रहा है। जिसे नए शैक्षणिक सत्र में कक्षा 6 से बारहवीं तक के स्टूडेंट्स को पढ़ने के लिए जल्द ही वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल की किताबें एनसीईआरटी से बेहतर है। हमने भी 30% सिलेबस में कटौती की है।

'डिज्नीलैंड' में 100 की स्पीड से जमीन पर गिरा झूला

अजमेर के मेले में मची चीख-पुकार; बच्चों की हड्डियां टूटीं, खून से लथपथ

अजमेर, 22 मार्च (एजेंसियां)। एक फन फेयर में अचानक धमाके की आवाज हुई और चारों ओर चीख पुकार मच गई। रोते बच्चों की आवाजें दिल को दहलाने वाली थी और मां-बाप पूरे फेयर ग्राउंड पर बदहवास इधर-उधर दौड़ रहे थे। ये डरावना नजारा था मंगलवार शाम को अजमेर के एक मेले में हुए हादसे का।

यहां के कुंदन नगर में लगे डिज्नीलैंड फेयर में अचानक ही 100 किमी. की स्पीड से एक झूला जमीन पर आ गिरा। एक्सीडेंट इतना भीषण था कि 24 घंटे बाद भी इस हादसे का शिकार हुए बच्चे और बड़ों के आंसू थम नहीं रहे है।

हादसे में कई बच्चों के हाथ की

हड्डियां टूट गई हैं तो किसी का सिर फूट गया है। हादसे में 15 लोग घायल हुए थे, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल है।

मेले और झूले की स्वीकृति प्रशासन ने दी, लेकिन झूलों की फिटनेस की जांच नहीं की गई। प्रशासन भले ही झूलों की फिटनेस सही होने का दावा करें, पता चला कि यहां लगाए गए झूले निर्धारित मानकों पर खरे है या नहीं, इसे जांचने की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। एडीएम सिटी भावना गर्ग ने बताया कि मेले से संबंधित परमिशन ली गई थी। झूलों को लेकर मौके का निरीक्षण भी किया गया था, लेकिन जानकारों ने बताया कि झूलों की फिटनेस सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स की ओर से जांची जाती है। विभाग के एक्सईएन रवि बंसल ने बताया कि उनको मेले की कोई सूचना नहीं और न ही मेले में लगे झूलों को जांचने के लिए कोई टीम गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि झूला केबल के सहारे ऊपर चढ़ता है। उसी के सहारे नीचे उतरता है। ऐसी स्थिति में केबल के खुलने या टूटने के कारण यह हादसा हुआ है। वास्तविक कारण क्या है? इसका जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा। एडीएम सिटी ने कहा- मंगलवार को यह हादसा कैसे हुआ? हादसे का क्या कारण है? इसके जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। व

वहीं चीफ फायर ऑफिसर संजय शर्मा ने बताया कि मेले के आयोजन की स्वीकृति सशर्त दी जाती है। इसके लिए कलेक्ट्रेट से लेटर आया था।

राजस्थान में फिर गिरेंगे ओले, किसानों को चेतावनी

तेज बारिश और आंधी का भी अलर्ट; अगले सप्ताह से बदलेगा मौसम

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार हो रही बारिश के कारण मौसम में ठंडक बनी हुई। हालांकि, किसानों के लिए ये चिंता का सबब बना हुआ है। राजस्थान में देर रात एक बार फिर बारिश के साथ ओले गिरे। बीकानेर में अचानक बदले मौसम के बाद घने बादल छा गए। साथ ही रात करीब 9 बजे बारिश हुई। वहीं, बाड़मेर के आसपास भी बारिश हुई। राजस्थान के कुछ जिलों में भले ही बारिश-ओलावृष्टि थम गई है, लेकिन कहीं-कहीं बादल छाए रहे। अब एक दिन राहत के बाद 23 मार्च से फिर बारिश और ओले गिरेंगे।

दरअसल, राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिकल सर्कुलेशन सिस्टम बन रहा है। इसके कारण जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और जयपुर संभाग के जिलों में 23 से 25 मार्च तक तेज हवा चलने के साथ बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ सकती है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक बारिश-ओलावृष्टि का ये दौर 25 मार्च की शाम से थमने लगेगा। 26 मार्च से मौसम साफ होने के साथ गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि इस सिस्टम का असर 24 मार्च को बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के हिस्सों में देखने को मिलेगी, लेकिन 25 मार्च से इस सिस्टम का असर कम होने लगेगा और बारिश-ओलावृष्टि की गतिविधियां कम होने लगेगी।

राजस्थान में मंगलवार देर शाम बाड़मेर, जैसलमेर, गंगानगर में देर शाम बारिश हुई। इससे पहले बाड़मेर में कल दिन का अधिकतम तापमान करीब 4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 33 पर पहुंच गया था, जिससे यहां गर्मी थोड़ी बढ़ गई थी।

शाम होते ही मौसम में बदला और यहां करीब 1मिमी बारिश हुई। यही मौसम जैसलमेर में भी देखने को मिला, जहां दिन में गर्मी थी, लेकिन देर शाम बारिश के बाद वहां भी ठंडक हो गई। वहीं गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश के साथ ओले भी गिरे।

बोर्ड एग्जाम देकर लौट रहे दो छात्रों की मौत

स्कूटी और बाइक की भिड़ंत,एक गंभीर घायल,अजमेर रेफर

ब्यावर, 22 मार्च (एजेंसियां)। ब्यावर सदर थाना क्षेत्र के नाडी गांव तिराहे पर बोर्ड परीक्षा देकर घर लौट रहे छात्रों की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं दो छात्र घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने चारो छात्रों को राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय ब्यावर पहुंचाया। जहां घायल छात्रों का डॉक्टरों ने उपचार किया लेकिन गंभीर हालत होने पर एक को अजमेर रेफर कर दिया। जबकि दूसरे घायल को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। वहीं मोनू और हसन अली के शव को मोर्चरी में रखवाया।

नया गांव निवासी हसन पुत्र कैलाश काठात और मनीष पुत्र नेमीचंद रेगर अपनी एक्टिवा पर सवार होकर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झाक स्थित परीक्षा केंद्र से एग्जाम देकर लौट रहे थे। दोनों छात्र नाडी तिराहे पर पहुंचे थे कि उधर बाइक पर सवार होकर मोनू पुत्र प्रभूसिंह रावत निवासी जीवाणा और लोकेन्द्र पुत्र कजोडमल निवासी रूपाहेली भी झाक परीक्षा केन्द्र से परीक्षा देकर लौट रहे थे। इस दौरान दोनों दोपहिया वाहनों की नाडी तिराहे पर एक बजे आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार हसन(18) और बाइक सवार मोनू(16) की मौत हो गई। जबकि स्कूटी सवार मनीष और बाइक सवार लोकेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने चारों को ब्यावर स्थित राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय पहुंचाया। जहां पर गंभीर रूप से घायल लोकेन्द्र का प्राथमिक उपचार कर उसे अजमेर के लिए रेफर किया। वहीं घायल मनीष को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पास होने पर काम पर लौटे अधिवक्ता

एक महीने से कर रहे थे कार्य बहिष्कार, बाइक रैली निकालकर जताई खुशी

डूंगरपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राज्य सरकार की ओर से मंगलवार को विधानसभा में एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को पास कर दिया गया है। एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पास होने के बाद डूंगरपुर जिले में अधिवक्ता बुधवार से काम पर लौट आए हैं। डूंगरपुर बार एसोसिएशन ने शहर में बाइक रैली निकालकर बिल पास करने पर सरकार का आभार जताया है। राजस्थान के अधिवक्ता एक महीने से बिल पास करवाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

जोधपुर में हाईकोर्ट के अधिवक्ता की हत्या के बाद से डूंगरपुर जिले सहित प्रदेशभर के अधिवक्ता प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पास करने की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने तक न्यायालयों में अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार भी चल रहा था। मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में राज्य सरकार ने अधिवक्ताओं की मांग को पूरा करते हुए एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल को पास कर दिया है। बिल पास होने के बाद डूंगरपुर जिले में करीब एक महीने बाद बुधवार से अधिवक्ता अपने काम पर लौट आए हैं। अधिवक्ताओं के डूंगरपुर जिला न्यायालय पहुंचने पर जिला बार एसोसिएशन के आव्हान पर अधिवक्ताओं ने शहर में बाइक रैली निकाली। बाइक रैली जिला कोर्ट से रवाना हुई जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस कोर्ट परिसर में जाकर संपन हुई। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक दीक्षित ने एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल पास करने पर सीएम अशोक गहलोत और सरकार का आभार जताया है।

शिवरामपल्ली में मंगलपाठ का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकन्दराबाद के तत्वावधान में साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के पावन सान्निध्य में विक्रम संवत 2080 के शुभागमन पर वृहद मंगलपाठ का भव्य आयोजन राघवेन्द्रा कॉलोनी शिवरामपल्ली में किया गया। इस वृहद आयोजन में संभागी विशाल जनमेदिनी को प्रतिबोधित करते हुए साध्वी श्री जी ने कहा कि आज नए वर्ष की शुरुआत नए संकल्प के साथ हो। अध्यात्म का स्वर्णिम सूर्योदय हर वक्त होता रहे। ऊर्जा और शक्ति के साथ जिन्दगी के हर लम्हे को सार्थक बनाने की साधना करनी चाहिए। साध्वीश्री जी ने विशिष्ट प्रभावक जैन मंत्रों के साथ वृहद मंगल पाठ का श्रावण करवाया। मंगलमंत्र श्रवण कर श्रावक परिवार ने आनन्दानुभूति की एवं इस प्राप्त अवसर को अपना सौभाग्य बताया। इस अवसर पर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बैद ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किये। साध्वी राजुल प्रभा जी ने कहा- नए वर्ष में नए संकल्पों के साथ हम प्रवेश करें। संघ और संघपति के प्रति गहन आस्था रखते हुए सफलता के सोपान पर चढ़कर लक्षित मंजिल का वरण करें। साध्वी सुदर्शन प्रभा जी, साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी राजुल प्रभा जी, साध्वी चैतन्य प्रभा जी एवं साध्वी सौर्य प्रभा जी ने "नव दिनकर की अरुणिमआभा है मंगलकारी" गीत का संगान कर सभी को आध्यात्मिक शुभकामनाएं दी। साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। साध्वी श्री जी ने गुरुदेव श्री महाश्रमण जी के दीक्षा स्वर्णजयन्ती के अवसर पर श्रावक समाज को 5 करोड़ जप करने की प्रेरणा दी। साध्वी श्री जी की प्रेरणा से चार मई से यह जप प्रारंभ होगा, सैंकड़ों भाई-बहन संभागी बन रहे है। सिकन्दराबाद चातुर्मास से पूर्व क्षेत्र संभाल हेतु यात्रा जारी है। ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप के प्रति लोगों में अच्छा उत्साह नजर आ रहा है। कार्यक्रम का सफल संचालन साध्वी चैतन्यप्रभा जी ने किया।

106 हस्तियों को पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 106 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने पहला सम्मान आर्किटेक्ट बालकृष्ण दोषी को दिया। उनकी बेटी ने पिता को मिला पद्म विभूषण सम्मान ग्रहण किया। इसके बाद बिजनेसमैन कुमार मंगलम बिड़ला को व्यापार और उद्योग क्षेत्र में योगदान के लिए 22 मार्च को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

बिड़ला परिवार में पद्म पुरस्कार पाने वाले कुमार मंगलम चौथे व्यक्ति बन गए हैं। इससे पहले उनकी मां राजश्री बिड़ला को पद्म भूषण, दादा बसंत कुमार बिड़ला को पद्म भूषण और उनके परदादा घनश्याम दास बिड़ला को पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पंडवानी गायिका उषा को पद्म श्री से नवाजा गया। उन्होंने सम्मान लेने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रणाम किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति के पैर छूकर सम्मान ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, विदश मंत्री एस. जयशंकर, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

आज से ट्रेन में एसी 3-टियर इकोनॉमी का सफर सस्ता

इंडियन रेलवे ने किराया घटाया, चादर और कंबल पहले की तरह मिलते रहेंगे

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे ने आज से पुराने सिस्टम को लागू करते हुए एसी 3-टियर इकोनॉमी क्लास का किराया कम कर दिया है। अब एसी -3 टियर की तुलना में इकोनॉमी क्लास में यात्री को 60-70 रुपए कम देने होंगे।

रेलवे ने सितंबर 2021 में सस्ती एसी यात्रा सर्विस देने के लिए एसी -3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत की थी, लेकिन नवंबर 2022 में एसी 3-टियर इकोनॉमी और एसी 3-टियर के मर्जर के कारण दोनों क्लास का किराया बराबर हो गया था।

टिकट बुक करा चुके यात्रियों को रिफंड किया जाएगा

रेलवे ने आदेश जारी करते हुए कहा कि जिन यात्रियों ने पहले ही आज से आगे की डेट के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन टिकट बुकिंग की है, उन्हें नई दरों के हिसाब से पैसा रिफंड किया जाएगा। हालांकि काउंटर के जरिए ऑफलाइन टिकट बुक करवाने वाले यात्रियों को बचा हुआ पैसा वापस लेने के लिए अपने टिकट के साथ फिर से बुकिंग काउंटर जाना पड़ेगा।

इकोनॉमी कोच में मिलते रहेंगे चादर-कंबल

जब रेलवे ने एसी -3 इकोनॉमी कोच की शुरुआत की तो उसमें यात्रियों को चादर और कंबल नहीं दिए जाते थे, लेकिन इस क्लास को एसी -3 में मर्ज करने के बाद किराया बराबर कर दिया गया था। इससे एसी-3 इकोनॉमी कोच में भी चादर और कंबल दिए जाने लगे।

अब रेलवे ने पुराने सिस्टम को फिर से लागू तो कर दिया है, लेकिन चादर और कंबल देने की व्यवस्था को वापस नहीं लिया गया है।

इकोनॉमी कोच में सीट की चौड़ाई कम

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक नॉर्मल थर्ड एसी कोच में %2 बर्थ (सीट) होती हैं, जबकि एसी-3 इकोनॉमी कोच में 80 बर्थ होती हैं।

ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि नॉर्मल थर्ड एसी कोच की तुलना में एसी इकोनॉमी कोच में बर्थ की चौड़ाई थोड़ी कम होती है।

क्या है एसी -3 इकोनॉमी कोच?

लखनऊ स्थित रेलवे के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन ने एसी -3 इकोनॉमी क्लास के कोच तैयार किए थे। यह स्लीपर क्लास का एडवांस वर्जन है। एसी -3 इकोनॉमी कोच स्लीपर की तुलना में ज्यादा आरामदायक और सुविधाओं से लैस है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद ने देश के लोगों की ट्रैवलिंग हैबिट पर रिसर्च कर किताब तैयार की थी।

इस किताब में सफर के दौरान लोगों की जरूरतों का जिक्र है। इसी रिसर्च को ध्यान में रखकर नए कोच डिजाइन किए गए हैं। कोच का लेआउट स्लीपर कोच की तुलना में काफी अलग है। इनकी फिनिशिंग भी काफी लग्जरी है।

AC-3 इकोनॉमी कोच में क्या खास

- AC-3 इकोनॉमी कोच में AC के कंट्रोल नहीं होते
- कोच में टॉयलेट को छोड़ पूरे एरिया में सीट होती है
- ये कोच 160 km/h की स्पीड से दौड़ सकते हैं
- माइका और फाइबर से कोच की फिनिशिंग की गई है
- एडवांस सस्पेंशन से जर्क और झटके नहीं लगते हैं

उचित मैरेज ब्यूरो की व्यवस्था हो : भरत कुमार शाह

हैदराबाद, 22 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। जीजीवीवीएस के चेयरमैन भरत कुमार आर. शाह ने कहा कि, एक ऐसी उचित मैरेज ब्यूरो की व्यवस्था हो, जो, हैदराबाद मैट्रिमोनियल विंग का नेतृत्व करता हो। तत्संबंधित मैट्रिमोनियल हेड आफिस जोकि, 1-10-64, 3री मंजिल, फास्ट्रैक शोरूम के उपर, बेगमपेट मेन रोड, हैदराबाद पर स्थित है।

इस संदर्भ में, जीजीवीवीएस के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, वैश्विक((ग्लोबल) गुजराती वैष्णव वाणिक समाज-जीजीवीवीएस जो एक वैश्य जाति से जुडा स्वैच्छिक संगठन है। इस ((ग्लोबल) समाज के संस्थापक आयोजक व चेयरमैन/अध्यक्ष भरत कुमार आर. शाह हैं तथा जिसमें साउथ/इस्ट इंडिया के वाईस चेयरमैन राजेश शाह हैं। इनका एकमात्र लक्ष्य यह है कि, तत्संबंधित सभी के स्वयं विकासार्थ समस्त वैष्णव जन को वैश्विक मंच पर एकत्रित किया जाए। इस हेतु विभिन्न क्षेत्रों जैसे व्यापार विकास, शिक्षा, वैवाहिक, रोजगार एवं सेवाएं, वरिष्ठ जन हेतु सामाजिक सुरक्षा एवं महिला गतिविधियां कार्यरत हैं। इस आशय से जुडी लगभग 60 शाखाएं जो विश्व के प्रमुख देशों जैसे केनडा, युएसए, आफ्रिका, सूरत, बडौदा, दिल्ली आदि शहरों में सक्रिय तौर पर व्याप्त है। किसी भी स्वैच्छिक संगठन की सफलता की पीछे महिला का समर्थन होता है तथा जिसमें जीजीवीवीएस हैदराबाद चैप्टर से जुडी वूमेन्स विंग के सलाहकार एवं प्रशासक या संचालिका के रुप में कार्यरत श्रीमती रुपा बेन शाह एवं श्रीमती मनिषा लोद की सक्रिय भूमिका रही है तथा इसे राजेश शाह, सुधीर शाह व संदीप शाह का पूरा समर्थन प्राप्त है एवं इस संगठन के उत्तरोत्तर विकासार्थ मुख्य समिति की भी अहम भूमिका रही है। चूंकि हम सभी इस तथ्य से अवगत हैं कि, बालिग बालक-बालिकाओं का विवाह सही व्यक्ति होना बहुत बडा कठिनतम कार्य है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, जहां पर लोग एक दूसरे से बहुत दूर सूदर स्थानों पर निवास करते हैं तथा जहां पर तत्संबंधित समुदाय के नजदीकी जन बहुत मात्रा में निवसित होते हैं। इसके चलते समय की आवश्यकता है कि, एक ऐसा उचित मैरेज ब्यूरो की व्यवस्था हो जो, हैदराबाद मैट्रिमोनियल विंग का नेतृत्व करता हो। इसके लिए संबंधित समिति के सदस्यों जैसे श्रीमती संगीता मेहता, श्रीमती शीतल शाह, श्रीमती मेनका शाह, श्रीमती शीलू धाबालिया, श्रीमती मोनाली मेहता, श्रीमती रीता धारिया, श्रीमती मीना शाह एवं श्रीमती नीता शाह आदि स्वैच्छिक सेवा प्रदान करने इच्छुक हैं।

मां वैष्णव देवी का विशाल जागरण 25 को : अंजनी कुमार अग्रवाल

मां वैष्णव देवी जागरण मंडल द्वारा भूमि पूजन किया गया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मां वैष्णव देवी जागरण मंडल के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर इस माह की 25 तारीख को मां वैष्णव देवी विशाल जागरण मनाया जा रहा है। शनिवार को होने वाली मां वैष्णव देवी विशाल जागरण की व्यवस्था के प्रारंभिक संकेत के रूप में वैष्णव देवी जागरण मंडल कोर वर्किंग कमेटी के सदस्यों ने बुधवार को हैदराबाद के गोशामहल पुलिस मैदान में भूमि पूजन किया. अंजनी कुमार अग्रवाल ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मीडिया को बताया कि हिंदू धर्म के संरक्षण के कर्तव्य के तहत और मानव जाति के कल्याण के लिए शारदीय नवरात्रि के अवसर पर इस महीने की 25 तारीख को हमारी मां हैदराबाद के गोशामहल पुलिस मैदान में बड़ी संख्या में वैष्णव देवी विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है। जम्मू में मां वैष्णव देवी माता मंदिर के पुजारी लोकेश पुजारी इस जागरण में पूजा करेंगे और हमारे राज्य की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन, केंद्रीय और राज्य के मंत्रियों, आईएएस, आईपीएस और सरकारी अधिकारियों को इस अवसर पर आमंत्रित किया गया है।

अनुमान है कि लगभग 20 हजार भक्त शामिल होंगे, मुफ्त प्रवेश और जलपान और रात्रिभोज प्रदान किया जाएगा। खास बात यह है कि जम्मू में मां वैष्णव देवी माता मंदिर से लाया गया प्रसाद और कोषागार सिक्के 5 हजार श्रद्धालुओं को मुफ्त में भेंट करेंगे। इस जागरण में। उन्होंने कहा कि टी सीरीज के प्रसिद्ध गायक कुमार विशु, कलकत्ता के प्रसिद्ध भक्ति गायक नवीन जोशी और स्थानीय गायक भी भाग लेंगे। 25 को शाम 7 बजे, देवी पूजा के बाद अकंद ज्योति की रोशनी से जागरण शुरू होगा, कलाकार भजन और गीतों के साथ भक्तिमय माहौल बनाएंगे। 'माता का जागरण' के दौरान भक्तों को देवी की उपस्थिति का एहसास होगा। उन्होंने लोगों से शुभ अवसर का लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में भाग लेने और पूरे दिल से अम्मा का आशीर्वाद लेने का आग्रह किया। अंजनी कुमार अग्रवाल ने बताया कि सुबह-सुबह महाआरती के साथ जागरण का समापन होगा। इसमें मां वैष्णव देवी जागरण मंडल कोर वर्किंग कमेटी के सदस्य राम किशन अग्रवाल, राकेश नरसिंह पुरिया, संजय अग्रवाल, अंजनी सर्वयोगी, राकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, धीरज अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, ललित अग्रवाल, हरिओम गर्ग सहित अन्य कार्यक्रम में शामिल हुए।

रामकोट स्थित कच्छी भवन में गोसर भाविक मंडल द्वारा कुलदेवी दादल माताजी की सामूहिक पेढी में उपस्थित महिलाएं।

रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मेडचल रोड स्थित कल्लाकल यादेवी श्री आईजी एसवीएसटी गोशाला में किया गया। आज याह प्रेस वज्ञप्ति में कैलाश प्रजापति ने बताया कि एकशाम गौमाता के नाम भजन संध्या कार्यक्रम में युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन तलसिमिया सिकिल सोसायटी ब्लड बैंक के सहयोग से किया गया। शिविर में युवा मंच द्वारा 57 यूनिट्स रक्त का संग्रह किया गया सभी रक्त दाताओं ने बड़ चाड कर भाग लिया। ब्लड बैंक के और से टीम युवा मंच को प्रस्तुति पत्र एवं ममेंटो देकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में युवा मंच के पूर्व उपाध्यक्ष मदनलाल प्रजापति, प्रांत के रक्तदान संयोजक अरविंद कडेल, सिकंदराबाद शाखा के मंत्री मनोज जैन, मेडचल शाखा अध्यक्ष भिकाराम गुर्जर, मंत्री संदीप शर्मा, जयेश सोलंकी, संजय सीरवी, सोहनलाल, सेषाराम, चिम्नाराम बहादुर गुर्जर एवं अनिए सदस्य उपस्थित हुए।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना महिला समिति का गणगौर उत्सव संपन्न

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना महिला समिति का गणगौर उत्सव कार्यक्रम, घासी बाजार स्थित राणी सती मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती सीता देवी व भावना जालान द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अवसर पर आभास के राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने उपस्तीत सभी महिलाओं को गंगौर उत्सव की बधाई दी साथ में तेलंगाना के मानद मंत्री विनय जैन 250 से भी अधिक महिलाओं की उपस्थिति को देखते हुए महिला समिति अध्यक्ष रिंकू गर्ग एवम मंत्री रेखा अग्रवाल को बधाई दी। कार्यक्रम में घूमर नृत्य,राजस्थानी ड्रेस, इस्सर- गौर, शिव बाल स्वरूप आदि प्रतियोगिताओ में सभी ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। घूमर में पहले विजेता गीता अग्रवाल, दूसरे सीमा अग्रवाल, तीसरे पारुल एवम राधिका रहे। शिव बालस्वरूप के विजेता हिरव अग्रवाल, मनीष रियासिका रही। इस्सर - गोर के प्रथम विजेता चेतना व स्वेता अग्रवाल रही, द्वितीय विजेता अरव व पायल रहे, पेपर गेम की कविता वह प्रतिमा रही। राजस्थानी ड्रेस के विजेता पारुल ,खुशबू, टीना रहे। विजेताओं का निर्णय हमारे निर्णायिका डीबी गर्ल्स जूनियर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सरिता गर्ग द्वारा किया गया। वह गणगोर स्पेशल तंबोला भी श्रीमती रिंकू गर्ग एवम सहोगी टीम द्वारा खिलाए गये। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। सभी विजेताओ को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में 250 महिलाओं ने भाग लिया और स्वादीस्त भोजन का आनंद लिया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशिकांत अग्रवाल द्वारा लकी विजेता को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने अध्यक्ष रिकु गर्ग, मंत्री रेखा अग्रवाल, रजनी बंसल, अर्चना संघी, कविता संघी,मोनीका अग्रवाल, हेमाअग्रवाल, ममता अग्रवाल, कविता गोयल, सीमा अग्रवाल, सुशीला केडिया, माया अग्रवाल अनमोल अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, आदि ने सहयोग दिया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी सभा आयोजित

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल के कार्यक्रम में आयोजित की गई। सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा की तथा सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया. शाखा अध्यक्ष लाजपतराय गुप्ता ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा मानद मंत्री पंकज संघी ने शाखा द्वारा आयोजित गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विगत दो वर्षों से प्रतिमा महा आयोजित किए जाने वाले अन्नाप्रसाद की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की गई जिसमें प्रतिमाह 600 लोगों के भोजन की व्यवस्था की जाती है। युवा मोर्चा द्वारा बॉक्स क्रिकेट, श्री श्याम भजन संध्या तथा शाखा द्वारा श्री श्याम निशान शोभायात्रा के भव्य स्वागत के सफल आयोजन के लिए युवा मोर्चा तथा संयोजक मंडल को बधाई दी गई। निर्णय लिया गया कि शाखा की वार्षिक साधारण सभा तथा निर्वाचित चुनाव के लिए साधारण सभा का आयोजन रविवार 21 मई को प्रातः 11 बजे से किया जाएगा। परामर्शदाता सुरेशचंद गुप्ता व वरिष्ठ सदस्य चंद्रमोहन अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। साधारण सभा में कार्यक्रम के लिए सुरेश कुमार गोयल तथा प्रदीप बंसल को संयोजक मनोनीत किया गया. बैठक में केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल, परामर्शदाता सुरेशचंद्र गुप्ता, गोविंद नारायण मोदी, उपाध्यक्ष सतनारायण मोदी, श्याम सुंदर अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सतीश बंसल, सुनील रुंगटा, अशोक कुमार अग्रवाल, रवि अग्रवाल ने भावी कार्यक्रमों के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। संयुक्त मंत्री सुरेश गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर आयोजित पूजा-अर्चना कार्यकम में भाग लेते हुए अध्यक्ष जेसी चोलाराम हांबड, कोषाध्यक्ष जसवंत देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, नरेंद्र परिहार, सुगनाबाई, सुशीला देवड़ा व अन्य।

छावनी परिषद के तीसरे वार्ड, कारखाना के महाकाली मंदिर में उगादि पर्व मनाया गया। इसमें बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जे. प्रताप, विवेक (चिंटू), दीपक, लोकेश, शरण, विजयेंद्र, कृष्णा आदि शामिल हुए।

मारवाड मुंडवा नागरिक मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर रमेश कुमार बंग का सम्मान करते हुए राजस्थानी सेवा संगठन के अध्यक्ष हरिकिशन बंग, सचिव जगदीश दरक, कोषाध्यक्ष कमल भांगडिया, महेश बैंक के निदेशक बद्रीविशोल मूंदडा, समाजसेवी गोपाल बल्दवा, गोविंद मढी, ओमप्रकाश मूंदडा, गौतम जैन व अन्य।

केबीआर पार्क में गणेशजी की पूजा आरती कार्यक्रम में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राहुल सिंघल, विजयकुमार, सुरेश, सीए विट्ठलदासजी बड़ागांव वाले, सुरेंदर अग्रवाल, महेश डाकोतिया, गोपाल बल्दवा व अन्य।

दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में

आखिरी लीग मैच में यूपी को 5 विकेट से हराया; यूपी-मुंबई के बीच एलिमिनेटर 24 मार्च को

WPL का पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
दिल्ली कैपिटल्स	8	6	2	12	+ 1.856
मुंबई इंडियंस	8	6	2	12	+1.711
यूपी वारियर्ज	8	4	4	8	-0.200
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	8	2	6	4	-1.137
गुजरात जायंट्स	8	2	6	4	-2.220

खेल डेसक, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने पहली विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। फाइनल 26 मार्च को खेला जाएगा। मेग लैनिंग की कप्तानी वाली टीम ने मंगलवार को आखिरी लीग मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज को 5 विकेट से हराया।

लीग की दूसरी फाइनलिस्ट टीम का फैसला 24 मार्च को डीवाई पाटिल स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्ज के बीच होने वाले एलिमिनेटर मैच से होगा।

आखिरी लीग मैच के बाद दिल्ली की टीम पॉइंट टेबल के टॉप पर रही। उसके मुंबई के ही समान 12 अंक हैं, लेकिन टीम ने बेहतर रन रेट के आधार पर फाइनल का टिकट हासिल किया। लीग में दिल्ली का रन रेट 1.856 रहा, जबकि मुंबई का 1.711 रहा।

मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 138 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की बल्लेबाजों ने 17.5 ओवर में 5 विकेट पर 142 रन बनाते हुए जीत हासिल की। टीम को मारियन कैप ने चौका जमाकर टीम को जिताया। कैप ने नाबाद 34 रन की उपयोगी पारी खेली। दोहरा प्रदर्शन करने वाली एलिस कैपसी प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

कप्तान मेग लैनिंग (39 रन) और शेफाली वर्मा (21 रन) ने 138 रन का टारगेट चेज करने उतरी दिल्ली को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 31 बॉल पर 56 रन की ओपनिंग साझेदारी की।

कैपसी-कैप की मैच जिताऊ साझेदारी

70 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद एलिस कैपसी और मारियन कैप ने 57 गेंदों पर 60 बॉल की साझेदारी कर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। यहां कैपसी 34 रन बनाकर आउट हुईं। कैप ने 15 रन बनाए।

आईपीएल-डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर हो सकते हैं श्रेयस

पीठ दर्द के चलते आखिरी टेस्ट और वनडे सीरीज नहीं खेले, सर्जरी हुई तो 5 महीने लगेंगे

खेल डेसक, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंडिया के टॉप ऑर्डर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर आईपीएल और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। पीठ में दर्द के चलते श्रेयस ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट और वनडे सीरीज भी नहीं खेल सके थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेयस अय्यर को डॉक्टरों ने सर्जरी की सलाह दी है। अगर उनकी सर्जरी होती है तो क्रिकेट के मैदान में वापसी करने में कम से कम 5 महीने लग सकते हैं। ऐसे में वो आने वाले अहम टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे।

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि श्रेयस की सर्जरी लंदन या फिर भारत के किसी अस्पताल में होगी। इस दौरान बीसीसीआई उन पर नजर बनाए रखेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अय्यर को लेकर अब तक कुछ नहीं कहा है।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए चांस हैं पर डब्ल्यूटीसी और आईपीएल मुश्किल

आईपीएल के मैच 31 मार्च से शुरू होंगे। ये टूर्नामेंट मई के आखिर तक चलेगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 से 11 जून तक इंग्लैंड के ओवल में खेला जाएगा। जहां तक बात वनडे वर्ल्ड कप की है तो यह 5 अक्टूबर से शुरू होगा। यानी सर्जरी की स्थिति में अय्यर के पास ये टूर्नामेंट खेलने के चांस रहेंगे।

आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर ने अय्यर को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा, कप्तान की तलाश शुरू

आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन में केकेआर ने अय्यर को 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। पिछले सीजन भले ही अय्यर की कप्तानी में केकेआर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी, लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से शानदार खेल दिखाया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अय्यर के चोटिल होने के बाद केकेआर ने नए कप्तानी विकल्पों की तलाश शुरू हो गई है। अभी तक केकेआर ने अय्यर की चोट और कप्तान के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है।

चोट की वजह से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे नहीं खेले, लौटे तो फिर चोटिल हुए

चोट के कारण ही अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया था।

वे टेस्ट टीम में वापस लौटे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला। पीठ का दर्द फिर बढ़ गया, चौथे टेस्ट में श्रेयस बाहर हो गए थे।

वह टीम में तो थे, लेकिन बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उसके बाद उन्हें स्कैन के लिए भेजा गया था। जहां उनकी चोट के गंभीर होने का पता चला।

12 शहरों में होंगे वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप के मैच

5 अक्टूबर को होगी शुरुआत, 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

दुबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। पहली बार पूरी तरह भारत की मेजबानी में हो रहे वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप की तारीखें सामने आ चुकी हैं। इसके मुकाबले भारत के 12 शहरों में आयोजित होंगे।

क्रिकेट के इस महाकुंभ का आयोजन 5 अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच होगा। हर चार साल में होने वाले इस मेगा टूर्नामेंट का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

क्रिकेट वेबसाइट क्रिकइंफो ने एक रिपोर्ट में वर्ल्ड कप के आयोजन की तारीखें और वेन्यू की जानकारी दी है, हालांकि दुनिया में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अधिकृत रूप से किसी तारीख का ऐलान नहीं किया है।

भारत पहली बार पूरे वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले, भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ मिलकर इस मेगा टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है।

टूर्नामेंट 46 दिनों तक चलेगा और तीन नॉकआउट सहित 48 मैच खेले जाएंगे। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है। टीम ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया है। अब भारतीय टीम मिशन वनडे वर्ल्ड कप पर है। जो अक्टूबर-नवंबर में भारतीय सरजमीं पर ही खेला जाना है। टीम इंडिया ने आखिरी आखिरी वर्ल्ड कप भी अपनी सरजमीं पर ही जीता था। तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया था। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम को अपनी तैयारी भी पुख्ता रखनी होगी, क्योंकि भारतीय फैंस की उम्मीदें उस इतिहास को दोहराते देखने की होंगी।

इस स्टोरी में आप भारतीय टीम के मिशन वर्ल्ड कप का रोड़मैप जानेंगे। साथ ही जानेंगे कि इस मिशन में टीम इंडिया को किन-किन चुनौतियों से पार पाना होगा और हमारे हथियार क्या होंगे।

53 साल के जोंटी रोड्स में दिखा 23 वाला जोश

लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाड़ियों के साथ 2 घंटे जमकर बहाया पसीना; हिंदी भी बोली

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल 2023 के लिए लखनऊ सुपरजाइंट्स कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसलिए लखनऊ के खिलाड़ी दो दिनों से इकाना स्टेडियम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। इस दौरान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फील्डर रहे लखनऊ के फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स पुराने तेवर में नजर आएं। 53 के जोंटी 23 साल के युवा क्रिकेटर की तरह कैच लपकते और थ्रो करते दिखाई दिए।

प्रैक्टिस के दौरान खिलाड़ी, तो बदलते रहे, लेकिन जोंटी लगातार डटे रहे। हैरानी वाली बात यह है कि इतनी उम्र में भी उनके चेहरे पर थकान नहीं दिख रही थी। इस दौरान बीच-बीच जोंटी ने हिंदी के भी कुछ शब्दों का इस्तेमाल भी किया। इन दो घंटों में उन्होंने सिर्फ 5 मिनट के लिए प्रैक्टिस रोकी।

सबसे पहले कैच प्रैक्टिस

दरअसल, मंगलवार शाम को करीब 6 बजे कोच एंडी फ्लावर, विजय दाहिया बैटिंग प्रैक्टिस की तैयारी कराने में जुट थे। वहीं, बॉलिंग कोच अपने काम में लगे। इसके बाद फील्डिंग कोच जोंटी ने डेनियम सेम और करन शर्मा को साथ फील्डिंग की प्रैक्टिस शुरू की। जोंटी ने सबसे पहले घेरे के अंदर के खिलाड़ियों वाले पोजिशन के हिसाब से कैच प्रैक्टिस कराया।

इसमें करन शर्मा और आयुष बढानी को करीब 45 मिनट तक वह लगातार कैच प्रैक्टिस कराई। कैच प्रैक्टिस खत्म होते ही वह

पॉइंट और गली के फील्ड के हिसाब से दोनों ही खिलाड़ियों को थ्रो की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान उन्होंने दोनों के बीच 6 बॉल में स्टंप को हिट करने की प्रतियोगिता भी रखी।

दो के बाद पांच खिलाड़ी आए

आयुष बढानी और करन शर्मा के बाद 5 खिलाड़ी प्रैक्टिस पर आ गए। इसमें रवि बिश्नोई और आवेश खान जैसे बड़े खिलाड़ी भी थे। इन लोगों को पहले तो नजदीक की फील्डिंग का कैच प्रैक्टिस कराया।

इसके बाद जोंटी ने जमीन को छूती हुई गेंद को कैसे पकड़ने चाहिए? ऊपर से निकलने वाली गेंदों को कैसे पकड़ना चाहिए? बाउंड्री पर कैसे कैच पकड़ते है? इसको लेकर सभी खिलाड़ियों को टिप्स दिए। प्रैक्टिस खत्म होने के बाद वह मुख्य कोच एंडी फ्लावर के साथ आगे की रणनीति को लेकर चर्चा करते नजर आए।

40 हजार दर्शक देखेंगे मैच

लखनऊ में करीब 40 हजार दर्शक मैच देखेंगे। लखनऊ की टीम पिछले साल कोविड-19 जैसे अपने होम ग्राउंड पर नहीं खेल पाई थी, लेकिन इस बार वह 7 मैच यहां पर खेलेगी। यह पहला मौका है, जब यूपी के किसी शहर में आईपीएल का मैच होने जा रहा है।

पाचवें स्थान पर रही थी टीम

लखनऊ आईपीएल की टीम पहले सीजन में काफी अच्छा खेली थी। टीम 5वीं पोजीशन पर रही थी। उम्मीद थी कि टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। लेकिन आखिरी के कुछ मैचों में हार की वजह से टीम टाप-4 में नहीं पहुंच पाई थी। इसके चलते प्रशंसकों को काफी निराशा हुई थी। टीम ने इस सीजन में अपनी जर्सी का कलर भी बदल दिया है। 6 मार्च को अहमदाबाद में टीम के मेंटर गौतम गंभीर कप्तान केएल राहुल और बीसीसीआई के सेक्रेटरी जैसा के साथ टीम के मालिक डॉ. संजीव गोयनका ने टी-शर्ट लॉन्च किया था।

विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप

डिफेंडिंग चैम्पियन निखत सहित तीन भारतीय क्वार्टर फाइनल में

खेल डेसक, 22 मार्च (एजेंसियां)। , 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत की निखत जरीन, नीतू घणघस और मनीषा मौन महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। डिफेंडिंग चैम्पियन निखत ने 50 किग्रा वेट कैटेगरी में मैक्सिको की फातिमा हेरेरा को सर्वसम्मत निर्णय से आसानी से हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में निखत का सामना थाईलैंड की छूथमेत रक्षत से होगा। वहीं, नीतू (48 किग्रा) और मनीषा मनीषा (57 किग्रा) ने अपने-अपने मुकाबले में आरएससी (रेफरी के द्वारा मुकाबला रोके जाने) पर जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

नीतू ने ताजिकिस्तान की सुमैया कोसिमोवा और

मनीषा ने तुर्की की नूर तुरहान को शिकस्त दी। इस बीच, शशि चोपड़ा को 63 किग्रा में हार का सामना करना पड़ा।

लियोनल मेसी को अर्जेंटिना में डिनर करना पड़ा महंगा

होमटाउन रोसारियो में झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ी, पुलिस फोर्स ने बचाया

खेल डेसक, 22 मार्च (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को अपने होमटाउन अर्जेंटीना के रोसारियो जाना महंगा पड़ गया। दरअसल मेसी सोमवार रात को अपने फॅमिली के साथ डिनर करने गए थे। लेकिन मेसी के शहर में होने की खबर फैल गई। देखते ही देखते लोगों का हुजूम मेसी को देखने के लिए पहुंच गया। मेसी अपना डिनर भी पूरा नहीं कर पाए और उन्हें अर्जेंटीना की सिक्योरिटी फोर्स ने निकाला।

मेसी पलेर्मो रेस्टोरेंट गए थे, यह दुनिया के 50 बेस्ट रेस्टोरेंट की लिस्ट में 13वें स्थान पर है।

अर्जेंटीना टीम में नाम आने के बाद इंटरनेशनल ब्रेक की वजह से मेसी स्वदेश लौटे है। मेसी पनामा और कुराकाओ के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेलेंगे। मेसी की टीम पीएसजी पहले ही यूईएफए चैंपियंस लीग से बाहर हो चुके है।

उन्हें राउंड ऑफ 16 में बायर्न म्यूनिख ने हराया। अब मेसी का फोकस लीग पर है।

रोसारियो में हाल ही में मेसी के ससुराल परिवार के ऊपर एक सुपरमार्केट में हमला हुआ था।स्थानीय पुलिस के मुताबिक सुपरमार्केट में 14 शॉट दागे गए थे, और अपराधी ने धमकी भी दी थी, जिसमें लिखा था कि, 'मेसी,हम तुम्हारा इंतजार कर रहे है। इस बार मेयर जेवकिन भी आपको नहीं बचा पाएंगे'।

जनवरी में फुटबॉल ट्रांसफर विंडो के बंद होने के बाद अगली ट्रांसफर विंडो में होने वाले बदलावों के बारे में बातें होनी शुरू हो गई हैं। आने वाली ट्रांसफर विंडो में मेसी अपने क्लब पीएसजी को छोड़ सकते है। बता दें की 2021 में मेसी ने फ्रांस के क्लब पीएसजी के साथ 2 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। अब उसका कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने वाला है। पीएसजी क्लब मैनेजमेंट के मुताबिक मेसी ने अब तक कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया है।

खरगोन के ऐश्वर्य बोले-मध्यप्रदेश का गोल्ड विदेश नहीं जाने दूंगा

शूटिंग वर्ल्ड कप में देश को कर रहे लीड; ओलंपियन ने बताई 5 गोल्ड जीतने की कहानी

भोपाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में पहली बार शूटिंग चैंपियनशिप वर्ल्ड कप 2023 का आयोजन हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए 33 देशों के 208 शूटर भोपाल पहुंच चुके हैं। उनके साथ 75 से ज्यादा टेक्निकल ऑफिशियल भी आए हुए हैं। 21 मार्च मंगलवार को इसका इसका आगाज हुआ। 22 मार्च यानी बुधवार से रायफल/पिस्टल शूटिंग कंपटीशन की शुरुआत होगी। जो 27 मार्च तक चलेगी।

ये आयोजन भोपाल की 'एमपी स्टेट शूटिंग एकेडमी' में हो रहा है। यह देश की पहली इंडोर रेंज है। दैनिक भास्कर की टीम शूटिंग एकेडमी में पहुंची। वर्ल्डकप में देश को लीड कर रहे 22 साल के ओलंपियन ऐश्वर्य सिंह तोमर से बात की। ऐश्वर्य मध्यप्रदेश के खरगोन से हैं। अब तक दुनिया भर में हुए वर्ल्ड कप कंपटीशन में 5 गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। नियमों की बंदिशों के चलते वो कैमरे पर नहीं आए। कॉल पर बात की।

खरगोन जिले के एक छोटे से गांव से आए ऐश्वर्य ने अपनी स्ट्रगल की पूरी कहानी बताई। इस चैंपियनशिप के बारे में बताया। उन्होंने ये भी कहा कि अपने MP का गोल्ड विदेश नहीं जाने दूंगा। आर्थिक हालातों पर बात करते हुए ऐश्वर्य ने कहा, "दूसरे राज्यों से जॉब के ऑफर आते हैं लेकिन सीएम मामा की तरफ से अब तक ऐसी कोई मदद नहीं मिली है।" आइए, सबसे पहले ऐश्वर्य की शूटिंग की दुनिया में कदम रखने से लेकर अब तक की पूरी कहानी पर चलते हैं...

मेले में बंदूक से गुब्बारे फोड़ने से हुई शुरुआत...

ओलंपियन ऐश्वर्य ने बताया, "मैं अभी 22 साल का हूं। 3 फरवरी, 2001 में पैदा हुआ था। मेरा गांव रतनपुर खरगोन जिले से 70 किमी दूर है। पिताजी किसान हैं। उनके पास एक लाइसेंसी बंदूक थी। उनको बंदूक चलाते देख मेरे अंदर भी हथियारों का शौक पैदा हो गया। जैसे-जैसे बड़ा होता गया मेरे अंदर शूटिंग का शौक बढ़ने लगा। पापा की बंदूक से शूटिंग प्रैक्टिस करने लगा।

उन्होंने आगे कहा, "गांव के पास ही जब मेला लगता था तो मैं वहां बंदूक से गुब्बारे फोड़ता था। जलती हुई मोमबत्तियां बुझाता था। वहां मेरे सारे शॉट सटीक लगते थे। दोस्त मेरी तारीफ किया करते थे। इसी के साथ शूटिंग में मेरी दिलचस्पी बढ़ती गई। खिलौने भी लेता था तो प्लास्टिक के गन-पिस्टल ही लिया करता था। फिर एक दिन मैंने अपने बुआ के बेटे नवदीप सिंह राठौर को कॉल किया।

नवदीप भैया भी प्रोफेशनल शूटर हैं। कोई शूटिंग कंपटीशन जीतने के बाद जब पेपर में उनका नाम छपता था तो मैं प्रभावित होता था। मैंने उनसे कहा कि भैया मुझे भी शूटिंग करनी है। उन्होंने मेरे मां-पापा को समझाया और फिर साल 2014 में वो मुझे मध्यप्रदेश स्टेट शूटिंग एकेडमी में ट्रायल दिलाने अपने साथ ले आए।

2014 में रिजेक्ट हुआ, 2018 में इंटरनेशनल खेला

ऐश्वर्य कहते हैं, "साल 2014 में मैं 13 साल का था। जूनियर ग्रुप का शूटर बनने के लिए शूटिंग एकेडमी में ट्रायल देने आया। मेरा सिलेक्शन नहीं हुआ। फिर एक साल तक मैंने बिना संसाधनों के घर में ही प्रैक्टिस की। साल 2015 में दोबारा ट्रायल देने आया। इस बार मेरा सिलेक्शन हो गया लेकिन किसी टेक्निकल इश्यू की वजह से नेशनल खेलों के लिए डिस्क्वालिफाई हो गया।

अब, एक साल तक के लिए मेरे पास कोई मौका नहीं था। मैं एकदम खाली बैठ गया। फिर मैंने पढ़ाई पर फोकस किया। तब मैं 9वीं क्लास में था। साथ ही साथ मेरी प्रैक्टिस चल रही थी। साल 2018 में मैं इंटरनेशनल खेलने के लिए सिलेक्ट हो गया था। साल 2018 में ही मैंने जूनियर शूटिंग कंपटीशन में नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। साल 2019 में मैंने एमक्यूएस कैटेगरी में 4 वर्ल्ड कप खेले। स्टेट एकेडमी ने ही खिलवाए ताकि मेरी रैंकिंग इंप्रूव हो और मेरा सिलेक्शन एशियन चैंपियनशिप के लिए सीनियर नेशनल टीम में हो सके।

2019 में ओलंपिक कोटा जीता, डब्ल्यूसी में 5 गोल्ड जीते

साल 2019 में मैं सीनियर नेशनल टीम में सिलेक्ट हो गया था। शूटिंग की एशियन चैंपियनशिप खेली। यही वो मैच था जिसमें ये तय होना था कि कौन ओलंपिक खेलेगा और कौन नहीं। इस मैच में मैंने ओलंपिक का कोटा जीत लिया फिर ओलंपिक गेम्स में पार्टिसिपेट किया। अब तक वर्ल्ड कप में 5 गोल्ड इंडिविजुअल जीत चुका हूं।

होम स्टेट में हो रहा वर्ल्ड कप, 6वां गोल्ड मेडल जीतना है

इस बार का ISSF शूटिंग चैंपियनशिप वर्ल्ड कप मेरे होम स्टेट में हो रहा है। राजधानी भोपाल में हो रहा है। ये मेरे लिए गर्व की बात है। मैं अंदर से बेहद एक्साइटेड हूं। इसके लिए मेरी तैयारी भी अच्छी है। अभी 5 गोल्ड इंडिविजुअली जीत चुका हूं, 6वां गोल्ड भी मैं ही जीतूंगा, ऐसी उम्मीद है। कोशिश करूंगा MP का गोल्ड विदेश ना जाए। ये वर्ल्डकप मेरे लिए बेहद खास होने वाला है। कई देशों से खिलाड़ी आए हुए हैं। कंपटीशन तो रहता है लेकिन मेरी कोशिश रहती है कि इंटरनेशनल लेवल पर भारत का तिरंगा सबसे ऊपर लहराए।

मध्यप्रदेश से मैं और आशी चौकसे है, वो भी राइफल चलाती है

इस वर्ल्ड कप में इंडिया टीम से कुल 37 शूटर पार्टिसिपेट कर रहे हैं। 20 लड़के हैं और 17 लड़कियां। बहुत से एमक्यूएस से यानी सिलेक्शन होने के बाद अपने खर्च पर खेलते हैं। मैं नेशनल टीम का हिस्सा हूं। नेशनल टीम का हिस्सा टॉप 3 प्लेयर होते हैं। हमें सेंट्रल गवर्नमेंट खिलवाती है। 4 और 5 नंबर पर जो खेलता है वो एमक्यूएस कैटेगरी से खेलता है। हमारे मध्य प्रदेश से मेरे अलावा भोपाल की आशी चौकसे भी खेल रही है। वो भी एमक्यूएस कैटेगरी में एयर राइफल शूटिंग करेगी।

मध्यप्रदेश के बाहर से आते हैं जॉब ऑफर, उम्मीद है सीएम कृपा करेंगे

सरकारी मदद और नौकरी वाले सवाल का जवाब देते हुए ऐश्वर्य ने कहा, "अन्य राज्य ओलंपिक खेल चुके और वर्ल्ड कप में गोल्ड जीत चुके शूटर्स को नौकरी देते हैं लेकिन हमारे राज्य में अभी ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। बाहर से मुझे नौकरी के कई ऑफर्स आते हैं। रेलवे, आर्मी और अन्य फोर्स की तरफ से मुझे ऑफर आते हैं। उम्मीद है सीएम शिवराज मामा जी अपने राज्य में ही हमारे लिए कुछ करेंगे ताकि हम भविष्य की चिंता ना करते हुए फ्री माइंड से अपने गेम पर ध्यान दे सकें।₹

यूएस, ईरान, कनाडा जैसे देशों से आए हैं शूटर

शूटिंग वर्ल्ड कप का हिस्सा बनने 33 देशों के 325 शूटर भोपाल आए हुए हैं। इंडिया समेत इन देशों में

जर्मनी, इजरायल, अमेरिका, जापान, ब्राजील, चीन, चेक रिपब्लिक, अजरबैजान, बांग्लादेश, बोस्निया और हर्जेगोविना, डेनमार्क फ्रांस, ब्रिटेन, हंग्री, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, कोरिया, सऊदी अरब, लिथुआनिया, मालदीव, मेक्सिको, रोमानिया, सिंगापुर, सर्बिया, श्रीलंका, चीनी ताइपी, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, उज्बेकिस्तान जैसे देश शामिल हैं।

कनाडा के एचपीडी पियरे दे रहे टीम इंडिया को ट्रेनिंग

इस वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर पियरे ब्यूचैंप हैं। कनाडा के शूटिंग एक्सपर्ट पियरे ने हमें बताया कि टीम इंडिया अपनी पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। सभी कॉन्फिडेंट हैं।

यहां भोपाल में शूटिंग एकेडमी का वातावरण भी शानदार है। यहां 10, 25, 50 के अलावा शॉट गन की क्वालिफाइ रेंज हैं। 10 मीटर में एक साथ 70, 25 मीटर में 50 और 50 मीटर में 20 खिलाड़ी एक साथ निशाना लगा सकते है। फाइनल शूटिंग रेंज में अपग्रेडेड मशीनें है। 375 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है।

बिशन खेड़ी में बनी ये राज्य शूटिंग अकादमी 37 एकड़ एरिया में फैली हुई है। यहां पर एक छात्रावास भी बना हुआ है जहां 240 से ज्यादा खिलाड़ियों के रुकने की व्यवस्था है। छात्रावास में ही लाइब्रेरी, मिनी जिम, डायनिंग एरिया, मेडिटेशन हॉल और एंटरटेनमेंट जोन की भी व्यवस्था है। हालांकि विदेश और दूसरे राज्य से आए खिलाड़ियों को भोपाल की मैरियट, ताज, रेडिशन, जेहन नुमा जैसे 5 स्टार होटलों में रोका गया है।

भोपाल में सीएम शिवराज ने किया शूटिंग वर्ल्ड कप का उद्घाटन

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पहली बार शूटिंग चैंपियनशिप वर्ल्ड कप 2023 का आयोजन हो रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका उद्घाटन किया।

शहरी विकास में तेलंगाना सबसे आगे

पट्टना प्रगति कार्यक्रम को पूरे देश ने खूब सराहा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में तेलंगाना सबसे आगे है और यह भारत में सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले राज्यों में से एक है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आकांक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए शहरी विकास कार्यक्रमों को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने के लिए लागू कर रही है। शहरी विकास एवं नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटी रामा राव के नेतृत्व में एक अभिनव तरीके से शुरू किए गए पटना प्रगति कार्यक्रम की पूरे देश से खूब सराहना हुई। कार्यक्रम को हर साल कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिलते हैं। आज, तेलंगाना को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अच्छी तरह से विकसित शहरों और कस्बों के साथ तेजी से बढ़ते शहरीकृत राज्य के रूप में पहचाना जाता है। अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने पट्टन प्रगति के तहत 20 फरवरी से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के साथ 142 नगर निकायों को 4,304 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इन निधियों में से 3,936 करोड़ रुपये अर्थात लगभग 92 प्रतिशत धनराशि का उपयोग नगर निकायों द्वारा पहले ही किया जा चुका है। सरकार ने जीएचएमसी को 2,276 करोड़ रुपये और शेष 141 नगरपालिकाओं को 2,028 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। नगर निकायों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार हर महीने पटना प्रगति के तहत धनराशि जारी करती है।

अपनी कार्य योजना के तहत, एमए और यूडी विभाग ने 2022-23 में फरवरी तक प्रति माह 116 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इन निधियों में से, जीएचएमसी को 61 करोड़ रुपये और अन्य 141 नगर निकायों को हर महीने 55 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। शहरी स्थानीय निकाय पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

जीएचएमसी के अलावा, 141 नगर निकाय प्रतिदिन कुल 4,356 टन कचरा एकत्र कर रहे हैं। घरों से शत-प्रतिशत कूड़ा उठाने के लिए 2165 नए सफाई वाहन खरीदे गए हैं। इससे पहले प्रतिदिन 2,548 स्वच्छता वाहनों द्वारा केवल 2675 टन कचरा एकत्र और परिवहन किया जाता है।

वर्तमान में, स्वच्छता कचरा संग्रहण वाहनों की संख्या बढ़कर 4,713 हो गई है, जिससे स्वच्छता की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। एकत्रित कचरे को संसाधित करने के लिए 141 नगर पालिकाओं में कुल 1,233 एकड़ डंप यार्ड स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के लिए 206 ड्राई सोर्स कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं। इसी प्रकार कचरे को जैविक खाद में बदलने के लिए 229 कम्पोस्ट बेड स्थापित किए गए हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए, राज्य सरकार ने जीएचएमसी को छोड़कर सभी नगर पालिकाओं में 428 करोड़ रुपये की लागत से 2,035 किलो लीटर प्रति दिन की क्षमता वाले 139 मल अपशिष्ट उपचार संयंत्रों को मंजूरी दी है। 20 प्लांट का काम पूरा हो चुका है। 14 स्थानों पर कार्य अंतिम चरण में है और अन्य 49 स्थानों पर विभिन्न चरणों में है। जल्द ही 50 जगहों पर प्लांट का काम शुरू हो जाएगा। दूसरी ओर राज्य सरकार हरियाली को बढ़ावा देने के लिए नगर निगमों में ग्रीन एक्शन प्लान को सफलतापूर्वक लागू कर रही है। 141 नगर पालिकाओं में 3,468 वार्डों में "प्रकृति वनलु" (शहरी प्राकृतिक वन) के तहत ट्री पार्क विकसित किए जा रहे हैं।इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2021 से अब तक 34.59 लाख पौधे रोपे जा चुके हैं। तेलंगाना के लिए हरिता हरम के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है। 2023-24 में 141 नगर पालिकाओं में 2.14 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इस हिसाब से 1012 नर्सरियों में 2.36 करोड़ पौधे उगाए जा रहे हैं। मल्टी लेयर एवेन्यू प्लांटेशन के हिस्से के रूप में, 141 नगर पालिकाओं में 796 हिस्सों पर 1,208 किलोमीटर के किनारे विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। ग्रीन कवर विकसित करने के लिए अब तक 141 नगर पालिकाओं में ग्रीन बजट के तहत 779 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हरिता निधि (ग्रीन फंड) के तहत राज्य सरकार को ट्रेड लाइसेंस धारकों से 128.97 लाख रुपये और कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों से योगदान के रूप में 14.28 लाख रुपये मिले हैं। पहल के तहत कुल 1,43,25,000 रुपये जमा किए गए। राज्य सरकार ने 141 नगर निकायों में 453 वैकुंठधाम स्वीकृत किए हैं। 297 वैकुंठधामों में काम पहले ही पूरा हो चुका है और अन्य 149 स्थानों पर विभिन्न चरणों में हैं। पर्यावरण संरक्षण सहित कई विकास कार्यक्रमों के साथ, तेलंगाना राज्य के सभी नगर निकाय देश के लिए एक रोल मॉडल के रूप में खड़े हुए हैं।

कछुआ गति से चल रही हैं केंद्र की सड़क परियोजनाएं

राहगीरों के लिए दुःस्वप्न में बदला उप्पल मुख्य मार्ग

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जहां तेलंगाना सरकार ने 31 से अधिक रणनीतिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी) परियोजनाओं को समय पर पूरा करके हैदराबाद को एक विश्व-स्तरीय शहर में बदल दिया, वहीं दूसरी ओर केंद्र द्वारा शुरू की गई परियोजनाएं कछुआ गति से चल रही हैं और इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उप्पल से नारापल्ली तक छह लेन का फ्लाईओवर है, जिसे केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित किया जा रहा है, लंबे समय से तैयार किया जा रहा है तथा यह हैदराबाद में लोगों के लिए कष्टप्रद बन गया है। फ्लाईओवर नीचे की व्यस्त सड़क जो उप्पल चौराहे और मेडिपल्ली को जोड़ता है, जिसकी लंबाई 7 किमी से अधिक है, यात्रियों, स्थानीय निवासियों और फेरीवालों के लिए एक दुःस्वप्न में बदल गई है।

इस खंड (दोनों तरफ) पर कई गड्ढे बन गए हैं, डामर की परत उखड़ गई है और असमान सड़क सतहों के अलावा जल जमाव बिंदु एक आम दृश्य बन गए हैं जिससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। उप्पल मुख्य सड़क की दयनीय स्थिति मुख्य सड़क पर धूल के गुब्बार के अतिरिक्त है, जिसके परिणामस्वरूप खराब दृश्यता और असुरक्षित ड्राइविंग होती है। पिछले एक साल से इस मार्ग से बीबीनगर और यदाद्री की ओर जाने वाले स्थानीय निवासियों और यात्रियों को परेशानी हो रही है। खिंचाव को बनाए रखने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है और इस पर एक वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि नोटिस भी भेजे गए हैं।

राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा क चल रही परियोजना के तहत आने वाले सड़क गलियारे के रखरखाव की जिम्मेदारी परियोजना के निष्पादन में शामिल एजेंसी के पास है। हमने सड़क को बहाल करने के लिए कई नोटिस भेजे, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। नतीजतन, हमने अब राज्य सरकार के धन के साथ सड़क को बहाल करने और सभी मानदंडों का पालन करते हुए एजेंसी की जमा राशि से पैसा काटने का फैसला किया है। भारी धूल से बीमार होने से बचने के लिए यात्री अपने चेहरे को कपड़े के टुकड़े या रुमाल से ढक लेते हैं।

राहगीरों के अलावा, फेरीवाले जो अपने व्यवसाय के लिए पूरा दिन मुख्य सड़क के किनारे बिताते हैं, सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। मेडिपल्ली के रास्ते में उप्पल चौराहे को पार करने के बाद, फलों के कई स्टॉल और अन्य खाने-पीने की दुकानें हैं, जो बिना किसी विकल्प के धूल में बैठ जाती हैं।

नल्लाचेरुवु के पास एक नियमित मोटर चालक का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण नियमित यात्रियों का स्वास्थ्य दांव पर है। खराब दृश्यता और खराब सड़क की स्थिति के कारण हमारा जीवन दांव पर है। भारी धूल के कारण बार-बार कमर दर्द और फेफड़ों में संक्रमण होना आम बात हो गई है।

वरंगल में कांग्रेस में अंदरूनी कलह एक बार फिर सामने आयी

वरंगल, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जनगांव डीसीसी अध्यक्ष जंगा राघव रेड्डी की नवीनतम घोषणा के साथ कि वह अगले आम चुनावों में वारंगल पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, कांग्रेस पार्टी में आंतरिक लड़ाई एक बार फिर सामने आ गई है। मंगलवार को जीड्ब्ल्यूएमसी की सीमा के तहत 63वें डिवीजन में एक पदयात्रा के दौरान की गई इन टिप्पणियों ने हनमकोंडा डीसीसी के अध्यक्ष नैनी राजेंद्र रेड्डी को खुली चुनौती दी, जो वारंगल पश्चिम से आम चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं।

यहां यह याद किया जा सकता है कि राजेंद्र और राघव दोनों के अनुयायी पिछले साल अप्रैल में एआईसीसी नेता राहुल गांधी की जनसभा की व्यवस्था के दौरान हनमकोंडा के सूबेदारी में आर्ट्स कॉलेज मैदान में भिड़ गए थे। उससे पहले कांग्रेस नेताओं के बीच कई महीनों तक अंदरूनी कलह चलती रही। राघव रेड्डी के सार्वजनिक बयान पर राजेंद्र रेड्डी नाराज थे कि वह पलाकुर्ती निर्वाचन क्षेत्र के बजाय वारंगल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। इसके बाद, इस मुद्दे पर पिछले साल पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और अनुशासन समिति द्वारा भी चर्चा की गई थी। राजेंद्र की शिकायत के आधार पर टीपीसीसी ने राघव से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण भी मांगा था। जाहिरा तौर पर, 'चेतावनी' उन्हें वारंगल पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने के बाद से उन्हें रोकने में विफल रही है। राघव, जिन्होंने पिछले आम चुनावों में पलकुर्ती विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, येर्राबेल्ली दयाकर राव से हार गए थे।

राघव की ताजा टिप्पणियों का जवाब देते हुए, राजेंद्र ने कहा कि राघव को हनमकोंडा जिले की सीमा में पदयात्रा करने का कोई अधिकार नहीं था क्योंकि वह जनगांव जिले के पार्टी अध्यक्ष हैं। अनुशासन समिति के नोटिस के बावजूद कि किसी को भी अन्य जिलों में बिना अनुमति के बैठक या यात्रा आयोजित नहीं करनी चाहिए, वह हनमकोंडा जिले में यात्रा का आयोजन कर रहे हैं। यह सही नहीं है। और वह पार्टी में गुटबाजी की राजनीति को बढ़ावा देने और पार्टी को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे हैं। राजेंद्र ने कहा कि मैं पार्टी आलाकमान से राघव रेड्डी को तुरंत पार्टी से निलंबित करने की मांग करता हूं।

एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर उद्घाटन के लिए तैयार

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि सामरिक सड़क विकास योजना (एसआरडीपी) के हिस्से के रूप में विकसित एलबी नगर आरएचएस (दाहिनी ओर), फ्लाईओवर उद्घाटन के लिए तैयार है। एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर इस खंड के साथ यात्रियों के लिए कई लाभों का वादा करता है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लाभों में हयातनगर से दिलसुखनगर की ओर सिग्नल-मुक्त यातायात, यात्रा की गति में 40 किमी प्रति घंटे की वृद्धि और यात्रा के समय और वाहन परिचालन लागत में पर्याप्त बचत शामिल है। 32 करोड़ रुपये की लागत से ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा विकसित, एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर 760 मीटर लंबा है जिसमें 380 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा है। एलबी नगर आरएचएस फ्लाईओवर एक दिशात्मक सुविधा है और तीन लेन से सुसज्जित है।

स्लीपर कोच के ट्रेन यात्री भगवान भरोसे!

कोच के अंदर हो रही भीड़ से आंख मूंद बैठे हैं आला अधिकारी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्लीपर कोच के ट्रेन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर न रेल मंत्री चिंतित हैं और न किसी आला अफिसर। स्लीपर बोगी में इतनी भीड़ हो रही है कि अगर ऊपर से राई जैसी छोटी चीज गिरायी जाए तो एक भी नीचे नहीं गिरेगी। यह 3-4 महीनों पहले स्लीपर बोगी में आरक्षण टिकट लेने वालों की परेशानी है। यह सिर्फ रेलवे के किसी एक जोन के यात्रियों की परेशानी नहीं हैं, यह पूरे देश के ट्रेन यात्रियों की परेशानी है। हर जोन के जीएम लगातार समीक्षा बैठक कर रहे हैं। आला अधिकारियों को ट्रेन संचालन व यात्री सुरक्षा को लेकर तरह-तरह के निर्देश दे रहे हैं, किंतु ये निर्देश फाइल के अंदर दब कर रह जा रहे हैं।

सच्चाई तो तब सामने आएगी, जब आला अधिकारी साधारण यात्री की तरह बिना सूचना के बोगी में यात्रा करेंगे। शिकायत के लिए जो नंबर दिया गया है, उस पर भी यात्री लगातार कॉल कर रहे हैं, किंतु कार्रवाई कुछ नहीं। शिकायत दर्ज होती है और कुछ समय के बाद मैसेज आता है कि आप की समस्या सुलझा ली गई है। इस पर आखिर शिकायत करने वाला मन ही मन खुद को कोसते हुए रह जाता है।

हावड़ा से सिकंदराबाद आने वाली फालकनुमा (ट्रेन नं 12703) से यात्रा करने वाले एक यात्री ने शिकायत करते हुए बताया कि जब वह अपने स्टेशन से बोगी नं एस-12 में चढा, तो भीड तो काफी थी, किंतु आगे-आगे भीड़ बढती चली गई। बोगी में टिकट जांच करने वाले विशेष स्क्वार्ड दल के सदस्य आये और अवैध रूप से बोगी में बैठे हुए यात्रियों से फाइन स्वरूप मोटी राशि लेकर उन्हें बैधता की रसीद दे दी और यह कहते हुए सरक गये कि देखना जैसे आरक्षित यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बाद में आरक्षित सीटों पर तथा आसपास एरिया में उन यात्रियों का कब्जा धीरे-धीरे हो गया। आंध्र प्रदेश की सीमा छूते-छूते 72 सीट वाली बोगी में लगभग 140 यात्री सवार थे। ये यात्री बेगी के अंदर की सीटों के अगल-बगल नीचे बैठे हुए थे या फिर सोये हुए थे। यहां तक तो बात ठीक थी, किंतु दोनों तरफ शौचालक के सामने इतना सामान, बैग्स या फिर यात्री बैठे हुए थे कि रात के समय बच्चे, बूढे, महिला या मरीजों को शौच के लिए जाना काफी मुश्किल हो गया। लगभग 24 घंटे तक सफर करने वाले गरीब व मध्यवर्गीय यात्री के लिए यह परेशानी को कौन देखेगा? बीच रास्तों में ट्रेनों में साफ-सफाई न के बराबर रही, क्योंकि भीड़ इतनी हो रही है कि सफाई कर्मचारियों को भी घुसना मुश्किल हो जा रहा था। बीच रास्ते में न कोई अधिकारी या पुलिसकर्मी यात्रियों की सुरक्षा की खबर लेने आता है और न कोई उनके बारे में सोचता है। आखिर पैसा देने के बाद भी यात्रियों को भगवान भरोसा छोड़ दिया जा रहा है। बोगी में बिना टिकट यात्रा करने वाले अपने साथ क्या-क्या ला रहे हैं, कोई बम या उपद्रवी सामान तो नहीं ला रहा है, इसकी जांच कोई नहीं कर रहा है। किसी टीटीई से जब इस समस्या के बारे में पूछा गया तो उनका कहना था कि हम क्या कर सकते हैं। आप किसी को भी ट्विट कीजिए या फिर शिकायत कीजिए। हम तो हमारे काम कर हैं। यह एक दिन की कहानी नहीं है, हर दिन की कहानी है। इधर इस्टकोर्ट रेलवे से लेकर दक्षिण मध्य रेलवे के जीएम अपने अधिकारियों को अच्छे कलेक्शन के मामले में पुरस्कृत कर रहे हैं। यह कहां तक उचित है, यह सवाल उठ रहा है। यात्रियों ने उन आला अधिकारियों से इन गरीब यात्रियों का खयाल करने की अपील की है, ताकि वे ट्रेन में थोड़े आराम से सफर कर सकें। खासकर महिला व बुजुर्गों की यह अपील है। कमसे कम पैसे कमाने के चक्कर में यात्रियों को निर्जीव वस्तु न समझ लें। यात्रीवाही ट्रेनों को गुड्स ट्रेन में न तब्दिल कर दें।

नगर में देखे गए आल्टोक्यूम्यलस बादल, संभावित तूफान का संकेत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के ऊपर आसमान में आल्टोक्यूम्यलस बादल मंगलवार को देखे गए और अब मौसम विशेषज्ञ भविष्यवाणी कर रहे हैं कि वे हैदराबाद सहित तेलंगाना में आने वाली आंधी का अग्रदूत हो सकते हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 23 से 28 मार्च के बीच इस क्षेत्र में छिटपुट गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। आल्टोक्यूम्यलस बादल, जो पानी की बूंदों से बने मध्य-स्तर के बादल हैं, अक्सर आने वाले तूफान प्रणाली या सामने की सीमा का संकेत दे सकते हैं। इस मामले में, इन बादलों की उपस्थिति की व्याख्या मौसम विज्ञानियों द्वारा क्षेत्र में संभावित तूफान गतिविधि के संकेत के रूप में की गई है।

हालांकि, आईएमडी ने स्पष्ट किया है कि गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है, और इस अवधि के दौरान व्यापक वर्षा की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग ने आगामी आंधी गतिविधि को कारकों के संयोजन के लिए जिम्मेदार ठहराया, जिसमें क्षेत्र पर कम दबाव की गर्त और एक नम पूर्वी हवा का प्रवाह शामिल है।

15,700 से अधिक छात्र मंगलवार को इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष परीक्षा में अनुस्थित रहे

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 15,700 से अधिक ने मंगलवार को राज्य भर में आयोजित इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष (गणित का पेपर-IIA, वनस्पति विज्ञान का पेपर-II और राजनीति विज्ञान का पेपर-II) परीक्षा छोड़ दी है। कुल 4,44,384 अभ्यर्थी पंजीकृत थे और 3.5 प्रतिशत अनुपस्थित के साथ 4,28,664 उपस्थित थे।

नकल किये जाने के तीन मामले-नलगोंडा में दो और वनपर्ती जिले में एक परीक्षा के दौरान दर्ज किए गए हैं। तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने बिना किसी अप्रिय घटना के सुचारू रूप से आयोजित परीक्षा की निगरानी और निगरानी के लिए अपने पर्यवेक्षकों को नालगोंडा, मेडक, विकाराबाद, रंगा रेड्डी, महबूबनगर, वारंगल और हैदराबाद जिलों में भेजा है।

सीएम का अपमान करने वालों का सही जबाव देंगे : केटीआर

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत दिया। राज्य के मंत्री ने ट्विटर पर कहा कि बीजेपी शासित कर्नाटक में अपमानजनक ट्वीट के लिए 14 दिनों की जेल तेलंगाना में, हम अपने सीएम, मंत्रियों और विधायकों के लिए प्रत्यक्ष और भयानक अपमान सहन कर रहे हैं, समय आने पर हम उन्हें सही जबाव देंगे।

यह ट्वीट कन्नड़ अभिनेता चेतन की "अपमानजनक" ट्वीट पोस्ट करने के लिए गिरफ्तारी के संदर्भ में था। केटीआर का ट्वीट मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों के लिए पुलिस द्वारा यूट्यूब चिंतापांडु नवीन कुमार उर्फ तीनमार मल्लन्ना की गिरफ्तारी के घंटों बाद आया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओलावृष्टि प्रभावित किसानों की मदद करेगी सरकार : विनोद कुमार

करीमनगर, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने उन किसानों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है, जिनकी फसल हाल ही में हुई ओलावृष्टि में नष्ट हो गई थी।

विनोद कुमार ने चौपडांडी विधायक सुनके रविशंकर और कलेक्टर आरवी कर्णन के साथ चोपडांडी और रामाडुगु मंडलों में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण किया। विनोद कुमार ने कहा कि 21,000 एकड़ में फैली विभिन्न किस्मों की फसलें बर्बाद हो गईं और 18,000 किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं। प्रभावित किसानों की सहायता के लिए प्रयास तेज किए जाएंगे। यह बताते हुए कि कृषि और बागवानी अधिकारियों को फसल क्षति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को रिपोर्ट सौंपकर किसानों को समर्थन देने का प्रयास शुरू किया जाएगा।

पहले, जल भंडारण तंत्र की कमी के कारण बहुत सारा पानी बिना किसी उद्देश्य के समुद्र में बह जाता था। नतीजतन,तेलंगाना रेगिस्तान जैसा दिखता था। हालांकि अलग राज्य बनने के बाद सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से स्थिति बदली है। कृषि क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति के अलावा, सभी जल निकायों को भरा जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप भूजल तालिका में सुधार हुआ है। यह कहते हुए कि प्राकृतिक आपदाओं को रोकना संभव नहीं है, उन्होंने राज्य सरकार से समर्थन का आश्वासन दिया।

टीटीडी ने 2023-24 के लिए 4,411 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी

तिरुमाला, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने वर्ष 2023-24 के लिए 4,411 करोड़ रुपये के बजट को मंज़ूरी दी है। टीटीडी के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने बुधवार को यहां एक मीडिया सम्मेलन में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि 15 फरवरी को टीटीडी बोर्ड की बैठक में कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए थे, लेकिन चुनाव आचार संहिता के कारण विवरण सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि कोविड के समय में शुरू की गई ऑनलाइन सेवाएं जारी रहेंगी और श्रीनिवास सेतु का निर्माण अप्रैल के अंत तक शुरू हो जाएगा और तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पूरा हो जाएगा। साथ ही 5.25 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त लड्डू काउंटर भी स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि 5 अप्रैल को वोंटिमिटा मंदिर में बड़े पैमाने पर सीताराम कल्याणम का प्रदर्शन किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री सरकार की ओर से रेशमी वस्त्र भेंट करेंगे।

तेलुगु राज्यों के राज्यपालों व मुख्यमंत्रियों ने दी उगादी की बधाई

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों ने बुधवार को उगादि या तेलुगु नववर्ष के अवसर पर लोगों को बधाई दी। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने राज्य के लोगों और दुनिया भर के तेलुगु लोगों को 'श्री शोभक्रुतु नाम संवत्सरम उगादि' की बधाई दी।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि मुझे विश्वास है कि श्री शोभक्रुतु नाम संवत्सरम सभी लोगों और समाज के वर्गों के लिए शांति, समृद्धि, सद्भाव, स्वास्थ्य और खुशी लाएगा। अपने अभिवादन में, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आशा व्यक्त की कि उगादी, जिसे कृषि वर्ष माना जाता है, सभी क्षेत्रों में किसानों और लोगों के लिए सौभाग्य लाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना प्रचुर मात्रा में सिंचाई के पानी, पीने के पानी और हरी फसलों के साथ फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास से इसके संबद्ध क्षेत्रों और व्यवसायों को मजबूती मिली है और तेलंगाना राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था कायम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगानाद्वारा हासिल की गई प्रगति देश के लिए एक आदर्श बन गई है।

अपनी शुभकामनाएं देते हुए, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर ने कहा कि उगादि उत्सव के शुभ अवसर पर मैं आंध्र प्रदेश के लोगों और पूरे तेलुगू लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने लोगों की समृद्धि की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि तेलुगु नव वर्ष किसानों, महिलाओं और सभी व्यवसायों के लोगों के लिए खुशी लेकर आएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.